सुप्रभात
रांची, सोमवार
23.06.2025
* * नगर संस्करण। पेज :12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित | सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net | आषाढ़, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी , संवत् 2082 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 338

12 अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की आज बैठक

न्यूज डायरी

स्कूल हॉस्टल में नौवीं के छात्र ने लगा ली फांसी

पश्चिम सिंहभूम। मनोहरपुर के आरटीसी स्कूल के अनुसूचित जाति छात्रावास में शनिवार रात नौवीं कक्षा का 14 वर्षीय छात्र सौरभ ने खुदकुशी कर ली। आनंदपुर निवासी सौरभ स्कूल में रहकर पढ़ाई कर रहा था। वह कमरे में फंदे से लटका मिला। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच पड़ताल कर रही है। परिवार ने स्कूल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

मानसून में भी नक्सलियों को नहीं लेने देंगे चैन : शाह

रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को यहां कहा कि मानसून में भी माओवादियों को चैन नहीं लेने देंगे। बारिश के मौसम में भी एंटी नक्सल ऑपरेशन जारी रहेगा। किसी भी तरह की ढिलाई नक्सलियों को नहीं देंगे। केंद्र और राज्य सरकार दोनों हर हाल में तय समय सीमा 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद के सफाए को लेकर प्रतिबद्ध है और उसी दिशा में काम कर रही है। उन्होंने माओवादियों से सरेंडर करने की अपील की।

तालाब में डूबने से दो मौसेरे भाइयों की मौत

मेदिनीनगर। जिला में रेड़मा रांची रोड के पास तालाब में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गयी। दोनों आपस में मौसेरे भाई हैं। पुलिस ने ग्रामीणों और स्थानीय गोताखोरों की मदद बच्चों के शव को बाहर निकाला और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। परिजनों के अनुसार बच्चे शनिवार से घर से लापता थे। अपने स्तर से खोजबीन के बाद देर रात पुलिस को जानकारी दी। रविवार को तालाब के पास दोनों के कपड़े मिले।

मरांडी और रघुवर दास ने की संगठनात्मक चर्चा

दुमका। पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी और रघुवर दास ने पार्टी संगठन और राज्य की राजनीति से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा किया। विशेष रूप से संताल परगना के उन मुद्दों पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं में रविवार को दुमका परिसदन भवन में रविवार को मुलाकात हुई। दोनों नेताओं ने पार्टी संगठन और राज्य की राजनीति से संबंधित विषयों पर चर्चा की। श्री मरांडी रविवार को सुबह दुमका पहुंचे। श्री दास लिट्टीपाड़ा में आदिवासी संगठन के जन चौपाल में भाग लेने पहुंचे थे।

राज्यभर में भाजपा का 24 को आक्रोश प्रदर्शन

रांची। प्रदेश महामंत्री और सांसद आदित्य साहू ने रविवार को कहा कि प्रदेश के सभी 264 प्रखंडों में भाजपा 24 जून को आक्रोश प्रदर्शन करेगी। श्री साहू ने कहा कि हेमंत सरकार पार्ट-2 की कार्यशैली, नीति और नीयत में कोई परिवर्तन नहीं आया है। यह सरकार खनिज संपदा को लूटने और लुटवाने में लगी है। राज्य के पंचायतों से लेकर सचिवालय तक आकंठ भ्रष्टाचार है।

कार्टून कोना

नेतन्याहू ने किया स्वागत, यूएनओ ने कहा- वेरी बैड, ईरान के पलटवार में इजरायल के कई शहर तबाह

ट्रंप ने ईरान का न्यूक्लियर प्लांट बंकर बस्टर से उड़ाया

सैन्य कार्रवाई

एजेंसी

वाशिंगटन, तेहरान, तेलअबीब। इजरायल और ईरान के बीच जारी सैन्य टकराव में अमेरिका की एंट्री से स्थिति और बिगड़ती दिख रही है। अमेरिकी विमानों ने शनिवार की देर रात ईरान के फोर्दो परमाणु केंद्र पर बेहद घातक और एडवांस्ड बंकर बस्टर से हमला कर परमाणु ठिकानों को तबाह कर दिया। हमले को अमेरिकी बी-2 स्टील्थ बॉम्बर ने इसे अंजाम दिया, जो दुनिया के सबसे सुरक्षित और गहराई में बने फोर्दो न्यूक्लियर फैसिलिटी को भी भेदने में सक्षम है। रविवार सुबह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस हमले के बारे में दुनिया को बताया। उन्होंने धमकी भी दी कि ईरान शांति की राह पर लौटे नहीं तो और घातक हमला होगा। इजरायल ने इरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के ट्रंप के फैसले को सराहा। वहीं संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि बहुत गलत हुआ। वह ईरान में परमाणु केन्द्रों पर अमेरिका के बम हमलों से बेहद चिंतित हैं।

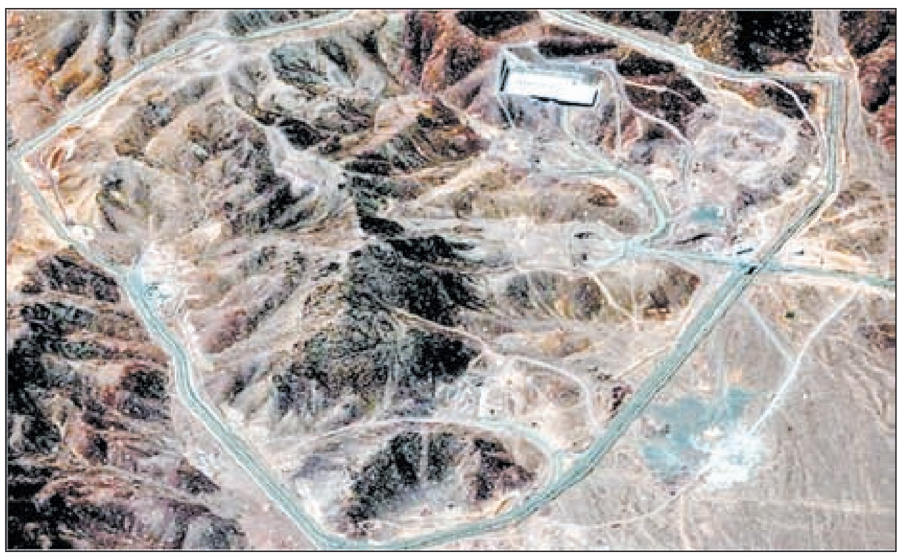

ईरान के फोर्दो परमाणु केंद्र पर अमेरिका द्वारा किया गया हमला, जिसमें तीन परमाणु केंद्र हुए तबाह।

पलटवार करने पर और बड़े हमले : ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिका का यह हमला भारतीय समयानुसार रविवार सुबह 4:30 बजे हुआ। ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों फोर्दो, नतांज, और इस्फहान को इ-2 स्टील्थ बॉम्बर और जीयूबी-57 यानी बंकर बस्टर बम से बर्बाद कर दिया। यह 30,000 पाउंड वजनी बम ऐसी तबाही मचा सकता है, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान को अब शांति स्थापित करनी चाहिए। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो भविष्य में हमले कहीं अधिक बड़े होंगे। इजराइल ने अमेरिका की खुली सराहना की। खबरों के अनुसार यह अब तक की सबसे गंभीर सैन्य कार्रवाई माना जा रहा है।

ईरान को परमाणु हथियार देगा रूस

रूस के पूर्व राष्ट्रपति और रूसी सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने दावा किया कि कई देश ईरान को अपने परमाणु हथियार देने के लिए तैयार हैं। उधर ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि वह सोमवार को मॉस्को में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से मिलेंगे। उन्होंने अमेरिकी हमलों को इंटरनेशनल कानून का घोर उल्लंघन बताया। मेदवेदेव ने कहा कि न्यूक्लियर हथियारों का भविष्य में प्रोडक्शन जारी रहेगा। कई देश ईरान को अपने परमाणु हथियार देने के लिए तैयार है।

वैश्विक समुदाय की चिंता बढ़ीं

इन हमलों से वैश्विक समुदाय में चिंता बढ़ गयी हैं। संयुक्त राष्ट्र और दुनिया के कई बड़े देशों ने दोनों पक्षों से संयम बरतने और तनाव कम करने की अपील की है। पर तत्काल शांति की कोई उम्मीद नहीं दिखती है।

संयुक्त राष्ट्र ने की निंदा

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कहा है कि वह ईरान में परमाणु केन्द्रों पर अमेरिकी हमलों से चिंतित हैं। गुतारेस ने कहा, इस बात का जोखिम है कि यह संघर्ष तेजी से नियंत्रण से बाहर हो सकता है जिसके नागरिकों, क्षेत्र और दुनिया के लिए विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं।

ईरान का इजरायल पर हमला

ईरान के परमाणु संयंत्रों पर अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने पलटवार करते हुए तेल अवीव और हाइफा जैसे इजरायल के दस ठिकानों को निशाना बनाया। ईरानी हमलों को देखते हुए इजरायली एयरपोर्ट अथॉरिटी ने इजरायल के एयरस्पेस को पूरी तरह से बंद कर दिया है। अमेरिकी हमले की निंदा करते हुए ईरान ने इसे यूएन चार्टर का उल्लंघन बताया है। विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने कहा, इनके दीर्घकालिक परिणाम होंगे और संयुक्त राष्ट्र के हर सदस्य को इस बेहद खतरनाक, अराजक और आपराधिक व्यवहार से चिंतित होना चाहिए।

पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति से की बात, तनाव कम करने का किया आग्रह

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से रविवार को टेलीफोन पर बात की और संघर्ष के बढ़ने पर चिंता जताने के साथ ही सभी पक्षों से संवाद एवं कूटनीति से समाधान खोजे जाने पर बल दिया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा कि उन्होंने ईरान के राष्ट्रपति से तनाव की मौजूदा स्थिति पर बात की और क्षेत्रीय शांति को जल्द से जल्द बहाल करने का आग्रह किया। पीएम मोदी ने कहा कि हमने तत्काल तनाव कम करने, बातचीत और कूटनीति के लिए अपना आह्वान दोहराया।

ज्ञात हो, अमेरिका ने ईरान की न्यूक्लियर साइट्स पर हमला किया है। अमेरिका का ईरान पर यह हमला भारतीय समय के अनुसार रविवार सुबह 4.30 बजे हुआ। इस हमले के कुछ घंटों बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और इजरायली सेना को अमेरिका के साथ काम करने के लिए धन्यवाद दिया।

सीसीएल अफसरों के एक ही समूह की संलिप्तता

झारखंड के कोल प्रोजेक्ट में नौकरी घोटाला, सीआईडी दर्ज करेगी केस

- फर्जी दस्तावेज, जाली रिपोर्ट और बनावटी हस्ताक्षर से एक गिरोह ने मुआवजा हासिल किया, जिला प्रशासन की प्रारंभिक जांच में भी पुष्टि

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड में स्थित चतरा की मगध कोल परियोजना और हजारीबाग के केरेडारी स्थित चंद्रगुप्त ओपनकास्ट कोल परियोजना में जमीन अधिग्रहण के बदले नौकरी देने में गड़बड़ी सामने आयी है। सीआईडी ने इस मामले में मिली शिकायतों की प्रारंभिक जांच के बाद डीजीपी को रिपोर्ट सौंपी है। रिपोर्ट में सीसीएल अफसरों के एक ही समूह की संलिप्तता बतायी गयी है। साथ ही राजस्व विभाग के अफसरों और कर्मियों की भूमिका संदिग्ध मिली है। डीजीपी ने रिपोर्ट के आधार पर अब सीआईडी को केस दर्ज करने का आदेश दिया है। जानकारी के अनुसार, टंडवा कोल परियोजना के मामले में पहले से टंडवा थाने में दर्ज केस को सीआईडी टेकओवर करेगी, जबकि चंद्रगुप्त ओपनकास्ट कोल परियोजना में गड़बड़ी को लेकर नई प्राथमिकी दर्ज करेगी।

बता दें कि दुर्गा उरांव उर्फ दुर्गा मुंडा नामक व्यक्ति ने गृह सचिव और डीजीपी से इस घोटाले की शिकायत की थी।

गलत तरीके से मुआवजा राशि की गयी प्राप्त

अब तक की जांच के अनुसार, जमीन अधिग्रहण करने पर विस्थापित ग्रामीणों को सीसीएल की अलग-अलग परियोजनाओं में मुआवजा और नौकरी देने का प्रावधान है, लेकिन जांच में यह बात भी सामने आयी कि फर्जी दस्तावेज, जाली रिपोर्ट और बनावटी हस्ताक्षर के आधार पर एक संगठित गिरोह ने खुद को विस्थापित दिखाकर मुआवजा और नौकरी हासिल कर लिया।

जिला भू-अर्जन पदाधिकारी के लिखित बयान के आधार पर नामजद प्राथमिकी दर्ज है। चतरा जिला प्रशासन की प्रारंभिक जांच में घोटाले की पुष्टि हुई थी। जांच में पाया गया कि कुछ लोगों ने फर्जी हुकुमनामा, वंशावली, जमाबंदी और लगान रसीद बनाकर न सिर्फ अधिग्रहण क्षेत्र के बाहर के व्यक्तियों को रैयत बनाया, बल्कि सीसीएल में नौकरी भी दिलाई। जिला प्रशासन ने यह भी कहा कि इस फर्जीवाड़े में सीसीएल के कुछ अधिकारी और अंचलकर्मी भी शामिल रहे। इसे लेकर 22 नामजद लोगों पर टंडवा थाने में केस दर्ज कराया गया था।

घंटे भर की बारिश से सड़क-तालाब हुए बराबर

रांची। राजधानी रांची समेत राज्य के कई जिलों में रविवार को दोपहर बाद झमाझम बारिश हुई। लगभग एक घंटे की बारिश से ही रांची की सड़कें जलमग्न हो गयीं। राहगीरों को इससे काफी परेशानी हुई। ऐसे में वे वाहनों से काफी संभलकर चलते दिखे। बारिश से बड़ा तालाब की सड़क मानों तालाब से जा मिली हो। वहीं राजधानी की कई अन्य सड़कों में बारिश का पानी लबालब भर गया। इससे नगर निगम की कार्यशैली उजागर हुई।

केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाना चाह रहे हैं कई आइएएस, तीन ने दिया आवेदन

झारखंड कैडर के आइएएस अधिकारियों को अब रास नहीं आ रहा अपना राज्य

चिंताजनक

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड कैडर के अईएएस अधिकारियों को इन दिनों झारखंड से मोह भंग होता दिख रहा है। झारखंड कैडर के कई आईएएस अधिकारी झारखंड के विकास में योगदान देने की बजाये केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने को बेताब हैं। पहले से ही आईएएस अधिकारियों की कमी से जूझ रहे झारखंड में अभी झारखंड कैडर के 14 अफसर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं। इसके बाद अब, तीन और आईएएस अधिकारियों ने केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने का अवेदन दिया है।

वर्तमान में 170 अफसर ही कार्यरत : अब तक तीन अफसरों ने सेंट्रल डेप्यूटेशन पर जाने के लिए आवेदन दिया है। इसमें आर रॉनिटा, आकांक्षा रंजन और मुकेश कुमार शामिल हैं। बताते चलें कि राज्य में आइएएस के 224 पद स्वीकृत हैं। वर्तमान में 170 अफसर ही कार्यरत हैं। इस हिसाब से आइएएस के 54 पद रिक्त हैं।

केंद्रीय प्रतिनियुक्ति में हैं 14 अफसर

झारखंड कैडर के 14 अफसर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं। इनमें चीफ सेक्रेट्री रैंक के शैलेश कुमार सिंह, निधि खरे और सतेंद्र सिंह हैं। प्रधान सचिव रैंक के सुनील वर्णवाल, राहुल शर्मा, केके सोन, हिमानी पांडेय और अराधना पटनायक, सचिव रैंक के मुत्थु कुमार और हर्ष मंगला, राय महिमापत रे, शांतनु अग्रहरि, भुवनेश प्रताप सिंह और दिव्यांशु झा हैं।

मिड कॅरियर ट्रेनिंग के लिए रजिस्ट्रेशन : मिड कॅरियर ट्रेनिंग में संदीप सिंह, रविशंकर शुक्ला, शशिरंजन के अलावा 2017 बैच तक के अधिकारी केंद्र सरकार की अनुमति के बाद ट्रेनिंग पर जाने के लिए रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। अब सरकार पर निर्भर करता है कि किस अधिकारी को ट्रेनिंग पर जाने की अनुमति दे सकती है।

इस साल रिटायर होने वाले आइएएस

नाम	रिटायरमेंट की तिथि
अलका तिवारी	30 सितंबर 2025
सुमन कैथरिन	30 जून 2025
नेलशन इयोन बागे	31 नवंबर 2025
अंजनी कुमार मिश्र	31 दिसंबर 2025
शेखर जमुआर	31 दिसंबर 2025
अक्षय कुमार सिंह	31 अगस्त 2025
शशिभूषण मेहरा	30 जून 2025
ज्ञानेंद्र कुमार	31 अगस्त 2025
अजय कुमार सिंह	31 जुलाई 2025
लालचंद दादेल	31 अक्टूबर 2025
पवन कुमार	31 दिसंबर 2025
मनमोहन प्रसाद	31 जुलाई 2025

सड़क हादसे में शिक्षक और पेशकार सहित तीन की मौत

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। नामकुम थाना अंतर्गत दुर्गा सोरेन चौक के पास शनिवार की रात भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में रांची सिविल कोर्ट के पेशकार भी शामिल है। नामकुम थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि एक तेज रफ्तार कार ने एक स्कूटी सवार और एक पैदल चल रहे व्यक्ति को कुचल दिया और फिर खुद भी अनियंत्रित होकर हादसे का शिकार हो गया। इस दुर्घटना में तीनों लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में रांची सिविल कोर्ट के पेशकार प्रवीर हांसदा, विकास केंद्र धनबाद के शिक्षक सोम सिन्हा और कार चालक की मौत हुई। घटना के बारे में पुलिस ने बताया कि तेज रफ्तार कार चालक ने पहले प्रवीर हांसदा जो स्कूटी कर सवार थे, उन्हें धक्का मारा। जिसके बाद पैदल चल रहे शिक्षक सोम सिन्हा को चपेट में लिया और फिर टक्कर और तेज रफ्तार के कारण अनियंत्रित होकर खुद भी हादसे का शिकार हो गया।

अपने जीते-जी नगड़ी में आदिवासियों की जमीन को लूटने नहीं देंगे : बंधु तिर्की

रिम्स-2 का विरोध नहीं पर इसके लिये खेतीयोग्य खतियानी जमीन का अधिग्रहण नहीं होने देंगे

स्वास्थ्य सुविधा बढ़ाने से परहेज नहीं पर आदिवासियों का पलायन और विस्थापन बर्दाश्त नहीं

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। नगड़ी में प्रस्तावित रिम्स-2 निर्माण प्रकरण पर कांग्रेसी नेता आपस में ही भिड़ते नजर आ रहे हैं। नगड़ी मौजा की जमीन को लेकर बंधु तिर्की और डॉ इरफान अंसारी आमने-समाने हैं। दोनों एक दूसरे के खिलाफ जहर उगल रहे हैं। राज्य के पूर्व मंत्री, झारखड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य एवं झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने रविवार को कहा कि अपने जीते-जी नगड़ी में आदिवासियों की जमीन को लूटने नहीं देंगे। इसके लिये जरूरत पड़ेगी तो एक बार फिर से वैसा उलगुलान होगा, जहां झारखंड के सभी ग्रामीणों का जुटान नगड़ी में ही होगा। उन्होंने प्रेस बयान जारी कर कहा कि नगड़ी मौजा में खेतीयोग्य खतियानी जमीन पर रिम्स-2 के निर्माण का विरोध पूरी तरीके से नगड़ी के रैयतों एवं ग्रामीणों के जीवन-यापन से जुड़ा मामला है। यहां न तो झारखंड में स्वास्थ्य सुविधा बढ़ाने का कोई विरोध कर रहा है और न ही किसी को रिम्स-2 से कोई परहेज है। झारखंड में स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने के मामले में स्वास्थ्य मंत्री को यह शुभकामना है कि वे झारखण्ड में रिम्स-टू, थ्री, फोर, फाइव का निर्माण करें और झारखंड की स्वास्थ्य सुविधाओं को विश्व स्तरीय बनायें, लेकिन इसके लिए उस नगड़ी मौजा की खतियानी खेती योग्य जमीन का अधिग्रहण करना उचित नहीं है।

आदिवासी खामोशी से पलायन और विस्थापन का शिकार नहीं होंगे

श्री तिर्की ने कहा कि अपनी खेती की जमीन को बचाना नगड़ी के रैयतों एवं ग्रामीणों के लिए एक ज्वलंत मुद्दा है, जिसके लिये सभी को संवेदनशील होना ही पड़ेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी विकास योजना या फिर रिम्स-टू जैसी परियोजनाओं के लिये यदि नगड़ी मौजा की खतियानी जमीन ली जायेगी तो कोई यह मानकर न बैठे कि आदिवासी खामोशी से विस्थापन और पलायन का शिकार होते रहेंगे।

विस्थापन और पलायन का दंश भी आदिवासी बहुत झेल चुके हैं और यह अब बर्दाश्त से बाहर की बात है। श्री तिर्की ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री को अपने विभागीय अधिकारियों को यह आदेश देना चाहिये कि वे रांची या झारखंड में किसी अन्य उपयुक्त जमीन का चयन कर वहां रिम्स-टू का निर्माण करें, क्योंकि नगड़ी में यह निर्माण पूरी तरीके से अनुचित और अप्रासंगिक है।

श्री तिर्की ने कहा कि नगड़ी में जिस जमीन पर रिम्स-2 के निर्माण की बात की जा रही है। वह पूरी तरीके से खतियानी जमीन है, न कि सरकारी और तभी तो अधिग्रहण की बात की जा रही है। ऐसी स्थिति में कोई इस बात को झूठा प्रचारित कर भ्रम न फैलाये कि वहां सरकारी जमीन पर ही रिम्स-टू का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ संपूर्ण कांग्रेस पार्टी और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ इंडिया गठबंधन की पूरी सरकार भी यह चाहती है कि झारखंड में स्वास्थ्य सुविधायें बढ़े और यहां संतुलित एवं समन्वित विकास हो, लेकिन ऐसा किसानों और आदिवासियों को उनकी जमीन से विस्थापित कर नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि वैसे भी इस मामले में अंतिम फैसला मुख्यमंत्री को ही लेना है और वह जन भावनाओं के अनुकूल कदम उठायेंगे, इसका उन्हें पूरा भरोसा है। श्री तिर्की ने आरोप लगाया कि राजधानी रांची और आसपास के क्षेत्रों में आदिवासियों को दिग्भ्रमित कर उनकी जमीन से बेदखल किया जाता रहा है।

असली मुद्दों से भटका रही भाजपा : विनोद पांडेय

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने आगामी 24 जून को भाजपा द्वारा घोषित आक्रोश प्रदर्शन को राजनीतिक नौटंकी करार देते हुए तीखा हमला बोला है। झामुमो महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि भाजपा राज्य की स्थिर सरकार को अस्थिर करने और जनता को भ्रमित करने की नाकाम कोशिश में एक बार भी जुटती दिख रही है। दिशाहीन भाजपा अपनी ताबूत में अंतिम कील ठोकने की दिशा में अग्रसर है। झामुमो महासचिव सह प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा को जनता ने 2019 में पूरी तरह नकार दिया था। सत्ता से बाहर होते ही भाजपा को राज्य में हर जगह अव्यवस्था नजर आने लगी, जबकि सच्चाई यह है कि हेमंत सोरेन सरकार ने राज्य के हर वर्ग के लिए काम किया है। चाहे वह किसानों की कर्ज माफी हो, स्थानीय युवाओं के लिए नियोजन नीति हो, या महिला सुरक्षा की दिशा में उठाए गए सख्त कदम।

उन्होंने कहा कि भाजपा वही पार्टी है, जिसने अपने शासनकाल में न तो पेसा कानून लागू किया और न ही स्थानीय नीति बनायी। आज जब राज्य सरकार जनसरोकार से जुड़ी योजनाओं को जमीन पर उतार रही है, तब भाजपा सकारात्मक विपक्ष की भूमिका में नजर आने की बजाए दो तिहाही बहुमत से सत्ता में काबिज हुई सरकार पर झूठे आरोप लगाकर न सिर्फ जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है, बल्कि जनादेश का अपमान करने से भी बाज नहीं आ रही। दरअसल सत्ता से बाहर भाजपा के प्रदेश नेताओं को दिल्ली में बैठे अपने आकाओं की ताकत का गुमान है। उसी ताकत का दुरुपयोग पिछली हेमंत सरकार को परेशान करने के लिए किया और अब एक बार फिर से भाजपा अपने पतन के उसी रास्ते पर चलने जा रही है। झामुमो ने भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्रियों और नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि वे अपनी विफलताओं को छुपाने के लिए प्रदर्शन की राजनीति करने वाले हैं। जहां तक बात भ्रष्टाचार की ही बात है तो भाजपा शासनकाल में नियुक्ति घोटाला, भूमि लूट की घटनाओं को राज्य की जनता भूल नहीं पाई है। और यही कारण है लगातार दो बार भाजपा को सत्ता से बेदखल रखने का जनादेश दिया है झारखंडवासियों ने। भाजपा के नेताओं को पहले अपने गिरेबां में झांककर देखना चाहिए। जनता को अब भाषण नहीं, काम चाहिए और हेमंत सरकार उसी दिशा में लगातार काम कर रही है। भाजपा चाहे जितने प्रदर्शन कर ले, राज्य की जनता अब उनके छलावे में नहीं आने वाली। जनता जानती है कि असली जनसेवा कौन कर रहा है और झूठा हो-हल्ला कौन मचा रहा है।

भाजपा आधी-अधूरी जानकारी पर आधारित आरोप मढ़ रही

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने पलटवार करते हुए कहा है कि भाजपा राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर आधी-अधूरी जानकारी पर आधारित आरोप मढ़ रही है। यह जनता को भ्रमित करने वाला भाजपा का राजनीतिक स्टंट है। उन्होंने कहा कि भाजपा को अगर वाकई राज्य की जनता की चिंता है, तो उन्हें जमीनी स्तर पर हो रहे सुधारों को देखना चाहिए, न कि केवल त्रासदी को राजनीतिक हथियार बनाना चाहिये। महासचिव श्री पांडेय ने कहा, सरकार ने बीते वर्षों में स्वास्थ्य सेवा को मजबूत करने की दिशा में कई ठोस कदम उठाए हैं। एंबुलेंस सेवाओं के विस्तार और मरम्मत के लिए बजट आवंटित किया जा चुका है और यह प्रक्रिया प्रगति पर है।

झारखंड में पर्यटन के साथ फिल्म के क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं हैं : राज्यपाल

नेतहराट के लोअर घाघरी में चल रहे सहिया फिल्म की शूटिंग का किया अवलोकन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रविवार को लातेहार जिले के नेतरहाट स्थित लोअर घाघरी क्षेत्र में चल रही हिंदी फीचर फिल्म सहिया की शूटिंग स्थल का अवलोकन किया। फिल्म के सेट पर पहुंचकर राज्यपाल महोदय ने फिल्म निर्माण से जुड़ी पूरी टीम से संवाद किया और उनके प्रयासों की सराहना की। राज्यपाल ने कहा कि यह क्षेत्र प्रकृति की अनुपम देन है, जहां घाटियां, जलप्रपात और हरियाली एक अद्भुत सिनेमाई पृष्ठभूमि प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र न केवल पर्यटन के लिए, बल्कि फिल्म निर्माण के लिए भी अपार संभावनाओं से भरा है। उन्होंने कहा कि फिल्म निर्माण के लिए अधिक से अधिक निमार्ता-निर्देशक झारखंड आयें। बताते चलें कि फिल्म सहिया के निमार्ता संजय शर्मा हैं। फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में लोकप्रिय युवा अभिनेता शांतनु महेश्वरी, वरिष्ठ कलाकार नीरज काबी, रमन गुप्ता और अभिनेत्री रिंकू राजू शामिल हैं। राज्यपाल ने फिल्म की विषयवस्तु, लोकेशन चयन, तकनीकी पक्ष तथा स्थानीय कलाकारों की भागीदारी के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि फिल्म में झारखंड के स्थानीय कलाकारों एवं तकनीशियनों को भी अवसर दिया जा रहा है। यह राज्य की प्रतिभा के लिए एक प्रेरणादायक अवसर है।

राज्यपाल ने फिल्म निर्माण दल का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि झारखंड की प्राकृतिक संपदा, संस्कृति और सौहार्द्रपूर्ण वातावरण फिल्म उद्योग को नई दिशा प्रदान करने में सक्षम है। आशा है कि झारखंड आने वाले वर्षों में एक प्रमुख फिल्म शूटिंग स्थल के रूप में उभरेगा। नेतरहाट पहुंचने पर लातेहार डीसी उत्कर्ष गुप्ता एवं एसपी कुमार गौरव ने स्वागत किया तथा इस क्षेत्र की विशेषताओं से अवगत कराया।

सिल्ली ईलू बाईपास रेल लाइन का शीघ्र शुरू होगा काम : संजय सेठ

सफल हुआ रक्षा राज्य मंत्री का एक और प्रयास

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा है कि सिल्ली-ईलू बाईपास रेल लाइन के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। इसके लिये रेलवे ने टेंडर भी निकाल दिया है। एक सौ चालीस करोड़ रूपये की यह परियोजना 5.9 किमी लंबे रेल लाइन के निर्माण के लिये निकाली गई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 तक इसका निर्माण कार्य पूर्ण किया जाना है। इसके निर्माण के साथ ही रांची से टाटा की दूरी कम होगी। मुरी रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों का दबाव भी कम होगा। वर्तमान समय में सिल्ली से मुरी होते हुये इलू जाने में 50 मिनट का समय लगता है। इससे समय की बचत होगी।

दरअसल, इस रेलवे लाइन के निर्माण को लेकर वर्तमान रक्षा राज्यमंत्री सह रांची के सांसद श्री संजय सेठ ने वर्ष 2022 में रेल मंत्री वैष्णव से मुलाकात की थी। इसकी उपयोगिता पर उनसे चर्चा कर, इसके निर्माण को आवश्यक बताया था। इसके बाद श्री सेठ लगातार इसका फॉलो अप करते रहे। उन्हीं की पहल पर रेलवे ने इस परियोजना को मंजूरी दी है। इस बाबत सुरक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने एक बयान में कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी वाली सरकार है। अब इस रेलवे लाइन के निर्माण का रास्ता साफ हो गया। इस लाइन के निर्माण से रांची और टाटा की दूरी कम होगी। इसके साथ ही अब यहां इंजन बदलने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। यात्रियों का 1 घंटे से भी अधिक का समय बच सकेगा। जन आकांक्षा से जुड़ी इस परियोजना के प्रति संजीदगी के लिये प्रधानमंत्री और रेल मंत्री के प्रति कृतज्ञता प्रकट करता हूं।

पेड़ पौधे पर्यावरण को संतुलित बनाते हैं : आशा

रांची। रविवार को पंडरा बाजार समिति प्रांगण में झारखंड जनशक्ति मजदूर यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष ललित नारायण ओझा के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण किया गया। इसमें मुख्य रूप से राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य आशा लकड़ा ने फलदार बीच लगाकर कार्यक्रम की शुरूआत किया। आशा लकड़ा ने कहा कि पेड़ पौधा पर्यावरण का संतुलन बनाये रखता है। सभी अपने-अपने जन्मदिन पर शादी की सालगिरह पर एक वृक्ष जरुर लगाये। जनशक्ति मजदूर यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष ललित नारायण ओझा ने बाजार के सभी साथियों से भी आग्रह किया कि सभी कोई अपने अपने घर एवं आसपास में एक पेड़ जरूर लगाये।

खबर एक नजर में

रिम्स पार्ट 2 की बात करने वाली हेमंत सरकार एम्बुलेंस देने में असमर्थ : राफिया नाज

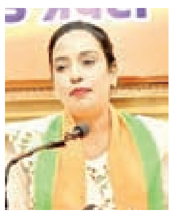

रांची। भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज ने कहा है कि झारखंड राज्य के विभिन्न जिलों से लगातार ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं जो न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की जर्जर स्थिति को उजागर करती हैं। बल्कि सरकार की प्राथमिकताओं पर भी गंभीर प्रश्नचिन्ह लगाती हैं। उन्होंने झारखंड सरकार को कटघरे में खड़ा करते इस पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुये कहा कि रिम्स पार्ट 2 की बात करने वाली सरकार गरीबों एम्बुलेंस देने में असमर्थ है। उन्होंने कहा एक ओर सरकार सभी को स्वास्थ्य का दावा करती है। वहीं, दूसरी ओर जमीनी हालात इतने भयावह हैं कि गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति समय पर अस्पताल तक नहीं पहुंच पा रहा है। यह एक साधारण प्रशासनिक चूक नहीं। बल्कि आम नागरिकों के जीवन और स्वास्थ्य के अधिकार का सीधा उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि गोड्डा जिले में एक मासूम बच्ची की मृत्यु की घटना का उल्लेख करते हुये कहा कि यह पूरी मानवता को झकझोर देने वाली त्रासदी है। केवल एंबुलेंस समय पर न पहुंच पाने के कारण एक मासूम की जान चली गई। जबकि परिजनों ने बार.बार सहायता के लिये कॉल किये। इसी तरह की एक और घटना चतरा जिले में घटी। जहां सुकुल भुइयां की मौत भी एंबुलेंस की देरी के कारण हुई। इन घटनाओं ने यह साफ कर दिया है कि झारखंड में एंबुलेंस सेवा लगभग निष्क्रिय हो चुकी है। उन्होंने कहा कि झारखंड में 32 प्रतिशत सेवा योग्य एंबुलेंसें बंद हालत में हैं। उन्होंने यह सवाल उठाया कि जब जनता के टैक्स से इन सेवाओं को चलाया जा रहा है तो फिर रखरखाव और मरम्मत के लिए धन का प्रबंधन क्यों नहीं हो रहा है। कई गाड़ियों में प्रशिक्षित चालक और सहायक कर्मियों की भारी कमी है। इससे आपातकालीन सेवायें प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने इसे संवेदनशील शासन के खोखले दावे करार दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक 10,000 जनसंख्या पर कम.से.कम एक एंबुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। उन्होंने यह भी मांग की कि एंबुलेंस कर्मचारियों को नियमित वेतन भुगतान की व्यवस्था हो और लंबित वेतन तुरंत जारी किया जाये। उन्होंने एक स्वतंत्र निगरानी समिति के गठन की भी आवश्यकता बताईए जो हर माह सेवाओं की समीक्षा कर रिपोर्ट सार्वजनिक करे।

नगड़ी में प्रस्तावित रिम्स-2 निर्माण पर कांग्रेस अपनी स्थिति स्पष्ट करे : नायक

रांची। बंधु तिर्की और इरफान अंसारी के बयान पर कांग्रेस पार्टी को नगड़ी में रिम्स-2 के लिए कृषि योग्य भूमि के अधिग्रहण पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। ये बातें रविवार को वयान जारी कर आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने कही। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री एक तरफ दावा करते हैं कि रिम्स-2 हर हाल में बनेगा और यह सरकारी जमीन पर होगा, वहीं दूसरी तरफ पुलिस संरक्षण में नगड़ी की कृषि योग्य भूमि की घेराबंदी शुरू कराते है। नायक ने इसे दोहरा चरित्र और आदिवासी-विरोधी नीति करार देते हुए यह भी कहा कि नगड़ी में आदिवासियों और मूलवासियों की कृषि योग्य भूमि को जबरन अधिग्रहण करने की कोशिश की जा रही है, जो उनकी आजीविका और सांस्कृतिक पहचान के लिए खतरा है।

सभी 264 प्रखंडों में भाजपा करेगी कल आक्रोश प्रदर्शन : आदित्य साहू

रांची। भाजपा के प्रदेश महामंत्री सह सांसद आदित्य साहू ने कहा है कि 24 जून को सभी प्रखंडों में राज्य सरकार की नाकामी के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि पार्टी के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रवींद्र कुमार राय, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, रघुवर दास, चंपई सोरेन सहित सांसद- विधायक गण अलग-अलग प्रखंडों में प्रदर्शन का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य की ध्वस्त विधि व्यवस्था, आकंठ भ्रष्टाचार, बुनियादी सुविधाओं का अभाव, गरीबों के पेंशन, किसानों के बकाये राशि, रोजगार देने, पेसा कानून लागू कराने, भाषा विवाद को ठीक करने, स्थानीय नीतिएनियोजन नीति जैसे ज्वलंत मुद्दों पर प्रदर्शन किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि राज्य के सभी 264 प्रखंडों में आक्रोश प्रदर्शन कर प्रखंड विकास पदाधिकारी के माध्यम से डीसी के नाम ज्ञापन सौंपेंगे। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार पार्ट 2 की कार्यशैली एनीति और नीयत में कोई परिवर्तन नहीं आया है। यह सरकार फिर से राज्य के खजानोंएखनिज संपदा को लूटने लुटवाने में लगी है। राज्य के पंचायतों से लेकर सचिवालय तक आकंठ भ्रष्टाचार है। कोई काम बिना पैसे का चढ़ावा चढ़ाए नहीं हो रहा है। गरीब जनता अपने छोटे छोटे काम केलिए दर दर भटक रही है। दलाल बिचौलिये, सत्ता में हावी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निकाय चुनाव को लगातार लटकाये रखी है। नियोजन नीति और भाषा विवाद में बेरोजगार युवक ठगे जा रहे है। सड़क,बिजली,अस्पताल, दवाई, पढ़ाई सभी व्यवस्था चौपट हो चुकी है। उन्होंने कहा कि राजधानी रांची सहित सुदूर ग्रामीण क्षेत्र सभी जगह भय व्याप्त है।लूट, हत्या, बलात्कार की घटनायें आम हो चुकी है। किसानों के धान के बकाये का भुगतान राज्य सरकार ने लटकाए रखा है।विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन की राशि महीनों से नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि इन सारे हालातों से जनता में आक्रोश है। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी गावां प्रखंड में, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रवींद्र कुमार राय धनवार,जमुआ प्रखंड में, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा खरसावां, रघुवर दास जमशेदपुर, चंपई सोरेन सरायकेला, प्रदेश महामंत्रीआदित्य साहू कांके, डॉ प्रदीप वर्मा नगड़ी, मनोज कुमार सिंह मेदिनीनगर, अमर कुमार बाउरी चंदनक्यारी में आक्रोश प्रदर्शन का नेतृत्व करेंगे।

आजसू ने संघर्ष किया, झामुमो ने झारखंड आंदोलन की सौदेबाजी की

आजसू के 39वें स्थापना दिवस समारोह : नये तेवर में दिख रही आजसू, राज्य के नवनिर्माण का लें संकल्प

हेमंत सरकार से जनता त्रस्त, उखाड़ फेंकने की करें तैयारी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने स्थापना दिवस समारोह में कहा है कि झामुमो ने झारखंड आंदोलन की सौदेबाजी की, जबकि आजसू ने संघर्ष किया। आजसू ने 1986 से 2000 तक सांसद-विधायक बनाए बिना संघर्ष किया। सुदेश महतो ने कहा है कि हेमंत सरकार चोरी और लूट नहीं, जनता के अधिकारों की डकैती में जुटी है। जनता इस सरकार से मात्र छह माह में ही त्रस्त हो चुकी है। आजसू कार्यकर्ता हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकने की तैयारी करें। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जाति जनगणना की घोषणा का आजसू स्वागत करती है। हमारी मांग है कि जाति के आधार पर आरक्षण दिया जाए। श्री महतो ने कहा कि झारखंड निर्माण में बंगाल और ओडिशा के साथियों की भी भूमिका रही है। राज्य के अंदर चलने वाली सबसे लम्बी लड़ाई है झारखंड आंदोलन। उन्होंने कहा कि आजसू ने झारखंड के लिए संघर्ष किया और तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपाई ने अलग राज्य निर्माण किया। श्री महतो ने कहा कि आज से आजसू एक नए तेवर में दिख रही है। अब राज्य के नवनिर्माण का संकल्प लेकर यहां से हमलोग जाएंगे। राज्य को एक नई सोच के साथ आगे लेकर जाने की आवश्यकता है। वर्तमान हेमंत सरकार झूठ बोलकर और गुमराह कर राजनीति कर रही है। महिलाओं को सत्ता हासिल करने का आधार बनाया गया और अब छह लाख महिलाओं का नाम मइया योजना से काटा जा रहा है। इसका जवाबदेह कौन होगा? उन्होंने कहा कि सारा तंत्र जनता को धमकाने में लगा है। जमीन के नाम पर सारा अपराध हो रहा है। एक जमीन की छह बार रजिस्ट्री हो रही है और सीओ तथा थाना फर्जी करने वालों के पक्ष में वास्तविक मालिक को प्रताड़ित करते हैं। उन्होंने कहा कि इस सरकार में न तो नियोजन नीति बनी, न विस्थापन नीति और न ही स्थानीय नीति। इस सरकार को जनता की कोई चिंता नहीं। इसे उखाड़ फेकने की जरूरत है। श्री महतो ने कहा कि झारखंड निर्माण में बंगाल और ओडिशा के साथियों की भी भूमिका रही है। राज्य के अंदर चलने वाली सबसे लम्बी लड़ाई है झारखंड आंदोलन। उन्होंने कहा कि आजसू ने झारखंड के लिए संघर्ष किया और तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपाई ने अलग राज्य निर्माण किया। उन्होंने कहा कि आज से आजसू एक नए तेवर में दिख रही है। अब राज्य के नवनिर्माण का संकल्प लेकर यहां से हमलोग जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य को एक नई सोच के साथ आगे लेकर जाने की आवश्यकता है। वर्तमान हेमंत सरकार झूठ बोलकर और गुमराह कर राजनीति कर रही है। महिलाओं को सत्ता हासिल करने का आधार बनाया गया और अब छह लाख महिलाओं का नाम मइया योजना से काटा जा रहा है। इसका

कई लोगों ने ली सदस्यता

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से ऋतुराज शाहदेव के नेतृत्व में अमन साहू ,सौरभ यादव, प्रियांशु रंजन श्रीवास्तव,गौरभ सिंह, राज दुबे, शिवम शाहदेव, सोनल झा,अक्षत कुमार ने सुदेश कुमार महतो के समक्ष आजसू की सदस्यता ली। हजारीबाग जिला से मोनू अख्तर, मानवर आलम, नाजर अली, मोहम्मद तौकीर,आशिफ जुनैद और चतरा जिला से श्री शंकर कुमार गुप्ता, पूर्व मुखिया आजसू में शामिल हुए।र्थी परिषद से ऋतुराज शाहदेव के नेतृत्व में अमन साहू ,सौरभ यादव, प्रियांशु रंजन श्रीवास्तव,गौरभ सिंह, राज दुबे , शिवम शाहदेव, सोनल झा,अक्षत कुमार ने सुदेश कुमार महतो के समक्ष आजसू की सदस्यता ली। हजारीबाग जिला से मोनू अख्तर, मानवर आलम, नाजर अली, मोहम्मद तौकीर,आशिफ जुनैद और चतरा जिला से श्री शंकर कुमार गुप्ता, पूर्व मुखिया आजसू में शामिल हुए।

सीएम के निर्देश पर टूटे पुल की जांच शुरू, कारणों का होगा खुलासा

खूंटी के टूटे पेलोल पुल की जांच कर रहे हैं अधिकारी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर पथ निर्माण की ओर से गठित टीम टूटे पेलोल पुल का निरीक्षण करने पहुंची। टूटे पुल के पास सुरक्षात्मक बैरिकेडिंग लगाकर खूंटी तोरपा मुख्य मार्ग को बंद कर दिया गया है। जांच के बाद विभाग के निर्देश पर वैकल्पिक सड़क मार्ग से वाहनों का परिचालन किया जा रहा है। पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता रामेश्वर सहा ने बताया कि सीएम के निर्देश पर गठित टीम ने जांच शुरू कर दी है। एनएच और पथ निर्माण विभाग के अधिकारी लगातार स्थल का निरीक्षण कर कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं। एनएच के अधिकारियों ने जांच की है और जांच रिपोर्ट के बाद स्पष्ट हो सकेगा कि आगे क्या किया जा सकता है। कार्यपालक अभियंता ने कहा कि तकनीकी खामियों के कारण पुल टूटा है, हालांकि वरीय अधिकारी जांच कर रहे हैं, जांच में सच्चाई सामने आ जाएगी।

बताते चलें कि पथ निर्माण विभाग ने खूंटी जिले में बने सभी पुलों की स्थिति और उसके रख-रखाव को जानने की योजना बनायी है। इसी के तहत पथ प्रमंडल खूंटी के सभी क्षेत्रों में बने पुलों को सूचीबद्ध करते हुए निगरानी शुरू कर दी गयी है।

वहीं, पेलोल पुल ध्वस्त होने की घटना के बाद सीएम हेमंत सोरेन ने संज्ञान लेते हुए पुल ध्वस्त होने की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम बनायी है, जो लगातार पुल का निरीक्षण कर कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। सीएम के निर्देश पर गठित टीम में एनएच के मुख्य अभियंता अभिनेंद्र कुमार, अधीक्षण अभियंता गुण नियंत्रण निदेशालय पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता नवल किशोर और केंद्रीय निर्माण संगठन पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता आकाश कुमार बादल के नेतृत्व में जांच की जा रही है। गठित इस टीम के अध्यक्ष एनएच के मुख्य अभियंता अभिनेंद्र कुमार हैं। बताते चलें कि बीते दिन पथ निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता मनोहर कुमार ने निरीक्षण किया था। उन्होंने जांच के बाद कार्रवाई की बात कही थी। पेलोल पुल के ध्वस्त होने के बाद एनएच के अलावा जिले में पथ निर्माण विभाग के वरीय अधिकारियों ने टूटे पुल के साथ-साथ पुराने व नए पुलों का निरीक्षण किया है। खासकर पेलोल पुल में हुई अनियमितताओं की जांच की जा रही है कि आखिर 2007 में बना पुल इतनी जल्दी कैसे टूट गया?

जन्मदिन समारोह में युवक के साथ मारपीट

रांची। रामगढ़ में रहनेवाले लॉ के छात्र मिथुन कुमार ने बरियातू थाना में आशु बाल्मीकि (रूदिया, बीआईटी) और कृष्णा करमाली (होंबाई, बीआईटी) सहित आठ -दस अज्ञात के खिलाफ गाली-गलौज व जानलेवा हमला करने की लिखित शिकायत बरियातु थाना में किया है। पुलिस घटना की जांच कर रही है। पीड़ित युवक ने पुलिस को बताया है कि वह 21 जून को बीआईटी मेसरा ओपी में रहनेवाले कमलेश राम के जन्मदिन समारोह में शामिल होने के लिए शगुन बैंक्वेट हॉल, चिरौंदी में शामिल होने रांची आया था। रात्रि करीब ढाई बजे जब समारोह समाप्त होने पर बाहर निकला तो पूर्व से घात लगाय करीब आठ से दस लोगों ने अचानक जानलेवा हमला किया। सभी लाठी, डंडे व हॉकी स्टिक से लैस थे। आरोपी में दो लोग आशु बाल्मीकी और कृष्णा करमाली शामिल थे। इस दौरान आरोपियों ने मोबाइल भी छिन लिया।

रांची एयरपोर्ट पर इमरान प्रतापगढ़ी का हुआ स्वागत

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष और राज्य सभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी का दो दिवसीय झारखंड आगमन होने पर रविवार की शाम रांची बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रभारी जीनल एन गाला एवम प्रदेश अध्यक्ष मंजूर अंसारी ने ढोल नगाड़ा, झारखंडी नृत्य बुके, माला एवम अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इसके बाद जुलूस रैली के शक्ल में अम्बेडकर चौक, अल्बर्ट एक्का चौक पर नमन करते हुए रांची जिला परिसदन में पहुंचे। जहां विभाग के कांग्रेस पदाधिकारियों के साथ संगठनात्मक विचार विमर्श किया। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर, प्रदेश उपाध्यक्ष करीम अंसारी, जेडी तिग्गा, महमूद अली, प्रदेश महासचिव हसनैन आलम, महानगर अध्यक्ष हुसैन खान, जैतून जॉन, अरसादुल कादरी, तनवीर खान मो सफार, राशिद अंसारी, अजहर पप्पू आदि कांग्रेस नेता मौजूद थे।

मालूम हो कि राज्य सभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी जी तहफ़्फुज-ए-औकाफ कॉफ्रेंस के लिये रॉंची पँहुचे हैं इस दौरान पूरा शहर बारिश में भीगा हुआ है, इस बारिश में भी अल्पसंख्यक विभाग के साथी बड़ी तादाद में एयरपोर्ट में स्वागत किया।

रांची में बारिश ने खोली सिस्टम की पोल, जनजीवन अस्त-व्यस्त

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में रविवार शाम हुई मूसलधार बारिश ने नगर व्यवस्था की पूरी तरह से पोल खोल दी। कर्बला चौक, रातू रोड, मेन रोड, हरमू नदी क्षेत्र, अरगोड़ा, कोकर, बिरसा चौक, स्टेशन रोड समेत कई इलाकों की स्थिति बद से बदतर हो गई है। पानी घरों, दुकानों, कार्यालयों और थाना परिसरों तक में घुस गया, जिससे जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है।

बेसमेंट से लेकर थाने तक डूबे

निचले इलाकों की कई बहुमंजिला इमारतों के बेसमेंट जलमग्न हो गए। लोगों को बाल्टी और मोटर के सहारे पानी निकालना पड़ा। हरमू नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है, और नदी के ऊपर से पानी बहने लगा है। नदी किनारे बसी बस्तियां

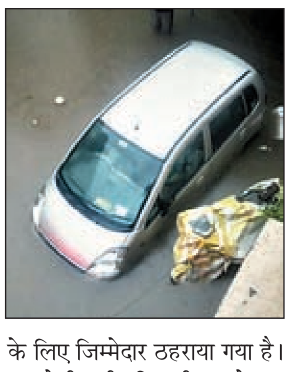

जलमग्न हो गई हैं।

कई थानों की हालत भी कम खराब नहीं रही। पुलिस कर्मियों को खुद अपने कार्यालय में घुटनों तक भरे पानी में ड्यूटी करनी पड़ी।

कर्बला चौक से लेकर मेन रोड तक की सड़कों पर जलभराव से वाहनों की रफ्तार थम गई। मुख्य सड़कों पर घंटों लंबा जाम लगा रहा। दुपहिया वाहन चालकों और राहगीरों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा।

नगर निगम और जिला प्रशासन की ओर से राहत कार्य और जलनिकासी की कवायद तेजी से की जा रही है, लेकिन रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण हालात काबू में नहीं आ पा रहे हैं। प्रशासन ने अगले 24 घंटे को चुनौतीपूर्ण बताया है।

स्थानीय निवासियों ने नगर निगम पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि हर साल यही स्थिति बनती है लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है। खराब ड्रेनेज सिस्टम और अधूरी तैयारियों को इस बदहाली के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है।

मोसीबाड़ी निवासी कामेश्वर सिंह, हरमू निवासी चंदन कुमार, और कांके के रितेश ठाकुर सहित अन्य लोगों ने कहा कि राजधानी में हर साल आधे-अधूरे काम होते हैं। नालियों की सफाई और मरम्मत गर्मी में पूरी कर लेनी चाहिए थी, लेकिन प्रशासन की लापरवाही ने लोगों को मुसीबत में डाल दिया। पहली ही बारिश में शहर डूब गया है, चारों ओर सिर्फ पानी ही पानी नजर आ रहा है।

ग्रामीण विकास मंत्री कल कांग्रेस भवन में लगायेंगी जनता दरबार

▶▶ जनता दरबार में पूर्वाहन 11:00 बजे से मंत्री जन समस्याओं को सुनेंगी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह का जनता दरबार कांग्रेस भवन में 24 जून, दिन मंगलवार को आयोजित किया गया है। जनता दरबार में पूर्वाहन 11:00 बजे से मंत्री जन समस्याओं को सुनेंगी। इसकी जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि जन समस्याओं के समाधान के लिए कांग्रेस द्वारा लगातार जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है। कांग्रेस जनता की समस्या और उनके मुद्दों के प्रति हमेशा गंभीर रही है, पंचायत से लेकर राज्य स्तर तक जन समस्याओं के समाधान के लिए कांग्रेस लगातार आम लोगों से जनता दरबार के माध्यम से संपर्क स्थापित कर रही है। सरकार गठन के बाद से ही कांग्रेस के मंत्रियों द्वारा लगातार जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है। बजट सत्र के पूर्व चारों मंत्रियों द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया था जिसमें कई समस्याओं का समाधान मंत्रियों के पहल पर हुआ है। उन्होंने बताया है कि जनता दरबार के माध्यम से कांग्रेस सीधे जनता से जमीनी स्तर पर जुड़कर समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासरत है। इस आयोजन से जनता सरकार को अपने निकट पा रही है और खुलकर अपनी बातों को रख रही है। जन समस्याओं के प्रति अधिकारियों को जवाबदेह बनाया जा रहा है तथा तय समय सीमा के अंदर आम लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रयास हो रहा है।

डीसी ने जगन्नाथपुर रथ यात्रा और मेला की तैयारी व सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने रविवार को जगन्नाथपुर रथ यात्रा मेला की तैयारी एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही जिला के वरीय पदाधिकारियों और मंदिर समिति के सदस्यों के साथ बैठक की। उपायुक्त ने मेला परिसर में व्यवस्था का जायजा लेते हुए वरीय अधिकारियों द्वारा मंदिर समिति के पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। जगन्नाथपुर मंदिर से मौसी बाड़ी तक रथ यात्रा रूट का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने श्रद्धालुओं के आवागमन की सुविधा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

साफ सफाई के विशेष इंतजाम करने के निर्देश : उपायुक्त ने कहा की जगन्नाथपुर रथ यात्रा के दौरान साफ-सफाई के विशेष इंतजाम रखने के निर्देश दिए हैं, साथ ही उन्होंने कहा कि मेला परिसर में

प्लास्टिक की थैलियों, डिस्पोजेबल ग्लास, प्लेट्स, चम्मच और अन्य सामग्री का उपयोग ना करें। हर स्टॉल के बाहर डस्टबिन अनिवार्य रूप से रखना होगा।

सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम

डीआईजी सह वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन सिन्हा ने बताया कि सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किये गये हैं, मेला परिसर में वॉच टावर और सीसीटीवी लगाये गये हैं। सभी स्थानों पर दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की जा रही है, इसके लिए संयुक्त आदेश भी निर्गत किया जाएगा। बड़े वाहन प्रवेश न करें, इसको लेकर जगह-जगह बैरिकेडिंग भी की जा रही है। वरीय पुलिस अधीक्षक ने दुकानदारों को निर्धारित स्थान तक ही अपने दुकान लगाने का निर्देश दिया गया ताकि रथ यात्रा के दौरान किसी भी श्रद्धालु को असुविधा न हो।

मेला के दौरान वॉलिंटियर भी श्रद्धालुओं के लिए तैनात रहेंगे : मेला के दौरान वॉलिंटियर भी श्रद्धालुओं के लिए तैनात रहेंगे ताकि भक्तों को अपने आराध्य के दर्शन में कोई परेशानी ना हो, साथ ही एक व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाने के निर्देश दिए गए जिसमें जिला प्रशासन के साथ मंदिर कमिटी के भी पदाधिकारी जुड़े रहेंगे साथ वॉलिंटियर भी जुड़ेंगे, जो हर जानकारी से जिला प्रशासन को अवगत करायेंगे। उपायुक्त ने कहा कि सूचना जन संपर्क विभाग के स्टॉल में ही मेले में खोये हुए लोग/ बच्चों के लिए खोया/पाया केंद्र की सूचना दी जाएगी।

जामताड़ा में एक ही दिन हार्ट अटैक से तीन मौत पर स्वास्थ्य मंत्री चिंतित

रांची। अमोई गांव के लोहार टोला में रविवार को पूर्व मुखिया हराधन किस्कु के अचानक निधन की खबर मिलते ही राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी तुरंत मौके पर पहुंचे। परिजनों से मिलकर सांत्वना दी और पूरी घटना की जानकारी ली। मंत्री ने कहा कि एक ही दिन में जामताड़ा जिले में तीन लोगों की हार्ट अटैक से मृत्यु गंभीर चिंता का विषय है। मैंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिया है कि सभी मामलों की कोविड जांच करायी जाये और मेडिकल हिस्ट्री की गहन समीक्षा की जाये।

मंत्री ने कहा कि हमारा विभाग पूरी तरह सतर्क है और हर स्थिति पर वैज्ञानिक आधार पर काम कर रहा है। अगर किसी तरह का साइड इफेक्ट या पैटर्न सामने आता है तो त्वरित और ठोस कदम उठाए जाएंगे। मंत्री ने लोगों से अपील की है कि कोई भी असामान्य लक्षण नजर आये तो तुरंत नजदीकी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें। सरकार हर परिस्थिति के लिए तैयार है और हर नागरिक की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है।

रांची जिले में मंईयां सम्मान की 4 लाख 19 हजार 616 लाभुकों को मिला अप्रैल की राशि

सभी लाभुकों में 104 करोड़ 90 लाख 40 हजार की सम्मान राशि का आधार बेस्ड बैंक खाते में भुगतान

जिनका भौतिक सत्यापन लंबित है, वो आंगनबाड़ी सेविका से संपर्क कर तथा सत्यापन प्रपत्र प्राप्त कर भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करें

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राज्य सरकार की महत्वकांक्षी मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना अंतर्गत रांची जिला में लाभुकों को दूसरे चरण में भी अप्रैल माह की सम्मान राशि का भुगतान कर दिया गया है। दूसरे चरण में कुल 79 हजार 553 लाभुकों के बैंक खाते में 2500 रुपये की सम्मान राशि का भुगतान किया गया है। सभी लाभुकों के बीच आधार बेस्ड बैंक खाते में 9 करोड़ 88 लाख 82 हजार 500 की राशि का भुगतान किया गया है।

दूसरे चरण में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना अंतर्गत लाभुकों की संख्या, जिन्हें अप्रैल माह की सम्मान राशि उनके बैंक खाते में हस्तांतरित की गयी

1. अनगड़ा - 2790	13. खलारी - 2103
2. अरगोड़ा शहरी (नगर निगम) - 3067	14. लापुंग - 2618
3. बड़गाई शहरी (नगर निगम) - 2310	15. माण्डर - 4348
4. बेड़ो - 4291	16. नगड़ी - 3764
5. बुण्डू - 1725	17. नगड़ी (नगर निगम) - 2272
6. बुण्डू नगर पंचायत (नगर निगम) - 690	18. नामकुम - 3524
7. बुढ़मू - 3166	19. नामकुम (नगर निगम) - 2372
8. चान्हो - 3648	20. ओरमांझी - 3138
9. हेहल शहरी (नगर निगम) - 4557	21. राहे - 1716
10. ईटकी - 2052	22. रातू - 3731
11. कांके - 4933	23. सिल्ली - 4370
12. कांके शहरी (नगर निगम) - 348	24. सोनाहातू - 2073
	25. तमाड़ - 3767
	26. शहर (नगर निगम) - 6180

इससे पहले 04 जून 2025 को जिला में प्रथम चरण में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के कुल 3 लाख 40 हजार 63 लाभुकों के खाते में 85 करोड़ 01 लाख 57 हजार 500 की राशि का आधार बेस्ड भुगतान किया गया था। दोनों चरणों में अब तक 4 लाख 19 हजार 616 लाभुकों के मध्य 104 करोड़ 90 लाख 40 हजार की सम्मान राशि उनके खाते में हस्तांतरित कर दी गई है।

योजना अंतर्गत जिन लाभुकों का आवेदन पूर्व में स्वीकृत है लाभ के लिए उन्हें अपने बैंक खाते से आधार सीडिंग कराना अनिवार्य है। एक बार फिर से उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा ऐसे लाभुकों से अपना आधार सीडिंग कराने की अपील की गई है ताकि उन्हें योजना का लाभ सुनिश्चित कराया जा सके। रांची जिला में भौतिक सत्यापन का कार्य भी जारी है, अतिशीघ्र भौतिक सत्यापन का कार्य संपन्न होने के पश्चात शेष सुयोग्य लाभुकों को योजना का लाभ सुनिश्चित किया जाएगा। वैसे लाभुक जिनका भौतिक सत्यापन लंबित है, वो आंगनबाड़ी सेविका से संपर्क कर तथा सत्यापन प्रपत्र प्राप्त कर अपने भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

सीसीएल की नयी कोयला खदान से उत्पादन शुरू करने की योजना

प्रतिकात्मक तस्वीर

सत्येन्द्र

रांची। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की अनुषांगिक कंपनी सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष में दो नई कोयला खदानों से उत्पादन शुरू करने की योजना बनाई है। इससे कंपनी की उत्पादन क्षमता में सालाना एक से 1.2 करोड़ टन की बढ़ोतरी होगी।

यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में 11 करोड़ टन और 2030 तक 15 करोड़ टन उत्पादन के आंकड़े को पार करना है। सीसीएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) नीलेन्दु कुमार सिंह ने संवाददाताओं से कहा कि हमने इस साल दो नई खदानें खोलने की योजना बनाई है। कंपनी की योजना अक्टूबर तक 50 लाख टन (एमटी) की अधिकतम क्षमता वाले कोटरे बसंतपुर ब्लॉक (कोकिंग कोयला खान) में उत्पादन शुरू करने की है। वहीं 1.5 करोड़ टन सालाना क्षमता की खुली चंद्रगुप्त खान परियोजना (गैर-कोकिंग कोयला) के मामले में उत्पादन मार्च, 2026 तक शुरू होने की उम्मीद है।

कंपनी ने बीते वित्त वर्ष 2024-25 में 8.75 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया। यह सीसीएल का अबतक का सबसे ऊंचा सालाना उत्पादन है। सीएमडी सिंह ने कहा कि सीसीएल को 2030 तक 15 करोड़ टन उत्पादन का लक्ष्य हासिल करने के लिए अभी से तैयारी शुरू करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कंपनी 15 करोड़ टन के उत्पादन लक्ष्य को हासिल करने के लिए मौजूदा खदानों की क्षमता बढ़ाने और नई खदानों को उत्पादन में लाने का काम तेजी से करने पर ध्यान देगी। सीसीएल फिलहाल झारखंड के आठ जिलों में 35 खुली खदानों और तीन भूमिगत खानों का परिचालन करती है।

बायोम संस्थान का वार्षिक सम्मान समारोह आयोजित

छात्रों की मेहनत और जुनून को किया गया सम्मानित

- नीट यूजी सिटी टॉपर सिद्धार्थ को मिला डेढ़ लाख रुपए
- संस्थान के टॉपर छात्रों को प्राइज देकर किया गया सम्मानित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। उत्साह और उमंग के बीच रांची के गुरुनानक स्कूल ऑडिटोरियम में बायोम संस्थान का वार्षिक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें नीट यूजी के सिटी टॉपर सिद्धार्थ अग्रवाल सहित संस्थान के बाकी टॉपर्स को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा, विशिष्ट अतिथि के रूप में एसडीएम रांची उत्कर्ष कुमार उपस्थित रहे। वहीं सम्मानित अतिथि के रूप में मेडिका के डॉ. धनंजय कुमार, मेदांता के डॉ. विनीत मिश्रा, इंदिरा आईवीएफ सेंटर हेड डॉक्टर नम्रता, महेंद्र कॉलेज से संचिता दास, श्योर सक्सेस के सुनील जायसवाल, गुरुग्रेसिया से शंकर कुमार, डॉ. नेयाज, डीजीएम पावर ग्रिड रांची एचके चंचल आदि उपस्थित रहे।

इन्हें चेक दे कर किया गया सम्मानित

संस्थान के सम्मान समारोह में नीट यूजी की परीक्षा में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इसमें नीट यूजी की परीक्षा में 623 अंक के साथ सिटी टॉपर बने सिद्धार्थ अग्रवाल को डेढ़ लाख रुपए देकर सम्मानित किया गया। वहीं अभिषेक कुमार कसेरा को 1,05,000, करण सिंह को एक लाख रुपए, मोहम्मद ओवैस रजा को 85 हजार, करण भास्कर सिंह को 80 हजार रुपए देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा अन्य छात्रों को भी मेडल और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

यह छात्रों की लगन, मेहनत और जुनून को सम्मानित करने का दिन है : पंकज सिंह

बायोम संस्थान के डायरेक्टर पंकज सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि छात्र-छात्राओं ने कड़ी मेहनत और जुनून के बदौलत नीट यूजी की परीक्षा में सफलता हासिल की है। आज उनकी मेहनत और जुनून को सम्मानित करने का दिन है। इस वर्ष कठिन पेपर होने के बावजूद भी संस्थान के छात्र-छात्राओं ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है और राज्य के टॉपर लिस्ट में अपनी जगह बनाई है। इसके लिए सभी छात्र-छात्राओं, संस्थान के सभी शिक्षकों और उनके अभिभावकों को बहुत-बहुत बधाई व शुभकामनाएं। इस सम्मान समारोह से छात्रों को आगे जीवन में और बेहतर करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

अतिथियों ने छात्रों को प्रेरित किया : मुख्य अतिथि एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा ने सफल छात्र-छात्राओं को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में कड़ी मेहनत की, जिसका फल आपको मिला है। आगे और मेहनत करें और एक बेहतर डॉक्टर बनें, देश और समाज की सेवा करें। विशिष्ट अतिथि एसडीएम ने भी छात्र-छात्राओं को बेहतर करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आप देश के भावी डॉक्टर हैं, डॉक्टर को भगवान का रूप माना जाता है। इसलिए आप लोगों पर बड़ी जिम्मेदारी होगी। हमें पूरी उम्मीद है कि आप एक बेहतर डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करेंगे। डॉ धनंजय कुमार ने कहा कि आगे कई चुनौतियां आएंगी, जिसे डट कर सामना करें और एक बेहतर डॉक्टर बनें। डॉ. विनीत मिश्रा ने कहा कि आप देश के बड़े संस्थानों में जाने वाले हैं, अपने मूल्यों को हमेशा याद रखें। डॉ. नम्रता ने कहा कि मेडिकल के क्षेत्र में भी लगातार बदलाव हो रहे हैं, उन बदलाव से अपडेट रहें। सीखने की जिज्ञासा हमेशा जागृत रखें।

संस्थान के 1621 स्टूडेंट्स ने क्वालीफाई किया : बायोम इंस्टीट्यूट के सिद्धार्थ अग्रवाल ने ऑल इंडिया रैंक 373 और 623 अंक प्राप्त कर राज्य के टॉपरों की लिस्ट में जगह बनाई है। वे संस्थान में दो वर्षीय क्लासरूम प्रोग्राम के छात्र रहे हैं। इसके साथ ही अभिषेक कु. कसेरा ने 603 अंक, करण सिंह ने 602 अंक, मो. ओवैस रजा ने 596 अंक, करण भास्कर सिंह ने 595 अंक, ऋतिक दुबे ने 577 अंक, राहुल कुमार मिश्रा ने 577 अंक, मो. तौफीक ने 575 अंक, सुजाता रानी ने 571 अंक, दिव्या कुमारी ने 570 अंक प्राप्त किए हैं। संस्थान के 1800 स्टूडेंट्स ने नीट यूजी की परीक्षा दी थी, जिसमें से 1621 स्टूडेंट्स ने परीक्षा क्वालीफाई किया है। संस्थान के 216 से ज्यादा छात्राओं को मेडिकल कॉलेज मिलने की संभावना है।

जेएमएम छात्र मोर्चा ने रांची विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति का किया स्वागत

रांची। रांची विश्वविद्यालय के नए प्रभारी कुलपति प्रो. दिनेश कुमार सिंह का छात्र संगठनों ने स्वागत किया है। झामुमो छात्र मोर्चा (जेसीएम) के निवर्तमान अध्यक्ष अमन कुमार तिवारी एवं सचिव असद फेराज के नेतृत्व में पारंपरिक अंगवस्त्र ओढ़ाकर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। छात्र मोर्चा ने नए कुलपति से मिलकर उन्हें विश्वविद्यालय के मूलभूत समस्याओं से अवगत कराया एवं उनसे उन समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई करने की मांग की। आज विश्वविद्यालय में शिक्षकों की कमी एक विकट समस्या है जिसकी वजह से पाठ्यक्रम में प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, छात्र-छात्राओं को रहने के लिए आज छात्रावास का घोर अभाव है। हॉस्टल्स बनने के बजाय हॉस्टल्स टूट रहे हैं, जिससे एकेडमिक्स का एक अच्छा माहौल नहीं मिल रहा है। कुलपति ने इन समस्याओं को समय निराकरण करने का आश्वासन दिया। मौके पर निवर्तमान कमेटी झामुमो छात्र मोर्चा के अध्यक्ष अमन कुमार तिवारी सचिव असद फेराज टिंकू, उपाध्यक्ष गुलअफसा सानी, संयुक्त सचिव बीरबल प्रजापति, डीएसपी मऊ अध्यक्ष मनीष राणा, सचिव अल्ताफ राजा, राजू महतो, आयुष कुमार, कोषाध्यक्ष राहुल मुंडा, मदन कच्छप, अंकित महतो इत्यादि उपस्थित थे।

झारखंड सीएसआर कॉन्क्लेव के प्री मीट में 30 जनजातीय समुदाय के अगुवाओं ने लिया भाग

रांची। मिशन ब्लू फाउंडेशन और आई-थ्री फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में झारखंड सीएसआर कॉन्क्लेव का आयोजन 22 और 23 अगस्त को होटल चाणक्य बीएनआर में किया जाएगा। इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य कॉर्पोरेट, एनजीओ, सिविल सेवाओं के प्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं को एक साझा मंच प्रदान कर राज्य में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व को और अधिक प्रभावशाली और सशक्त बनाना है। इस आयोजन को लेकर रविवार को स्थानीय होटल में झारखंड सीएसआर कॉन्क्लेव प्री मीट का आयोजन किया गया। इस प्री मीट में झारखंड के 30 जनजाति समुदाय के प्रतिनिधिमंडल और लगभग 200 लोगों ने पूरे राज्य से आए प्रतिनिधि शामिल हुए। मिशन ब्लू फाउंडेशन के अध्यक्ष पंकज सोनी ने कहा कि झारखंड सीएसआर कॉन्क्लेव के प्री मीट में एक रूपरेखा तैयार होगा, ताकि आने वाले समय में सीएसआर फंड का इस्तेमाल पारंपरिक कला संस्कृति, खान पान आदि का विकास हो। मौके पर पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर ने कहा कि सीएसआर फंड का इस्तेमाल सही जगह हो यह बहुत जरूरी है। इस मौके पर हेमू टोप्पो, राजीव गुप्ता ने भी अपने विचार रखें।

एसबीयू के शिक्षकों और छात्रों ने थाईलैंड में मनाया योग दिवस

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय के शिक्षकों और छात्रों ने चुलालोंगकॉर्न विश्वविद्यालय, बैंकॉक, थाईलैंड में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में भाग लिया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व भारत के थाईलैंड में राजदूत महामहिम नागेश सिंह ने किया। बैंकॉक में आयोजित विशेष योग सत्र में विभिन्न योग आसनों और प्राणायाम तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम से भारत और थाईलैंड के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिला है। कार्यक्रम में राजदूत महामहिम नागेश सिंह ने शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देने में योग के महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर बैंकॉक के गवर्नर भी मौजूद थे। साथ ही योग सत्र में बड़ी संख्या में देश-विदेश के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

भाषा को विवाद में लाने वाले जयचंद से सरकार सचेत रहे : कैलाश यादव

- 2018 से अनुमोदित राज्य में द्वितीय राजभाषा के सभी 17 भाषाओं की मान्यता जारी रखे सरकार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। अखिल भारतीय भोजपुरी मगही मैथिली अंगिका मंच की बैठक रविवार को हरमू स्थित स्वागतम बैंक्वेट हॉल में मंच के अध्यक्ष कैलाश यादव के अध्यक्षता में हुई। बैठक में रांची जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए भोजपुरी, मगही, मैथिली, अंगिका समाज के प्रमुख लोग उपस्थित थे।

बैठक में चर्चा के दौरान उपस्थित लोगों द्वारा सरकार के भाषा विवाद पैदा करने पर काफी रोष व्यक्त किया गया। लोगों ने कहा कि जिला स्तर पर झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा में कुल 17 क्षेत्रीय भाषा की सूची से भोजपुरी मगही मैथिली अंगिका और भूमिज भाषा को नजरअंदाज कर 12 भाषा को लागू किया गया जिस कारण बहुसंख्य समाज में जनाक्रोश पैदा हो गया है।

श्री यादव ने कहा कि विदित हो कि विगत वर्षों में भी सरकार द्वारा ऐसी हरकत की गई थी, जिस कारण राज्यभर में विरोध प्रदर्शन हुआ था। सरकार को संज्ञान में होना चाहिए कि पलामू, गढ़वा में सौ फीसदी लोग भोजपुरी, मगही भाषा का प्रयोग करते हैं और गोड्डा साहिबगंज, देवघर, जामताड़ा व अन्य स्थानों में अंगिका भाषा बोलते हैं। वहीं रांची जमशेदपुर, बोकारो, धनबाद, कोडरमा, चतरा, हजारीबाग में भोजपुरी, मगही भाषा बड़ी आबादी में बोली जाती है। इसलिए सरकार को सचेत रहने की जरूरत है ताकि समाज में सामाजिक समरसता और भेदभाव न बिगड़े। उन्होंने कहा कि सरकार में शामिल वैसे जयचंद से सावधान रहने की जरूरत है जो रह रह कर प्रशासनिक तौर पर जनविरोधी जनभावना एवं जनमत के खिलाफ सुझाव देते हैं।

मैथिली संघर्ष समिति के संयोजक अमरनाथ झा ने कहा कि राज्य में मान्यता प्राप्त 17 क्षेत्रीय भाषाएं है। जिला स्तर पर सरकार 2023 के गजट अनुसार सिर्फ 12 भाषाओं को मान्यता दिया है, जो गलत है। सरकार को अपने निर्णय पर पूर्विचार करने की जरूरत है। बैठक में मृत्युंजय झा, नंदन यादव, राम पुकार राय, रामकुमार यादव, नवीन झा, विभाकर कुमार, सुनील पांडेय, कुंदन सिंह, यतींद्र लाल दास, राजकुमार मिश्रा, दीनानाथ डॉन, चंद्रदेव मंडल, अरुण कु मिश्रा, ब्रज कुमार झा, राधेश्याम यादव, उमेश राय, शिवकुमार नाथ झा, सहित कई लोग शामिल थे।

कुरैश कॉन्फ्रेंस चलाने वाले लोगों को जमीयतुल कुरैश पंचायत बनाने का अधिकार नहीं : गुलाम जावेद

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। ऑल इंडिया जमीयतुल कुरैश झारखंड प्रदेश के मिडिया प्रभारी गुलाम जावेद ने रविवार को प्रेस वयान जारी कर कहा कि कहा कुछ लोग कुरैश बिरादरी को छलने का काम कर रहे है। जो लोग है वो एक गुट कुरैश कॉन्फ्रेंस के पदाधिकारी है जब इनका मकसद कुरैश कॉन्फ्रेंस से पूरा नहीं हुआ तो ये लोग जमीयतुल कुरैश 84 पंचायत बना कर कुरैश बिरादरी को ठगने के लिए गुट तैयार किए है। जबकि बिना बिरादरी के किसी बैठक या सहमति के इन लोगों ने चुनाव की घोषणा कर दिया, बिना किसी चुनाव कनवेनर बिना किसी चुनाव संयोजक कमिटी, बिना कोई वोटर लिस्ट प्रकाशन किए चुनाव पहली बार देखने को मिल रहा है। उन्होंने कुरैश समाज के लोगों से अपील किया कि 24 जून को होने वाले गुट की बैठक में न जाए। कुरैश कॉन्फ्रेंस के लोगों को अधिकार नहीं जमीयतुल कुरैश 84 बनाने का। झारखंड में एक मजबूत 84 का गठन होना चाहिए जिससे पंचायतों को भी मजबूत किया जा सके।

झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ ने किया पौधरोपण

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। स्वयं सेवी संस्थान झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ ने पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत आज वनरोपण, पौधरोपण का कार्य किया। रांची सर्कुलर रोड बर्दमान कंपाउंड स्थित होली क्रॉस सोसाइटी के ठीक सामने स्थित खाली बगान में प्रदेश अध्यक्ष दिनेश प्रसाद साहु, प्रदेश संरक्षक कुमुद प्रसाद साहु उर्फ मंटू बाबू, प्रदेश महामंत्री उमेश साहु, प्रदेश कार्यक्रम प्रभारी उदय साहु, प्रदेश उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता बीरेंद्र साहु, रमेश साहु, कुणाल कुमार बंटी, वनरोपण प्रभारी अरुणदेव कुमार, उपेन्द्र कुमार, ओम प्रकाश गुप्ता, पंच परगना सुंडी संघ से सचिव उपेन्द्र साहु, दामोदर गोराई, एवं अन्य उपस्थित लोगों ने पेड़ लगाकर धरती को हरा भरा बनाने के लिए उपस्थित लोगों को प्रेरित किया।

मौके पर प्रदेश अध्यक्ष दिनेश प्रसाद साहु ने पेड़ लगाते हुए अपने संबोधन में कहा कहा कि वनरोपण पौधरोपण कर पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए बहुत ही जरूरी है। हम सभी मिलकर वनरोपण पौधारोपण कर संकल्प लें और देश को हरा भरा बनाने में अपना भरपूर सहयोग और योगदान दे। आने वाली पीढ़ी को प्रदूषण मुक्त स्वच्छ और टिकाऊ भविष्य प्रदान किया जा सकता है। आज के इस वनरोपण कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रभारी अरुणदेव कुमार एवं प्रदेश कार्यक्रम प्रभारी उदय साहु ने पिछले दिनों से ही पूरी तैयारी कर रखी थी।

सारंडा का बदलाव अब दिखने लगा है : सरयू राय

- लगातार खनन और वृक्षों की कटाई ने बर्बाद किया सारंडा को : जस्टिस पाठक

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। जदयू विधायक सरयू राय ने कहा है कि अब सारंडा बदल रहा है। यह बदलाव दिख भी रहा है। सारंडा के परिप्रेक्ष्य में भारत सरकार ने अनेक वर्किंग प्लान बनाए। मेटल और माइनिंग की ट्रेडिंग सबके लिए खोल दिये जाने के बाद 2003 के आस-पास इनकी मांग बढ़ गई थी। सारंडा के जितना क्षेत्रफल है, उससे अधिक क्षेत्रफल के लिए खनन हेतु आवेदन खनन विभाग में आ गया था। श्री राय रविवार को रांची प्रेस क्लब में आयोजित सारंडा का बदलता परिदृश्य विषय पर आयोजित सेमिनार में अपने अध्यक्षीय भाषण दे रहे थे। यह आयोजन सारंडा बचाओ अभियान, नेचर फाउंडेशन और युगांतर प्रकृति के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। उन्होंने कहा कि जिसने कभी माइनिंग का नाम नहीं सुना था। उसने भी माइनिंग लीज के लिए आवेदन कर दिया था। माइनिंग लीज के जो वास्तविक धारक थे। वे सरफेस रेंट के लिए जरूरी धनराशि जमा करा पाने में असमर्थ थे। माइनिंग सेक्टर में बूम आने के बाद वे अन्य उद्योगपतियों के साथ गठजोड़ करके इसको चलाने लगे। इसके कारण अवैध माइनिंग धड़ल्ले से शुरू हो गई। अवैध माइनिंग के बारे में पूरे भारत में जोरदार चर्चा शुरू हो गई। उसी दरम्यान सारंडा बचाओ अभियान ने एक पीआईएल फाइल किया। इस पीआईएल को फाइल करने में जस्टिस डॉ एसएन पाठक की अहम भूमिका थी। तब वह सीनियर एडवोकेट थे।

उन्होंने कहा कि सारंडा के मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से राज्य सरकार को निर्देशित किया है कि कंप्लायंस करके 23 जुलाई तक अपनी रिपोर्ट दे दें। हमें लगता है कि झारखंड सरकार के अफसर ऐसा ही करेंगे।

मुख्य अतिथि जस्टिस डा एसएन पाठक ने कहा कि सारंडा जंगल जिसे कभी 700 पहाड़ियों की भूमि के रूप में जाना जाता था। जो हरे स्टील के रूप में जाने जाने वाले ऊंचे शाल के पेड़ों और मजबूत आदिवासी समुदायों से भरा हुआ था। सदियों तक सारंडा को एचओ मुंडा और संथाल लोगों के हाथों संरक्षित और पोषित किया गया था। हाल के दशकों में इसे चुपचाप लेकिन लगातार खनन, वनों की कटाई, विस्थापन और कभी-कभी सिर्फ उदासीनता के कारण नुकसान पहुंचाया गया। हमारा संविधान कहता है कि पर्यावरण की रक्षा करना राज्य और प्रत्येक नागरिक दोनों का कर्तव्य है। इसलिए सारंडा को संरक्षित करना केवल एक स्थानीय मुद्दा नहीं है। यह केवल झारखंड के बारे में नहीं है, यह एक राष्ट्र के रूप में हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

पूर्व प्रधान वन संरक्षक धीरेंद्र कुमार ने कहा कि वह जब सारंडा का डीएफओ थे, तब वहां सागवान के बहुत सारे पेड़ पौधे थे। उन्हें वहां इसीलिए भेजा गया कि वह सागवान की अंधाधुंध हो रही कटाई को रोकें। उन्होंने स्थानीय नौजवानों को रोजगार दिया और उनसे ही सागवान की कटाई रुकवाई। सारंडा के परिप्रेक्ष्य में लोगों को रोजगार देकर जोड़ने की जरूरत है। पूर्व उप निदेशक अरुण कुमार ने कहा कि लोगों की यह धारणा बन गई है कि खनन विभाग प्रदूषण फैलाने में सबसे ज्यादा जिम्मेदार है। पर्यावरणविद प्रो. डी एस श्रीवास्तव ने कहा कि सारंडा 700 पहाड़ों का समूह है। जहां अवैध खनन और गलत तरीके से वृक्षों की लगातार कटाई हो रही है। इसी कारण सारंडा बर्बाद हो रहा है। हाथियों का यह शानदार कॉरीडोर था। लाल रत्नाकर सिंह ने कहा कि 1924 में, जब यहां अंग्रेज थे। उन्होंने 850 किलोमीटर क्षेत्र को सारंडा का नाम दिया। सारंडा बनने के बाद 1968 में सुसंदा वर्किंग प्लान बना था। 1972 में वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट का गठन हुआ था। यह हाथियों के सबसे बेहतरीन आश्रयस्थली है। उप निदेशक संजीव कुमार ने कहा कि खनन, पर्यावरण और विकास ये सब एक-दूसरे के पूरक हैं। खनन विभाग ने सारंडा समेत राज्य के अनेक हिस्सों में आजीविका के लिये अनेक कार्य किये हैं। अतिरिक्त प्रधान वन संरक्षक सिद्धार्थ त्रिपाठी ने भी अपनी बात रखी। कार्यक्रम का संचालन युगांतर प्रकृति के अध्यक्ष अंशुल शरण ने किया। स्वागत भाषण प्रो. एमके जमुआर ने किया। जबकि विषय प्रवेश डॉ आरके सिंह और धन्यवाद ज्ञापन निरंजन सिंह ने किया।

खबर एक नजर में

बालाजी मंदिर में मना योगिनी एकादशी का व्रत

रांची। बालाजी वेंकटेश्वर मंदिर में आषाढ़ कृष्णपक्ष की योगिनी एकादशी व्रत को लेकर रविवार को प्रातः से रात्रि तक भक्तों की भीड़ लगी रही। श्रद्धालु भक्तजन व्रत की पूर्ति के लिये श्रद्धावनत भाव से भगवान श्रीमन्नारायण का पुष्प और तुलसीदल से अष्टोत्तर शतनामावली मंत्रों के उच्चारण पूर्वक अर्चना करायी। फिर लक्ष्मी की प्रसन्नता के लिये लक्ष्म्यष्टोत्तर की कुंकुम से अर्चना की और भगवान के 1008 नाम मंत्रों से सहस्त्रनाम की अर्चना हुई। भक्तिभाव में विभोर होकर भक्तों ने करतल ध्वनि करते हुये श्रीनिवासा गोविंदा श्रीवेंकटेशा गोविंदा। वेंकट रमना गोविंद भवभय हरणा गोविंदा तथा श्रीमन्नारायण नारायण हरि- हरि का संकीर्तन करते हुए परिक्रमा कर रहे थे। फिर समर्पण भाव से दण्डवत प्रणाम निवेदन कर भगवान से अनुग्रह निग्रह और योग क्षेम के लिये मंगल प्रार्थना की।

संत जेवियर्स कॉलेज में पौधरोपण अभियान

रांची। संत जेवियर्स कॉलेज मे रविर को पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए पौधा वितरण और पौधरोपण अभियान का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कैडेटों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई और कैप्टन डॉ. प्रिया श्रीवास्तव और रांची ईस्ट के लायंस क्लब के समर्पित मौजूद थे। इस सार्थक पहल में कुल 40 एनसीसी कैडेटों ने भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने समर्पण का प्रदर्शन किया। जैव विविधता और पारिस्थितिकी प्रासंगिकता सुनिश्ित करने के लिए वितरण के लिए फलदार, फूलदार और औषधीय पौधों सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधों का सावधानीपूर्वक चयन किया गया।

रक्तदान शिविर एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

रांची। झारखंड आदिवासी सरना विकास समिति धुर्वा रांची की ओर से भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती एवं बाबा कार्तिक उरांव के जन्म शताब्दी वर्ष के शुभ अवसर पर समिति कि ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन रविवार को सेक्टर 3 धूमकुड़िया भवन परिसर में किया गया। जिसमें 29 यूनिट रक्त वीरों ने रक्तदान किया। मौके पर रिम्स ब्लड सेंटर के डॉ उमेश कुमार सिंह के नेतृत्व में सात मेडिकल टीम के सदस्य मौजूद थे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष मेघा उरांव, बिरसा भगत, कुमुदिनी लकड़ा, लुथरू उरांव, कर्मपाल उरांव, राजू उरांव बबलू उरांव लक्ष्मण उरांव, रूपेश बाखला, राजन कुमार, सूरज मित्रा , सुमित कुमार, प्रदीप उरांव, एवं क्षेत्रीय संयोजक संदीप उरांव, शनि उरांव, रवि प्रकाश उरांव एवं अन्य सैकड़ो कार्यकर्ता शामिल थे।

विश्व संगीत दिवस पर झारखंड कला मंदिर में संगीतमय संध्या

रांची। विश्व संगीत दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्य निदेशालय (पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग) की ओर से झारखण्ड कला मंदिर होटवार में संगीतमय संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर झारखंड कला मंदिर का प्रांगण प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षणार्थियों के प्रस्तुतियों और संगीत से गुंजायमान रहा। झारखंड कला मंदिर के प्रशिक्षकों के द्वारा सभी प्रशिक्षणार्थियों को संगीत के महत्व और हमारे मानव जीवन पर संगीत के प्रभाव के बारे बताया गया। इस अवसर पर शास्त्रीय गायन में मृणालिनी अखौरी एवं अमृता चटर्जी के छात्रों द्वारा राग गायन एवं गजल गायन, संजीव पाठक के छात्रों द्वारा गायन में तबला वादन पर संगत, कुश कुमार करुआ के छात्रों द्वारा बांसुरी वादन, सबिता मिश्रा एवं सुमेधा सेन गुप्ता के छात्रों द्वारा ओडिसी नृत्य, देवदास विश्वकर्मा के छात्रों द्वारा नागपुरी गायन, संतोष मिश्रा के छात्रों द्वारा भाव संगीत, खुशबु कुमारी एवं प्रमिला कुमारी के छात्रों द्वारा भरतनाट्यम नृत्य, मनपूरन नायक के छात्रों द्वारा मांदर वादन, बबली कुमारी तथा शीतल कुमार के छात्रों द्वारा कथक नृत्य, दीनबंधु ठाकुर, जानकी देवी तथा मनीष कुमार के छात्रों द्वारा नागपुरी नृत्य एवं अंत में जुरा होरो के छात्रों द्वारा मुंडारी नृत्य प्रस्तुत की गयी। लोक संगीत और शास्त्रीय संगीत के विभिन्न प्रस्तुतियों में 255 प्रशिक्षणार्थियों ने भागीदारी की। इस अवसर पर सैकड़ों छात्र और अभिभावक मौजूद थे। मौके पर सभी को झारखंड सरकार की ओर से बीते 10 से 26 जून 2025 तक संचालित मादक पदार्थों के विरुद्ध राज्यव्यापी जागरूकता अभियान के अंतर्गत भी आवश्यक जानकारी दी गई तथा शपथ दिलाया गया। प्रशिक्षण समन्वयक डॉ जयकांत इंदवार ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

रांची। रविवार को झारखंड स्वास्थ्य मिशन ने नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन राजकीयकृत मध्य विद्यालय सुगनू लालगंज में किया गया। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में 110 लोगों का नि:शुल्क ब्लड प्रेशर, शुगर, जेनरल रोग जांच, स्त्री रोग जांच, नेत्र रोग जांच, एवं हियरिंग (कान) जांच किया गया। इस मिशन का लक्ष्य है कि शहर से लेकर गांव तक सभी जगहों पर स्वास्थ्य जांच शिविर एवम रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाए। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में झारखंड स्वास्थ्य मिशन, रांची के अध्यक्ष संतोष सोनी, डॉ मनोज कुमार राणा का सहयोग रहा।

सैयद सरवर चिश्ती राष्ट्रीय वक़्फ योद्धा अवॉर्ड से सम्मानित

रांची। राजधानी रांची के विभिन्न संगठनों ने लहू बोलेगा रक्तदान संगठन की अगुवाई में ख़्वाजा गरीब नवाज अजमेर शरीफ दरगाह के गद्दी नशीन सैयद सरवर चिश्ती साहब को राष्ट्रीय वक़्फ योद्धा अवार्ड से सम्मानित किया। मौके पर झारखंड वक़्फ योद्धा अवॉर्ड से तीन लोगों को सम्मानित किया गया जिसमें हिदातुल्लाह खान, मंजूर अंसारी, व रियाज शरीफ शामिल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदातुल्लाह खान ने किया एवं कार्यक्रम का संचालन लहू बोलेगा के नदीम खान ने किया। धन्यवाद ज्ञापन मस्जिद-ए-जफरिया के मौलाना तहजीबुल हसन रिजवी ने किया। कार्यक्रम में मंजूर अंसारी, मौलाना तहजीबुल हसन, काजी मसूद फरीदी, मुफ़्ती अब्दुल्ला अजहर, अफजल अनीस, एस. अली, शाहनवाज अख़्तर, पत्रकार शहरोज कमर, समीउल्लाह असदकी, मौलाना नसीम नदवी, मो सऊद, मो मुन्ना, मंसूर चिश्ती, मेराज चिश्ती, मो तौहिद, नदीम खान, तनवीर अहमद, नेहाल अहमद, खालिद खलील, मो आफताब, साजिद उमर, शाहनवाज अब्बास, मो फहीम, नैय्यर सहाबी, मुन्नवर भुट्टो, मो बब्बर, असफर खान, औरंगजेब खान, मो जाहिद, मो फिरोज, मो आरसी, हसनैन जैदी, तारिक मुजीबी, बुलंद अख़्तर, शौकत अंसारी, मो शमीम, व मो काबिल शामिल थे।

चनकोपी रथयात्रा में सर्वसमाज की होती है भागीदारी, दिखती है समरसता

बेड़ो के चनकोपी गांव की रथयात्रा 300 साल पुराना

राजू कुमार सिंह

चनकोपी में स्थित भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के बाद भगवान जगन्नाथ स्वामी का फाइल फोटो।

बेड़ो के चनकोपी में भगवान जगन्नाथ स्वामी के रथ।

बेड़ो। रांची, लोहरदगा व गुमला तीनों जिला की सीमा के त्रिकोण में बसे बेड़ो प्रखंड के ऐतेहासिक खुखरा पंचायत के चनकोपी गांव में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा का भव्य आयोजन होता है। इस रथ यात्रा का इतिहास लगभग 300 साल से अधिक पुराना है। ग्रामीण परिवेश में आयोजित होने वाली इस रथयात्रा में सामाजिक समरसता की मिसाल होती है। जिसमें हर जाति,धर्म,व समुदाय के लोग एक साथ मिलकर भागीदारी करते हैं। जहां किसी तरह भेदभाव नहीं रहता है। चनकोपी में भगवान जगन्नाथ महाप्रभु के मंदिर की स्थापना का रोचक इतिहास है। खुखरा परगना में जब छोटा नागपुर का राज काज चलता था। उस वक्त से ही वर्तमान शाहदेव परिवार के पूर्वज यहां के जमींदार हुआ करते थे। कहते हैं कि इनके परिवार में वंश वृद्धि नहीं हो रही थी। सिर्फ एक बालक ही जीवित बच पाता था। कई पीढ़ियां ऐसे ही गुजर गईं। वर्तमान पीढ़ी से छह पीढ़ी पहले के तत्कालीन जमींदार लाल आनंद नाथ शाहदेव जगन्नाथ पुरी तीर्थ यात्रा पर गए। वहां भगवान के अलौकिक दर्शन के बाद उनके मन में महाप्रभु का मंदिर स्थापित करने का विचार आया। गांव लौट कर उन्होंने स्थानीय लोगो व राज मिस्त्रियों को जुटाया और मंदिर बनवाया गया। इस 300 साल पुराना ईट बालू और चूना सुर्खी से बना मंदिर आज भी मजबूती से टिका हुआ है। स्थानीय कारीगरों ने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा की प्रतिमा बनाई। मंदिर तैयार होते ही पहले आषाढ़ में भगवान की रथयात्रा शुरू हुई जो आज भी जारी है। इसे भगवान जगन्नाथ की महिमा और कृपा ही कहेंगे कि इसके बाद शाहदेव परिवार में वंश वृद्धि होने लगी। तब से महाप्रभु के प्रति अगाध आस्था क्षेत्रीय लोगों में है। कहते हैं बड़ी से बड़ी विपदा भगवान जगन्नाथ की कृपा से टल जाती है। सुख समृद्धि की कामना लेकर दूर दराज से भक्त आते हैं।

बड़ी बात है कि अल्पसंख्यक समुदाय के लोग भी यात्रा में बढ़-चढ़कर भागीदारी करते हैं। यहां सर्वे भवंतु सुखिनः की भावना काम करती है। ईश्वर एक है, पंथ अलग हैं, इसलिए सब एक हैं। वही शाहदेव परिवार के मुखिया और रथयात्रा आयोजक लाल आनंद किशोर नाथ शाहदेव का 2 नवंबर 2022 को निधन हो गया। इसके बाद से लाल संजय नाथ शाहदेव के देखरेख में रथयात्रा का आयोजन किया जा रहा है।स्व लाल किशोर नाथ शाहदेव कहना था कि महाप्रभु सबका कल्याण करते हैं। देखा जाए तो यहां सभी समाज के लोगों को महाप्रभु ने एक सूत्र में बांध रखा है। यहां समरस संस्कृति शुरूआत से ही रही है। बीसवीं सदी के शुरूआत में रथ यात्रा की व्यवस्था में अमीर अंसारी और भिखम अंसारी और इनके स्वजनों का अहम योगदान हुआ करता था। इस परंपरा को आज छेदी अंसारी और हजरत अंसारी निभाते आ रहे हैं। सौ साल पहले सोमरा लोहरा रथ निर्माण करते थे। आज यह कारीगरी उनके परिवार के शंकर लोहरा, माडू लोहरा और नंदा लोहरा निभा रहे हैं। रथ को सजाने और तैयार करने का काम गांव के पहान और पुजार पारंपरिक तरीके से करते आ रहे हैं। वर्तमान में पुरोहित बालमुकुंद मिश्रा,पुजारी नर्मदेश्वर मिश्रा के बाद अब भूलू पंडित,तेंबू पहान और पुजार बंदे उरांव रथ यात्रा से जुड़े सभी धार्मिक और पारंपरिक अनुष्ठानों को संपन्न कराते हैं। महाप्रभु का साज सज्जा व श्रृंगार और उन्हें रथ पर आरूढ़ करने में राम वृक्ष महतो, भवरा महतो, अर्जुन महतो, मनमोहन महतो लाल मोहन महतो जितुआ महतो, सुदर्शन साहू, महावीर गोप, वीरेंद्र गोप जुगल गोप, रथयात्रा संचालन में लाल राधेश्याम नाथ शाहदेव, संजय शाहदेव, सतीश शाहदेव, शशिकांत, सच्चिदानंद शाहदेव, संदीप , अरविंद , नवीन, मनदीप शाहदेव, प्रिंस सहित ग्राम वासियों की सक्रिय भूमिका रहती है।

ओरमांझी में हाइवा ने बाइक सवार को कुचला, एक की मौत, एक घायल

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। थाना क्षेत्र के पिस्का डुंडे के पास रविवार को हुई एक सड़क दुर्घटना में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं एक घायल हो गया। मृतक की पहचान रामगड़ कड़के निवासी पंकज मुंडा के रूप में की गई। वहीं उसी गांव के प्रदीप मुंडा गंभीर रूप से घायल हो गया। सुबह दस बजे के करीब हुई दुर्घटना के संबंध में बताया गया कि दोनो बजाज बाइक जेएच24जे-0381 में सवार हो रांची से रामगढ़ की ओर जा रहे थें। जैसे ही सीएचसी ओरमांझी के पास पहुंचा, विपरित दिषा (रांग साईड) से पत्थर लेकर जा रहे एक हाइवा ने बाइक को अपने चपेट में ले लिया। दुर्घटना में बाइक छतिग्रस्त हो गया। वहीं बाइक से गिरने के बाद पंकज मुंडा को कुचल दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक से फेका गए, प्रदीप मुंडा घायल हो गया। दुर्घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ लग गई थी। सूचना मिलने के बाद पहुंची एनएचआई एंबुलेंस की मदद से मृतक के शव को पोस्टमार्ट व घायल को उपचार के रामगड़ ले जाया गया। स्थानीय लोगों ने बताया रांग साइड से हाइवा के चलने से अक्सर दुर्घटना की संभावना बनी रहती है।

दुर्घटना के बाद घटना स्थल पर लोगों की भीड़।

युवक ने की आत्महत्या

मांडर। थाना क्षेत्र में एक युवक का आत्म हत्या करने का मामला प्रकाश में आया है। मिली जानकारी के अनुसार कंजिया चाला टोली निवासी 28 वर्षीय संजय उरांव ने शनिवार देर रात एक पेड़ की डाली से झूलकर आत्महत्या कर ली। गांव का ही एक व्यक्ति रविवार की सुबह गांव के मुख्य पथ की ओर निकला तो उसकी नजर पेड़ से झूलते संजय के शव पर पड़ी। घटना की जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है साथ ही घटना की जाँच भी कर रही है। संजय की कुछ वर्ष पूर्व शादी हुई थी हालांकि उसके बाल बच्चे नहीं थे। ट्रैक्टर चलाने के साथ- साथ वह थोड़ी बहुत खेती बारी भी करता था। पुलिस के अनुसार अभी आत्म हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है बहुत जल्द खुलासा कर लिया जायगा।

सड़क जाम से परेशान लोग कर रहे बस स्टैंड बनाने की मांग

बसों के कारण सड़क पर बनी जाम की हालात।

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। रांची-हजारीबाग मार्ग के बीआईटी विकास आसपास लगाने वाले सड़क जाम से स्थानीय लोग परेषान हैं। लोगों को कहना है कि उक्त मार्ग पर चलने वाले लंबी दूरी की बस सवारी उठाने के लिए जगह-जगह खड़े रहते हैं। खासकर गेतलातू जुमार पुल के निकट बीएसएनएल गेट स्थित अक्सर आठ-दस बस खड़े रहते हैं।

इसके अलावे कई स्थनों पर जाम की स्थिति बनी रहती है। स्थानीय लोगों द्वारा प्रषासन से इन समस्याओं की दूर करने व बस स्टेन बनाने की मांग की गई है।

भूतपूर्व मुखिया का निधन,शोक की लहर

सोनाहातू। प्रखंड के तेलवाडीह पंचायत निवासी पूर्व जिप उपाध्यक्ष चितरंजन महतो के पिता पूर्व मुखिया 87 वर्षीय महेंद्र प्रसाद महतो का आकस्मिक निधन रविवार को हो गया है। सामाजिक कार्यों में रुचि रखने वाले यह काफी लोकप्रिय थे।इनके निधन पर पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो,आजसू पार्टी के सुनील सिंह, जयपाल सिंह, पूर्व जिप अध्यक्ष सुकरा सिंह मुंडा, सुषेण प्रमाणिक आदि ने शोक व्यक्त किया है।

आजसू की स्थापना दिवस पर हजारो कार्यकर्ता भाग लिए

अनगड़ा । आजसू पार्टी 40वीं स्थापना दिवस बलिदान दिवस के रूप में मनाने के लिए खिजरी विधानसभा से हजारों कार्यकताओं के साथ आजसू पार्टी केंद्रीय सचिव सह पूर्व प्रत्याशी पारसनाथ उरांव के नेतृत्व में खेलगांव टाना भगत इनडोर स्टेडियम में पहुंचे जिसमें नामकुम प्रखंड से लोग बढ़ चढ़कर भाग लिए इसके लिए सभी कार्यकताओं का धन्यवाद दिया और उनका आभार प्रकट किया । इस मौके पर खिजरी विधानसभा से केंदीय सचिव फूलकुमारी देवी, वीणा देवी,जितेन्द्र सिंह, जलनाथ चौधरी, प्रदीप जायसवाल, कुदरत शेख, राजू उरांव, संजय महतो,नंदकिशोर महतो, मुकेश नायक, महावीर महतो, सावित्री देवी, किरण देवी, निर्मला देवी, धर्मेंद्र सिंह, किशुन महतो, माथुर प्रसाद, अर्जुन राम, बसंती देवी, सुनीता देवी, आदि हजारों लोग बलिदान दिवस पर शामिल हुए।

शराब के अवैध कारोबार की दें सूचना : डीएसपी

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। डीएसपी अरविंद कुमार ने कहा कि नशा व्यक्ति के विकास में सबसे बड़ा बाधक है। इससे हमेशा परिवार उजड़ने की आशंका बनी रहती है। हाल के दिनों में समाज के युवा इसकी चपेट में हैं। इसके लिये अभिभावक और परिवार की महिलाओं को सजग रहने की जरूरत है। उन्होंने लोगों से क्षेत्र में शराब के अवैध कारोबार की सूचना स्थानीय पुलिस प्रशासन को देने की अपील की। वह रविवार को राज्य सरकार के निर्देश पर छोटानागपुर फन कैशल पार्क के समीप थाने की ओर से आयोजित नशामुक्ति जागरूकता अभियान में बोल रहे थे।

दुर्घटना का कारण है नशा

थानेदार आरएन सिंह ने कहा कि शराब और अन्य नशे में धूत होकर वाहन चलाने के कारण आये दिन लोग दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। इसमें अधिकांश युवा शामिल हैं। उन्होंने लोगों से नशापान पर अंकुश लगाने के लिये अभियान को तेज करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में एसआई नवीन शर्मा समेत कई पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

स्वयंसेवी संस्था एलिमको ने दिखायी दरियादिली

समाज के दिव्यांग जनों को दिया गया किट, खिल उठे चेहरे

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। प्रखंड के पुरियो में एलिमको संस्था की ओर से रविवार को क्षेत्र के सैकड़ों दिव्यांग जनों के बीच किट का वितरण किया गया। इससे उनके चेहरे खिल उठे। पंचायत सचिवालय सभागार में आयोजित समारोह में जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत खास मेहमान थीं। उन्होंने संस्था की दरियादिली को सराहा और साधुवाद दिया। मौके पर मुखिया ज्योति भगत, सरपंच लक्ष्मण उरांव, समाजसेवी रंजीत, कइबरता, मुकेश स्वासी, प्रवीण कुमार, मानकी कुमारी, श्यामा देवी व सुसाना केरकेट्टा आदि मौजूद थे। इधर, संस्था के मुकेश स्वासी ने पत्रकारों को बताया कि भविष्य में भी दिव्यांग और

असहाय जनों को सुविधाएं दी जायेगी। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधि व समाजसेवा से सरोकार रखने वालों से संस्था के रचनात्मक कार्यों में सहयोग की अपील की है।

खबर एक नजर में

एनके एरिया में विश्व योग दिवस पर विशेष शिविर का आयोजन

खलारी। सीसीएल एनके एरिया के डकरा ऑफीसर्स क्लब में विश्व योग दिवस के अवसर पर शनिवार को योग शिविर का आयोजन किया गया। योग शिविर का उद्घाटन सीसीएल मुख्यालय से आए महाप्रबंधक विमल कांत शुक्ला ने दीप जलाकर किया। योग शिविर में योग प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य गोपाल विश्वकर्मा मिस्त्री ने उपस्थित लोगों को योग कराया। कार्यक्रम में विमल कांत शुक्ला ने कहा कि रोजाना योग करने से मनुष्य निरोग रहता है। आज योग की पहचान पूरे विश्व भर में पहुंच गई है। जीवन की दौड़ भाग से समय निकालकर लोगों को रोजाना कुछ समय योग करना चाहिए। वही एनके एरिया के महाप्रबंधक दिनेश कुमार गुप्ता , परियोजना पदाधिकारी चूरी अनुज कुमार, परियोजना पदाधिकारी रोहिणी दीपक कुमार, राकेश रोशन, कार्मिक अधिकारी शैलेंद्र कुमार, फाइनेंस अधिकारी सुरेश अग्रवाल, निखिल अखौरी, श्रमिक प्रतिनिधि गोल्डन प्रसाद यादव, पिंकू सिंह, डीपी सिंह, ओम प्रकाश शर्मा, सुनील कुमार सहित एरिया के दर्जनों अधिकारी और महिला कामगारों के अलावा सीआईएसएफ के जवान मौजूद थे। योग शिविर के अंत में महाप्रबंधक दिनेश कुमार गुप्ता के द्वारा मुख्य अतिथि और योग प्रशिक्षक को उपहार देकर सम्मानित किया गया।

दिल्ली से आई नेशनल मीडिया की टीम ने चूरी भूमिगत खदान के अंदर देखा कोयला

खलारी। कोयला मंत्रालय के सहायक सचिव के साथ शनिवार को दिल्ली से आई नेशनल मीडिया की टीम ने एनके एरिया की चूरी भूमिगत खदान के अंदर जाकर कोयला उत्पादन को देखा। इसके साथ ही परियोजना में काम करने वाले चार महिला माइनिंग इंजीनियरों से मुलाकात की। टीम के डकरा पहुंचने पर महाप्रबंधक दिनेश कुमार गुप्ता के द्वारा स्वागत किया गया। इसके बाद कॉन्फ्रेंस हॉल में चूरी परियोजना के बारे में जानकारी दी गई। चूरी परियोजना पहुंचने पर टीम के सभी सदस्यों ने सेफ्टी किट पहनकर ड्रिफ्ट रनर गाड़ी पर सवार होकर खदान के अंदर गए और वहां हो रहे कोयला उत्पादन को दिखा। टीम में कोयला और खान मंत्रालय के अवर सचिव ,आईटी/ मीडिया प्रदीप राज नयन, डिप्टी डायरेक्टर पीआईबी सुहेब टी, कोयला मंत्री के सहायक सचिव निलेश कुमार जोशी के अलावे पीटीआई, टीवी टुडे, आउटलुक बिजनेस, द इकोनॉमिक्स टाइम्स, डीडी न्यूज, ऑल इंडिया रेडियो, जी बिजनेस, जी न्यूज, ईटी एनर्जी वर्ल्ड के विशेष संवाददाता मौजूद थे।

मौत का आमंत्रण दे रहा है हाई टेंशन बिजली का खम्भा, विभाग बेपरवाह

खलारी। मैक्लुस्कीगंज स्थित स्टेशन रोड में 11 हजार वोल्टेज का (हाई टेंशन) खम्भा गिरने के कगार में है। बताना चाहते है कि लगातार बारिश होने से बिजली का खंभा सड़क के तरफ ज्यादा झुकाव हो गया है। इस मार्ग से आये दिन हजारों राहगीर आते जाते रहते है। साथ ही आसपास घनी आबादी वाले क्षेत्र भी है। वही स्थानीय ग्रामीण बताते है कि बारिश के समय बिजली का खंभा सड़क के तरफ झुक गया है। इसका खबर मैक्लुस्कीगंज में सभी लाईन मैन को किया जा चुका है। लेकिन दो तीन दिन बीत जाने के बाउजूद भी कोई कारर्वाई नही किया जा रहा है। झुका हुआ हाई टेंशन पोल कभी भी गिर सकता है। जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बन सकती है।

खान एवं भूतत्व विभाग ने चेकनाका लगाकर अवैध कोयला, बालू,गिट्टी पर रोकथाम करेंगे

खलारी। खान एवं भूतत्व विभाग, झारखण्ड सरकार के जारी आदेशानुसार जिला खनन पदाधिकारी, राँची के द्वारा मैक्लुस्कीगंज,खलारी, व चान्हो थाना क्षेत्र में चेकनाका पोस्ट निर्माण कर अवैध कोयला, बालू,गिट्टी का खनन व परिचालन एवं भण्डारण की जाँच एवं रोकथाम हेतु दण्डाधिकारी एवं पुलिस बल प्रतिनियुक्ति किया गया। यह आदेश खान एवं भूतत्व विभाग ने 17 जून से अगले आदेश तक मैक्लुस्कीगंज कोनका चेकनाका,पुरनी राय (निर्मल महतो चौक) चेकनाका, चामा पिकेट चेकनाका जारी रखा गया है। प्रतिनियुक्त एसआई रवि उराँव, व दण्डाधिकारी कृष्णा तिर्की ने मैक्लुस्कीगंज के स्थित कोनका मोड़ फॉरेस्ट ऑफिस के पास चेकनाका में तैनात अधिकारी ने बताया कि थाना क्षेत्रों से अवैध बालू,कोयला सहित अन्य का रोकथाम के लिए पोस्टेड किया गया। चेकनाका में हर भारी वाहन का जांच किया जाता है।

कुर्मी विकास मोर्चा की बैठक संपन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

ठाकुरगांव। कुर्मी विकास मोर्चा की बैठक रविवार को बुढ़मू प्रखंड के हेसलपिरी गांव में सोनालाल महतो की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मुख्य अतिथि मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष शीतल ओहदार,केंद्रीय महासचिव राजेंद्र महतो,युवा मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजकुमार महतो शामिल हुए। मौके पर शीतल ओहदार ने कहा कि राज्य सरकार के प्रस्तावित पेसा कानून में राज्य सरकार कुर्मियों की भागीदारी सुनिश्चित करे।

साथ ही उन्होंने कहा कि उक्त मामले को लेकर राज्य भर के कुर्मी समाज को गोलबंद किया जा रहा है। ओहदार ने जोर देकर कहा कि इस मामले को लेकर समाज द्वारा चरणबद्ध आंदोलन भी किया जायेगा। इस अवसर पर राज्य भर के कुर्मी समाज के गांवों में जागरूकता अभियान भी चलाने का निर्णय लिया गया। मौके पर ललित महतो,सबिता देवी,सुशील कुमार, सोहन कुमार,सरिता देवी,उर्मिला देवी समेत अन्य मौजूद थे।

महात्मा नारायण दास ग्रोवर डीएवी पब्लिक स्कूल बुंडू में यज्ञशाला का हुआ भव्य उद्घाटन

बुंडू। महात्मा नारायण दास ग्रोवर डीएवी पब्लिक स्कूल, गोसाईडीह बुंडू में रविवार को नव निर्मित यज्ञशाला का उद्घाटन वैदिक रीति से यज्ञ कर तथा ओ३म्-ध्वज फहराकर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व लोकसभा उपाध्यक्ष व पद्मविभूषण श्री कड़िया मुंडा ने अपने कर कमलों से किया। यज्ञ की पूणार्हुति के साथ विद्यालय परिसर में वैदिक मंत्रों की गूंज और उत्सव का वातावरण बना रहकार्यक्रम में रांची से आर्य ज्ञान प्रचार समिति के अध्यक्ष एस. एल. गुप्ता सपत्नीक, सचिव श्री प्रेम प्रकाश आर्य सपत्नीक, प्रधान आर्य समाज मंदिर रांची श्री राजेन्द्र आर्य सपत्नीक, विद्यालय स्थानीय समिति के सचिव सह आर्य समाज मंत्री अजय आर्य सपत्नीक, कोषाध्यक्ष श्री संजय पोद्दार सपत्नीक, आर्य समाज संरक्षिका श्रीमती सुशीला गुप्ता, डीएवी नंदराज मॉडर्न स्कूल की प्राचार्या श्रीमती झूंपा सिंह, विद्यालय स्थानीय समिति अध्यक्ष सुनील गुप्ता, अशोक भाटिया, पुनीत माहेश्वरी समेत सैकड़ों की संख्या में अभिभावक, शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि श्री कड़िया मुंडा ने अपने वक्तव्य में कहा, यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि जिस सपने को हमने ग्रोवर साहब और समिति के सदस्यों के साथ मिलकर देखा था।

विधायक के सौजन्य से सूखा राशन उपलब्ध कराया गया

अनगड़ा । प्रखण्ड के नारायण सोसो ग्राम निवासी मृतक मुन्ना मुण्डा के अश्रितो को दसकर्म हेतू खिजरी विधायक राजेश कच्छप के सौजन्य से सूखा राशन उपलब्ध कराया गया ।इस मौके पर अंजली कुमारी, पूजा देवी पैरो देवी, रुवी देवी, संगीता देवी परिजन शंकर मुण्डा इत्यादि उपस्थित रहें ।

सिमलिया रिंग रोड में दुर्घटना को लेकर ग्रामीण चिंतित

स्पीड ब्रेकर की मांग पर आंदोलन की चेतावनी, जिले के डीसी को दिया आवेदन

एनएचईआई को भी सौंपा ज्ञापन

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। सिमलिया के ग्रामीण रिंग रोड में आये दिन हो रही सड़क दुर्घटना को लेकर चिंतित हैं। रविवार को पंचायत के पूर्व मुखिया मुकेश भगत की अध्यक्षता में हुयी बैठक के दौरान 13 जून को गांव की पानो देवी का हादसे में आकस्मिक मौत पर दुःख व्यक्त किया गया। वहीं, दुर्घटना के बाद प्रशासन की ओर से स्पीड ब्रेकर बनवाने का आश्वासन पूरे नहीं होने पर नाराजगी जतायी गयी। थानेदार आरएन सिंह को इस समस्या से पुनः अवगत कराया गया। इसके बाद जिले के डीसी मंजूनाथ भजंत्री को रिंग रोड में हाजी चौक और मुंडा मसना के समीप स्पीड ब्रेकर बनवाने की अर्जी दी गयी। इस आशय का पत्र एनएचईआई के अधिकारियों को भी दिया गया। ज्ञापन में एक सप्ताह के अंदर ब्रेकर नहीं बनने की स्थिति में आंदोलन की चेतावनी दी गयी है। संचालन फिरोज मंसूरी ने किया।

बैठक के बाद एकजुटता दिखाते लोग।

बैठक में थे शामिल

बलराम कुमार गोप, गयासुद्दीन अंसारी, बालकिशन उरांव परमानंद गोप, करमनाथ उरांव, अविश मंसूरी, अमित गोप, गुड्डू अंसारी, भुवनेश्वर उरांव, रामचंद्र महतो, फिरोज मंसूरी, अभिषेक भगत, मनोज गोप, नुरुल होदा व अमरनाथ महतो समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण आदि।

अतिक्रमण पर आक्रोश

रिंग रोड के किनारे जितने भी गेराज हैं, उनके मालिकों को रोड में गाड़ी खड़ी काम करने से मना किया गया है। वहीं, लोगों ने समीप के एचपी पेट्रोल पंप प्रबंधन की ओर से रिंग रोड के पासिंग मार्ग का अतिक्रमण किये जाने पर आक्रोश व्यक्त किया गया। इसके लिये प्रशासनिक अधिकारियों को भी खरी-खोटी सुननी पड़ रही है।

पश्चिम एशिया की स्थिति घातक

ईरान-इजरायल युद्ध में अमेरिका के कदने से पश्चिम एशिया में तनाव ने अब बेहद खतरनाक मोड़ पहुंच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की न्यूक्लियर साइट्स को निशाना बनाने के बाद कहा कि अगर ईरान ने शांति का रास्ता नहीं अपनाया तो ऐसे हमले जारी रहेंगे। अमेरिकी एयरफोर्स ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों फोर्दो, नतांज और इस्फहान को बी-2 स्टील्थ बॉम्बर और बंकर बस्टर बम से हमला कर बर्बाद कर दिया। यह 30,000 पाउंड वजनी बम ऐसी तबाही मचा सकता है, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। भले ही ईरान का फोर्दो न्यूक्लियर सेंटर अमेरिका ने बारूद से पाट दिया हो, लेकिन वह पीछे हटने के मूड में नहीं है। उसने भी अमेरिका को हमले की सीधी चेतावनी दे दी है। अपने परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले के प्रतिशोध में ईरान ने इजरायल पर सीधे सैन्य कार्रवाई करते हुए 40 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलें दाग कर उसे भारी क्षति पहुंचायी। अमरिकी हमले की रूस ने भी कड़ी निंदा की है और कहा है कि कई देश ईरान के साथ हैं, और उसे अपना परमाणु हथियार देने के तैयार हैं। चीन ने भी अमिरकी हमले पर कड़ी आपत्ति की और कहा, इससे स्थिति और भी भयावह हो सकती है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने भी गहरी चिंता जयतायी और इसे बहुत ुखद बताया। यूएनओ महासचिव ने कहा, यह संघर्ष नियंत्रण से बाहर जाता दिख रहा है। इसके नागरिकों, क्षेत्र और दुनिया के लिए विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने कहा हमें अराजकता से बतचते हुए कूटनीतिक समाधान की ओर बढ़ना चाहिए। इस लड़ाई ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के समक्ष अनिश्चितता का एक और द्वार खोल दिया है, जिसका असर भारत समेत पूरी दुनिया पर भी पड़ सकता है।

आज का राशिफल

मेष : व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। घर में शुभ समाचारों का संचार होगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-9

वृष : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गो का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेंगी। शुभांक-2-7-9

मिथुन : कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-3-7-8

कर्क : राजकीय कार्यो से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-9

कन्या : मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार हैं। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यो से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-7-8

धनु : आय के योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-6-9

मकर : अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। नये व्यावसायिक अनुबन्ध होंगे। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ : जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-1-3-7

मीन : लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मुलाकात होगी। शुभांक-1-5-9

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह

द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रधान संपादक
सौरभ कुमार सिंह
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com

R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797

धनबाद कार्यालय
लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।
(R.N.I No. आवेदित)

*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

सचमुच सिमट रही है दामन की प्रतिष्ठा ?

समय के साथ परिधान और समाज की सोच में बदलाव आया है। पहले ₹दामन₹ केवल वस्त्र का टुकड़ा नहीं, बल्कि मयार्दा और संस्कृति का प्रतीक माना जाता था। पारंपरिक वस्त्रों-साड़ी, घाघरा, अनारकली को महिलाओं की गरिमा से जोड़ा जाता था। दामन की प्रतिष्ठा अब भी बनी हुई है, परंतु उसकी परिभाषा बदल चुकी है। परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। क्या छोटे वस्त्र संस्कारों का ह्रास हैं, या फिर मानसिकता का परिष्करण? क्या स्त्री का सम्मान उसके पहनावे से तय होना चाहिए, या फिर उसकी बुद्धिमत्ता, शिक्षा और आत्मनिर्भरता अधिक महत्वपूर्ण हैं?
समय की करवटों ने जब फैशन के रेशों को बुना, तब परिधान भी परिवर्तनों की सीढ़ियाँ चढ़ते चले गए। परंतु क्या इस बदलाव ने ₹दामन की प्रतिष्ठा₹ को भी प्रभावित किया है? क्या आधुनिक वस्त्रों ने पारंपरिक गरिमा को बिसरा दिया, या फिर समाज की दृष्टि अब और व्यापक हो चली है? समय के साथ परिधान और समाज की सोच में बदलाव आया है। पहले ₹दामन₹ केवल वस्त्र का टुकड़ा नहीं, बल्कि मयार्दा और संस्कृति का प्रतीक माना जाता था। क्या हम ये कह सकते है कि जैसे-जैसे दामन छोटा हुआ वैसे-वैसे मयार्दा और संस्कृति भी घटती गई।

पारंपरिक दामन: गरिमा का प्रतीक

₹दामन₹ केवल वस्त्र का टुकड़ा नहीं, यह मयार्दा का आँचल, संस्कृति की पहचान और शालीनता की परिधि रहा है। भारतीय नारी के परिधान-साड़ी, घाघरा, अनारकली और दुपट्टा न केवल उसके सौंदर्य को सँवारते थे, बल्कि उसकी गरिमा और मयार्दा का भी पर्याय बने। पहले ₹52 गज के दामन₹ का अर्थ भव्यता, शालीनता और गौरव से लिया जाता था। दामन संभालना मात्र वस्त्रों का सहेजना नहीं, बल्कि अपनी प्रतिष्ठा और चारित्रिक दृढ़ता को बचाए रखना भी था। समाज ने मयार्दा को बाह्य आवरण में समेट दिया, जिससे व्यक्तित्व का आकलन केवल परिधानों से होने लगा।

बदलते परिधान, बदलती परिभाषाएँ

समय अपनी गति से प्रवाहमान रहा और उसके साथ समाज की सोच भी विस्तारित होती चली गई। अब वह समय नहीं, जब गरिमा की परिभाषा केवल कपड़ों की सिलवटों में समेट दी जाती थी। आज महिलाएँ अपने आत्मविश्वास की उड़ान को चुन रही हैं-जींस, टॉप, स्कर्ट, फॉर्मल सूट और इंडो-वेस्टर्न परिधानों के साथ। परिधान अब मात्र देह को ढकने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व और विचारों की अभिव्यक्ति का स्वरूप बन गए हैं। परंपरा और आधुनिकता के ताने-बाने से एक नया फ्यूजन जन्म ले चुका है, जो संस्कृति और स्वतंत्रता के बीच संतुलन स्थापित करता है। गरिमा अब वस्त्रों की परिधि में सीमित नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और व्यवहार में प्रतिबिंबित होती है।

-डॉ उषा किरण

> संस्कृति को आधुनिकता के साथ संतुलित करना आवश्यक है। महिलाओं को अपनी इच्छा से परिधान चुनने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। असली गरिमा पहनावे में नहीं, बल्कि विचारों, कर्मों और आत्म-सम्मान में बसती है। समय की सुइयाँ कभी पीछे नहीं दौड़तीं। परिधान बदल सकते हैं।

क्या आधुनिकता ने दामन की प्रतिष्ठा को धूमिल किया?

यह एक जटिल प्रश्न है, जिसकी गूँज समय और समाज दोनों में सुनी जा सकती है। क्या वस्त्रों का लघु होना संस्कारों का ह्रास है, या फिर मानसिकता का परिष्करण? क्या किसी स्त्री का सम्मान उसके पहनावे तक सीमित रहना चाहिए? क्या उसकी बुद्धिमत्ता, शिक्षा और आत्मनिर्भरता उससे अधिक मूल्यवान नहीं? क्या परिधान की लंबाई उसके विचारों की ऊँचाई से अधिक महत्त्व रखती है? कुछ का मत है कि आधुनिकता ने संस्कृति को धूमिल किया, परंतु अन्य इसे आत्म-अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के रूप में देखते हैं। वास्तविकता यह है कि गरिमा बाह्य आवरण में नहीं, बल्कि आचरण और आत्मसम्मान में होती है।

समाज का नजरिया और स्त्रियों की स्वतंत्रता

अब भी कई स्थानों पर परिधानों को लेकर परंपरा की बेड़ियाँ जकड़ी हुई हैं। ह्लऐसे वस्त्र मत पहनो, लोग क्या कहेंगे?ह्व जैसे शब्द आज भी अनगिनत घरों की दीवारों से टकराते हैं। ₹कपड़ों से संस्कार झलकते हैं!₹ ₹लड़की हो, थोड़ा सभ्य कपड़े पहनो!₹ ₹ऐसे खुले विचार नहीं, यह हमारी संस्कृति नहीं!₹ परंतु क्या परिधान ही संस्कारों की कसौटी है? समाज को इस सोच से आगे बढ़ना होगा कि स्त्रियों की मयार्दा वस्त्रों से नहीं, उनके विचारों से आँकी जानी चाहिए।
समय के प्रवाह में समाज ने अनेक रूप बदले हैं, परंतु स्त्रियों की स्वतंत्रता को लेकर उसकी सोच अब भी दो ध्रुवों में बँटी हुई प्रतीत होती है। एक ओर आधुनिकता की लहर उन्हें आत्मनिर्भर और स्वतंत्र बना रही है, तो दूसरी ओर परंपरा की जड़ें अब भी उनकी उड़ान में अवरोध उत्पन्न करती हैं। सवाल यह उठता है कि क्या स्त्री सचमुच स्वतंत्र हुई है, या यह केवल एक भ्रम है?

संस्कृति और स्वतंत्रता: संतुलन आवश्यक है

दामन की प्रतिष्ठा₹ अब भी बनी हुई है, बस उसकी परिभाषा ने एक नया रूप धारण कर लिया है। परंपरा हमारी जड़ों से जुड़ी होती है, लेकिन जड़ों को मजबूती देने के लिए शाखाओं का फैलना भी जरूरी है। संस्कृति को आधुनिकता के साथ संतुलित करना आवश्यक है। महिलाओं को अपनी इच्छा से परिधान चुनने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। असली गरिमा पहनावे में नहीं, बल्कि विचारों, कर्मों और आत्म-सम्मान में बसती है। समय की सुइयाँ कभी पीछे नहीं दौड़तीं। परिधान बदल सकते हैं, परंतु सम्मान और गरिमा की वास्तविक पहचान व्यक्ति के आचरण और आत्मसम्मान में होती है। ₹दामन की प्रतिष्ठा₹ आज भी जीवंत है, बस उसका अस्तित्व अब कपड़ों की सिलवटों में नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और स्वतंत्रता के विस्तृत आकाश में देखा जाता है।
कई बार जब ₹दामन की प्रतिष्ठा₹ पर चर्चा होती है, तो असल में यह संस्कृति और स्वतंत्रता के बीच संतुलन का मामला होता है। परंपराएँ समाज की जड़ों से जुड़ी होती हैं, लेकिन उनका बदलते समय के साथ ढलना भी जरूरी है।
महिलाओं को यह अधिकार होना चाहिए कि वे जो पहनना चाहें, पहन सकें, बिना किसी सामाजिक दबाव के। गरिमा और मयार्दा पहनावे से ज्यादा व्यक्ति के व्यवहार, सोच और कृत्यों में झलकती है। संस्कृति और आधुनिकता में संतुलन बनाए रखना सबसे अच्छा समाधान है। फैशन और पहनावा बदल सकते हैं, लेकिन सम्मान और गरिमा व्यक्ति की सोच और कर्मों से आती है। दामन की प्रतिष्ठा आज भी बनी हुई है, बस उसकी परिभाषा बदल गई है। यह अब सिर्फ कपड़ों में नहीं, बल्कि व्यक्तित्व और आत्म-सम्मान में दिखती है।
(लेखिका विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग महिला महाविद्यालय रांची हैं।)

लेटर टू एडिटर

स्वदेशी तकनीक

भारतीय स्वदेशी तकनीक की वैश्विक मांग बढ़ रही है। वंदे भारत ट्रेन जैसे उदाहरण ने इसे साबित किया है; इस ट्रेन की मांग कई देशों, जैसे चिली, कनाडा और मलेशिया, में बढ़ी है। इसकी मुख्य वजह भारत में इसका कम मूल्य है–वहीं अन्य देशों में ऐसी ट्रेनें 160 से 180 करोड़ में बिकती हैं, जबकि भारत में ये 120 से 130 करोड़ में उपलब्ध हैं। भारतीय निर्माण की गति भी बेहतर है। यह सब ह्यमेक इन इंडियाह्ण के सपने को साकार कर रहा है।

-अमृतलाल मारू, रांची

जंग नहीं समाधान

इस्राइल ने गाजा और दक्षिणी लेबनान पर बड़े हवाई हमले किए, जिसमें हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाया गया। जिसने ही चल रहे संघर्ष को जन्म दिया। हिजबुल्लाह ने जवाब में उत्तरी इस्राइल में रॉकेट दागे, जिसमें हाइफा जैसे शहर शामिल थे। वैसे जंग किसी भी समस्या का हल नहीं है।

– रोहित शाह, हजारीबाग

X ट्वीट

उत्तम चरित्र ही मनुष्य की सबसे बड़ी पूंजी है, क्योंकि धन संपदा आदि वसुधा के समस्त वैभव नैतिकता, सुसंस्कार एवं अच्छे चरित्र के अभाव में बेकार है।

– स्वामी अवधेशानंद गिरी

आज दुनिया के कई देशों में आर्थिक तंगी के हालात बन चुके हैं, वैश्विक अस्थिरता के कारण विकसित देशों की जीडीपी भी हिचकोले खा रहा है।

वहीं, भारतीय अर्थव्यवस्था सभी चुनौतियों के बाद भी पूरी शक्ति के साथ डटी हुई है। राष्ट्रीय से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक की , मोदी सरकार की दमदार नीतियों और आर्थिक प्रबंधन की तारीफ कर रही हैं।

– भाजपा दिल्ली ईकाई

'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वर्णिम भारत के दिशा-सूत्र' में है 'भविष्य के भारत की सोच '

लोकेन्द्र सिंह

समीक्षा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष की ओर कदम बढ़ा रहा है। ऐसे में संघ को लेकर गहरी रुचि और जिज्ञासा सामान्य लोगों से लेकर बौद्धिक जगत में दिखाई दे रही है। संघ के संबंध में अनेक पुस्तकें उपलब्ध हैं, जिन्हें विद्वानों ने अपने-अपने दृष्टिकोण से लिखा है। इस श्रृंखला में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर की पुस्तक 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वर्णिम भारत के दिशा-सूत्र' ने प्रकाशन जगत और बुद्धिजीवी वर्ग का ध्यान खींचा है। यह पुस्तक अवश्य पढ़ी जानी चाहिए। जब संघ की सृष्टि में रचा-बसा लेखक कुछ लिखता है, तब उसे पढ़कर संघ को ज्यादा बेहतर ढंग से समझा जा सकता है। यह ऐसी पुस्तक है, जो लेखक की प्रत्यक्ष अनुभूति के साथ विकसित हुई है। संघ की यात्रा और विभिन्न मुद्दों पर संघ का दृष्टिकोण बताते हुए सुनील आंबेकर अपनी संघ यात्रा को भी रेखांकित करते हैं। यह प्रयोग संघ को व्यवहारिक ढंग से समझने में हमारी सहायता करता है। मनोगत में स्वयं लेखक सुनील जी लिखते हैं कि यह पुस्तक उनके लिए है जो व्यवहार रूप में संघ को समझना चाहते हैं, उसके माध्यम से जिसने संघ को जिया है। सुनील आंबेकर का लंबा समय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को गढ़ने में भी बीता है। सुनील जी बाल्यकाल से स्वयंसेवक हैं। संघ के साथ उनके संबंध नैसर्गिक रूप से विकसित हुए हैं। नागपुर में उनका घर संघ मुख्यालय के पड़ोस में ही है। उनके घर का द्वार संघ कार्यालय के प्रांगण में ही खुलता था।

पुस्तक के प्रारंभिक अध्यायों में संघ की स्थापना की पृष्ठभूमि पर चर्चा है। संघ की स्थापना के उद्देश्य, उसकी आवश्यकता और उसकी कार्यप्रणाली को ठीक प्रकार से समझना है, तब हमें संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का जीवन चरित्र अवश्य पढ़ना और जानना चाहिए। इस पुस्तक में यह उल्लेख एक से अधिक स्थानों पर आया है। डॉक्टर साहब क्रांतिकारी संगठनों में रहे, कांग्रेस में भी सक्रिय रहे। वे नागपुर में कांग्रेस के प्रमुख नेता थे। डॉक्टर साहब के पास सामाजिक-राजनैतिक क्षेत्र का समृद्ध अनुभव था, उसी में से उनके हृदय में संघ बीज का प्रस्फुटन हुआ। सुनील जी लिखते हैं, "डॉक्टर साहब का मानना था कि भारत की गुलामी का कारण केवल विदेशी ताकतें नहीं हैं, जिन्होंने आक्रमण किए अपितु आंतरिक कलह और मतभेद भी इसके कारण रहे हैं। एक ऐसे स्थान की आवश्यकता थी, जहां सब बड़े-छोटे या अन्य लोग किसी भी प्रकार के भेदभाव को भूलकर संवाद कर सकें। इसी विचार ने आगे चलकर शाखा की संकल्पना को जन्म दिया।" समर्थ गुरु रामदास और छत्रपति शिवाजी महाराज के चरित्र से समाज को संगठित करने का पाठ सीखकर डॉक्टर हेडगेवार ने एक ऐसे संगठन का निर्माण किया, जो व्यक्ति केंद्रित नहीं अपितु तत्व उसके मूल में है।

'संघ की मूल अवधारणाएं' बताते हुए लेखक सुनील जी लिखते हैं, "जिन मूल केंद्रीय अवधारणाओं से संघ के विचार का जन्म हुआ, ये हैं- राष्ट्रीयता, एकात्मता और सामूहिकता।' वे आगे लिखते हैं, "संघ के साथ जितना मेरा अनुभव रहा है, मुझे लगता है कि यह सामंजस्य, विश्वास एवं पारस्परिक आदर का भाव स्थापित करनेवाली और एकत्व स्थापित करनेवाली एक शक्ति है।" पुस्तक में अन्य स्थानों पर भी संघ की मूल अवधारणाओं की व्याख्या की गई है, उन्हें अलग-अलग ढंग से समझाने का प्रयास किया गया है। संघ के बारे में एक बात सबको समझनी चाहिए कि यह कोई जड़ संगठन नहीं है। समाज के साथ बहनेवाला जीवंत संगठन है, जो देश-काल-परिस्थिति के अनुसार समाज हित में अपने दृष्टिकोण को विस्तार देता है। लेकिन संघ की मूल अवधारणाएं स्थायी हैं, उनमें परिवर्तन स्वीकार्य नहीं है। जैसे-राष्ट्रीयता को लेकर संघ का स्पष्ट मत है कि यह देश 'हिन्दूराष्ट्र' है, संघ इसी अवधारणा के साथ जन्मा और उसी को लेकर आजतक चल रहा है। इस संबंध में पूर्व सरसंघचालक बालासाहब देवरस को उल्लेखित करते हुए वर्तमान सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी कहते हैं, "जब हमसे पूछा जाता है कि यह कैसे हुआ, वह कैसे हुआ? हमने पहले वैसा कहा था, अब ऐसा क्यों कह रहे हैं? इस प्रकार के प्रश्नों का उत्तर देते हुए बालासाहब ने कहा था कि देखो भाई, हिन्दुस्थान हिन्दूराष्ट्र है, इस एक बात को छोड़कर बाकी सब बदल सकता है, क्योंकि हिन्दुस्थान हिन्दूराष्ट्र है यह किसी के दिमाग की उपजी हुई बात नहीं है। श्री आंबेकर पुस्तक में एक स्थान पर लिखते हैं कि संघ का विचार स्पष्ट और सरल है बेशक कई विद्वानों ने संघ पर कई गहन एवं जटिल ग्रंथ लिखे हैं किंतु केंद्रीय अथवा मूल विचार एक ही है-अच्छे बनो और उस अच्छाई को दूसरों की भलाई के कार्य करते हुए समाज में प्रकट करो।'

अपनी भावनाएं व्यक्त करना क्यों जरूरी है?

फलक फातिमा

समाज

आज के दौर में हम शारीरिक स्वास्थ्य को तो प्राथमिकता देते हैं, लेकिन मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी कर देते हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि हम भावनात्मक तनाव को गंभीरता से क्यों नहीं लेते? जब तक कोई बड़ी समस्या न हो, तब तक हम इसे नजरअंदाज करते रहते हैं। लेकिन मानसिक स्वास्थ्य का ख़्याल रखना उतना ही जरूरी है जितना शारीरिक स्वास्थ्य का। मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति ही अपने जीवन में संतुलन बना सकता है, बेहतर निर्णय ले सकता है और खुशहाल जीवन जी सकता है।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए प्रभावी कदम

अपनी भावनाओं को समझें और स्वीकार करें झ हर भावना का एक कारण होता है। अगर आप गुस्सा, दुःख, या चिंता महसूस कर रहे हैं, तो इसे नकारने की बजाय इसे समझने की कोशिश करें।

दुख का न दबाये: कई बार हम अपने दुख और तकलीफ को अपने भीतर दबा लेते हैं, जिससे वह अंदर ही अंदर बढ़ता जाता है। किसी भरोसेमंद व्यक्ति से अपनी भावनाएँ साझा करें–चाहे वह परिवार का सदस्य हो, दोस्त हो या मनोवैज्ञानिक। जब हम अपनी भावनाओं को शब्दों में ढालते हैं, तो मन हल्का महसूस करता है और समस्याओं के समाधान की दिशा में बढ़ सकते हैं।

स्वस्थ जीवनशैली अपनाएँ झ शारीरिक गतिविधियाँ, अच्छा खान-पान और पर्याप्त नींद मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। नियमित व्यायाम तनाव को कम करता है और सकारात्मकता को बढ़ाता है।

सकारात्मक सोच विकसित करें झ नकारात्मक विचारों में फँसने की बजाय, हर परिस्थिति में सकारात्मक पहलू खोजने की कोशिश करें। यह बदलाव धीरे-धीरे आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद करेगा।

मनोरंजन और आत्म-देखभाल को समय दें झ अपनी पसंद के अनुसार कोई हॉबी अपनाएँ, जैसे कि किताबें पढ़ना, संगीत सुनना, पेंटिंग करना या प्रकृति के साथ समय बिताना। यह मानसिक शांति और संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

मदद माँगने से न हिचकें: अगर आपको लगता है कि आपका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है और आप खुद से ठीक महसूस नहीं कर पा रहे हैं, तो मनोवैज्ञानिक या काउंसलर से परामर्श लें।

अपनी भावनाएँ व्यक्त करना क्यों जरूरी है?: कई लोग यह मानते हैं कि अपनी भावनाएँ जाहिर करना कमजोरी की निशानी है, जबकि सच्चाई इसके बिल्कुल विपरीत है। जब हम अपनी भावनाओं को दबाते हैं, तो वे हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने लगती हैं। लगातार तनाव, चिंता और अवसाद का कारण बन सकती हैं। भावनाएँ व्यक्त करने से मन हल्का होता है, समस्याओं को सुलझाने में मदद मिलती है और हमारे रिश्ते भी मजबूत होते हैं।

निष्कर्ष मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना कोई विलासिता नहीं, बल्कि जीवन की जरूरत है। जब हम अपनी भावनाओं को समझते हैं, व्यक्त करते हैं और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए प्रयास करते हैं, तो न केवल हम बेहतर महसूस करते हैं, बल्कि हमारे आसपास का माहौल भी सकारात्मक बनता है। याद रखें, मानसिक स्वास्थ्य भी स्वास्थ्य है! (यूनिसेफ झारखंड से जुड़ी है और बच्चों के सामाजिक विकास सहित विभिन्न मुद्दों पर सक्रिय हैं।)

उटी एक रमणीक पर्यटक स्थल की मशहूर ट्रेन

कार्टून वर्ल्ड

स्पीड न्यूज

आजसू के स्थापना दिवस शामिल हुए मांडू विस के सैकेड़ों कार्यकर्ता

कुजू। हरिवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम खेलगांव रांची में आजसू पार्टी का स्थापना दिवस में भाग लेने के लिए मांडू विधानसभा क्षेत्र से सैंकड़ों वाहन में कार्यकर्ता रवाना हुए। इस दौरान मांडू विधायक तिवारी महतो के नेतृत्व में कार्यकर्ता नयामोड़ फोरलेन चौराहा में एकत्रित हुए। साथ ही नारेबाजी करते हुए कार्यक्रम में भाग लेने के लिए रवाना हुए। मौके पर वक्ताओं ने कहा कि झारखंड के शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए पार्टी के स्थापना बलिदान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। साथ ही कहा कि आजसू पार्टी झारखंड के नवनिर्माण के संकल्पों के साथ आगे बढ़ रहा है। रवाना होने वालों में मांडू विधायक तिवारी महतो, नरेश महतो, तेजनाथ महतो तेजू, लालचंद महतो, राम भजन लाल महतो,परमेश्वर महतो, जय किशोर महतो, तपेश्वर महतो, महेश ठाकुर, नितेश गुप्ता, विकास पटेल, मुकेश महतो, राजेन्द्र महतो, अक्षय चौधरी, अनिल बेदिया, सहदेव मांझी, ज्ञानी महतो, पप्पू महतो, कोलेश्वर महतो, रमेश चौधरी सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता शामिल थे।

सर्वोदय निकेतन में मना योग दिवस

कुजू। शिवपुरी कॉलोनी स्थित सर्वोदय निकेतन सीनियर सेकंडरी विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक दिवसीय योग शिविर का आयोजन हुआ। जिसमें विद्यालय के बच्चों और शिक्षक शिक्षिकाओं ने भाग लिया। प्राचार्य सूर्यनाथ यादव ने कहा कि योग से शरीर को स्वस्थ, मन को शांत और निरोगी काया बनाए रखने में मदद मिलती है। उपस्थित सभी जनों को योग का प्रशिक्षण शिक्षिका रजनी कुमारी और गजाला परवीन ने दिया।

बिजली की कटौती से लोग परेशान

रामगढ़। रामगढ़, हजारीबाग और कोडरमा में डीवीसी के लगातार बिजली की कटौती से लोग परेशान हैं। यह बात रविवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अरूण कुमार सिन्हा ने कही। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार डीवीसी से बिजली खरीदकर राज्य में सप्लाई करती है। लेकिन डीवीसी द्वारा लगातार विद्युत की कटौती किये जाने से रामगढ़, हजारीबाग और कोडरमा के लोगों को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि डीवीसी से जहां पर डायरेक्ट बिजली की सप्लाई होती है वहां बिजली कभी नही कटती लेकिन राज्य सरकार डीवीसी से बिजली खरीदकर झारखंड बिजली बोर्ड के माध्यम से लोगों के बीच जो विद्युत सप्लाई करती है उसमें डीवीसी द्वारा लगातार व्यवधान उत्पन्न किया जा रहा है। श्री सिन्हा ने बताया कि रविवार को सुबह 6:30 से 10:30 बजे तक विद्युत आपूर्ति रूकी रही। इसके बाद 10:50 से 11:50 और 12:00 बजे से 4:00 बजे तक विद्युत आपूर्ति में डीवीसी ने कटौती की। अरूण कुमार सिन्हा ने कहा कि पहले विद्युत काटे जाने पर डीवीसी द्वारा कहा जाता था कि राज्य बकाया राशि नही दे रहा। लेकिन अब तो समय पर राज्य सरकार भुगतान कर रही है। इसके बावजूद भी डीवीसी विद्युत कटौती कर राज्य सरकार की छवि को धूमिल कर रहा है।

श्रम नियोजन मंत्री से मिले संतोष यादव

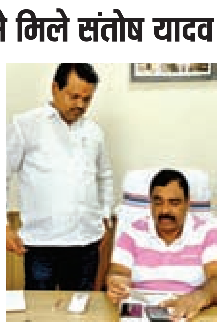

भुरकुंडा (रामगढ़)। राजद के प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष यादव ने रविवार को श्रम नियोजन, प्रशिक्षण, कौशल विकास एवं उद्योग विभाग के मंत्री संजय प्रसाद यादव से रांची आवासीय कार्यालय में मुलाकात की। संतोष यादव ने बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र की जनसमस्याओं से मंत्री को अवगत कराया। उन्होंने विस्थापन, बेरोजगारी, आउटसोर्सिंग कंपनियों में मजदूरों के शोषण जैसी ज्वलंत समस्याओं को प्रमुखता से उठाया और इनके समाधान हेतु ठोस पहल की मांग की। मंत्री संजय प्रसाद यादव ने इन सभी मुद्दों पर गंभीरता से विचार करते हुए जल्द ही सकारात्मक कार्रवाई करने का भरोसा दिया। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जनहित के मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

खुली खदान के खिलाफ आंदोलन कल

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा कोलियरी विस्थापित प्रभावित रोड सेल समिति ने 24 जून को बलकुदरा खुली खदान के खिलाफ आंदोलन को लेकर बैठक की। बैठक में बलकुदरा, कुरसे, देवरिया और दुंदुवा के विस्थापितों ने स्थानीय सीसीएल प्रबंधन और बरका-सयाल क्षेत्र के महाप्रबंधक पर आरोप लगाया है कि विस्थापितों के साथ छल और विश्वासघात किया जा रहा है, जिसे अब किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कहा गया कि पूर्व में सीसीएल प्रबंधन के सुझाव पर सभी प्रभावित गांवों के प्रतिनिधियों ने एक मंच पर आकर लिखित समझौता किया था और यह भरोसा दिया गया था कि यदि भविष्य में और भी विस्थापित या क्षेत्रीय बेरोजगार आगे आते हैं, तो उन्हें भी सेल समिति में जोड़ा जाएगा। लेकिन अब कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा सेल को भंग करने और फर्जी विस्थापितों को शामिल करने की कोशिश की जा रही है। समिति ने कहा कि 17 जून को पीओ कार्यालय को 24 जून को अनिश्चितकालीन बंदी की लिखित सूचना दी थी। बैठक में झरी मुंडा, संजय सोरेन, अभिजीत सोरेन, राणा प्रताप सिंह, रामदास बेदिया, राजेन्द्र मुंडा, प्रेम मुंडा, अनिल एक्का, आजाद अंसारी, राजाराम प्रसाद, कैलाश प्रसाद, संजय मिश्रा सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

बाड़म बाजार में दिनदहाड़े फायरिंग

अपराधी उत्तम यादव ने हजारीबाग के कारोबारियों को दी धमकी, मुझसे सेटिंग किए बिना काम मत करो

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। बाड़म बाजार की सड़कों पर दिनदहाड़े गोलियां चलीं तो हजारीबाग थर्रा उठा। एक वीडियो ने पूरे झारखंड की कानून-व्यवस्था को खुली चुनौती दे दी। हजारीबाग के प्रतिष्ठित श्री ज्वेलर्स के सामने रविवार को बाइक सवार अज्ञात अपराधियों ने पांच राउंड ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी और फरार हो गया। यह वारदात जितनी तेज थी, उससे कहीं ज्यादा खौफनाक था इसका इशारा, एक वायरल इंस्टा वीडियो जिसमें हथियार लहराता बिहार का इनामी अपराधी उत्तम यादव खुद इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि मुझसे मैनेज कर लो, वरना लाशें उठाओगे। इस वीडियो में उत्तम यादव ने हजारीबाग के कारोबारियों को सीधी धमकी दी कि कोयला हो, बालू हो या जमीन का कारोबार, बिना मुझसे सेटिंग किए बिना काम मत करो। नहीं तो अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहो। वीडियो में हथियारों का प्रदर्शन और धमकीभरा लहजा किसी गैंगस्टर फिल्म से कम नहीं था, लेकिन यह हकीकत थी हजारीबाग की, झारखंड की, और कानून को दिया गया खुला चैलेंज। बिहार पुलिस ने इस कुख्यात अपराधी पर 50,000 रुपये का इनाम घोषित कर रखा है। हत्या, लूट, वसूली जैसे संगीन मामलों में लिप्त उत्तम का आतंक चतरा, गया और अब हजारीबाग तक फैल चुका है। हजारीबाग पुलिस ने मामले को रंगदारी और आपराधिक धमकी से जोड़कर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, क्या पुलिस इस डिजिटल बदमाश को पकड़ पाएगी या हजारीबाग के लोगो को शांति से जीने देगी।

बिहार के कुख्यात अपराधी उत्तम यादव की सीसीटीवी में कैद हुयी तस्वीर

विधायक के बावजूद भी मेरे घर में टपकता पानी : जयराम

▸▸ हमें भीख नहीं, घर में एक रोजगार चाहिए : विधायक

खबर मन्त्र संवाददाता

बड़कागांव। जिस उम्मीद से पूर्वजों ने अपना खून पसीना बहाकर झारखंड अलग किया । उनका सपना आज अधूरा है। हमें भीख नहीं, घर में एक रोजगार चाहिए, 2500 नहीं बल्कि 25000 चाहिए । उक्त बातें जीडीएम बालिका उच्च विद्यालय में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के बैनर बैनर के आयोजित सदस्यता ग्रहण समारोह में संबोधन में जेएलकेएम केंद्रीय अध्यक्ष सह विधायक टाइगर जयराम महतो ने कहा। उन्होंने कहा कि बड़कागांव आने वाले दिनों में कल कारखाने का गांव होगा लेकिन दुर्भाग्य है कि यहां आरक्षण नीति लागू नहीं, स्थानीय लोगों के साथ राज्य सरकार बेईमानी कर रही है। हम अपने ही राज्य में अपने अधिकार के लिए संघर्ष कर रहे हैं, समस्या का समाधान धर्म में नहीं बल्कि कानून में है । मैं दिन-रात अध्ययन के बाद सदन में समस्या को रखने का काम करता हूं जनता के मुद्दों से जुड़कर चलें आगे का रास्ता आसान होगा । क्योंकि बेहतर झारखंड के लिए बेहतर लीडर चाहिए। उन्होंने कहा कि विधायक होने के बाद भी हमारे घर में आज भी पानी टपकता है । कार्यक्रम की अध्यक्षता मिथिलेश कुमार व संचालन ईश्वर दयाल महतो ने किया । कार्यक्रम की शुरूआत नए सदस्यों का शपथ ग्रहण करके कराया गया। जयराम बड़कागांव में कई दिनों से चल रहे कटअक डेट को लेकर युवा बेरोजगार संघर्ष मोर्चा के आंदोलनकारी से भेंट कर उनकी समस्या से अवगत हुए साथ ही साथ बीते दो वर्षों के अधिक से जारी कंपनियों के विरुद्ध गोण्डलपुरा गांव में चल रहे धरना के साथियों से भी भेंट कर उनकी समस्याओं से अवगत हुए। मौके पर अल्पसंख्यक मोर्चा केंद्रीय अध्यक्ष मोहम्मद आजाद हुसैन राकेश कुमार महतो , मिथिलेश कुमार, जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा सुनीता साहू, जिला उपाध्यक्ष दिलेश्वर महतो, जिला सचिव जानिसार आलम, प्रखंड अध्यक्ष अशोक कुमार महतो, उदय मेहता, राजेंद्र बेड़िया, संजय महतो, सबुर महतो, सुरेश कुमार दांगी, आशीष कुमार महतो, प्रमोद प्रधान, गौतम कुमार समेत हजारों लोग मौजूद थे।

मां विंध्यवासिनी कॉलेज ने नशा के खिलाफ चलाया अभियान

टाटीझरिया । मां विंध्यवासिनी इंटर डिग्री कॉलेज झरपो टटगांव मोड़ से नशामुक्ति जागरूकता अभियान रविवार को निर्देशक सह प्रिंसिपल राज कुमार दास शिक्षक रोहित कुमार के नेतृत्व में चलाया गया। यशोदा, मधु, संध्या, काजल,नीतू,पूजा,सानिया, रंगीला, रिया, मनीषा ,कारण, रवि,गंगा ने नशामुक्ति जागरूकता अभियान के तहत नशा छोड़ो ,जीवन जोड़ो । ना घृणा ना तिरस्कार ,नशे की लत छोड़ने के लिए चाहिए । सही देख भाल और प्यार नारे लगाते हुए नाटक चौराहे पर किया। नाटक में छात्रों ने महाविद्यालय परिसर मां विंध्यवासिनी इंटर डिग्री कॉलेज झरपो टटगांव मोड़ से लेकर झरपो पंचायत भवन तक चलाया ओर लोगों से नशा नहीं करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में मुखिया शिबू प्रसाद सोनी, उप प्रमुख रवि वर्णवाल,उपमुखिया राजेंद्र प्रसाद उर्फ राजा,ऋषिकांत कुमार,बद्री भुइंया,संदीप पांडेय समेत कई कई लोग मौजूद थे।

सेवा मंच ने गरीबों को कराया भोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। राष्ट्रीय सेवा मंच ने प्रत्येक सप्ताह की भांति इस रविवार को भी साप्ताहिक हाट भुरकुंडा में दुर-दराज ग्रामीण क्षेत्रो से दातुन-पत्तल बेचने आने वाले गरीबों को भोजन कराया। अध्यक्ष डब्लू सिंह ने गरीब महिला-पुरूष व बच्चों के बीच भोजन का वितरण करते हुए कहा कि गरीबों की सेवा सबसे बड़ा पूण्य कार्य है। ऐसे नेक कार्यों में सबों को तन-मन-धन से सहयोग करना चाहिए। उन्होंने बताया कि जन सहयोग के माध्यम से पिछले 9 वर्षो से मंच द्वारा गरीबो को भोजन कराया जाता रहा है, जो आगे भी जारी रहेगा। अध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि गरीबों की सेवा ही मंच उद्देश्य है। सबों के सहयोग से उक्त कार्यक्रम निरंतर जारी रहेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह, उमाशंकर जायसवाल, उदयभान दुबे, रिंकु वर्णवाल, कारू यादव, शिवकुमार यादव, रंजीत यादव, लालू उरांव, लखन राम, शुक्ला करमाली, मो. शाहिद आदि का विशेष योगदान रहा।

अंबा प्रसाद ने स्वस्थ जीवन का दिया संदेश

भुरकुंडा (रामगढ़)। कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी। पूर्व विधायक ने स्वस्थ जीवन, श्रेष्ठ जीवन का संदेश दिया। पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने योग दिवस के अवसर पर अपने साथी रेणुका सिंह के साथ नियमित योग अभ्यास के पल साझा करते हुए समस्त देशवासियों को अपने दिन की शुरूआत योग से करने के लिए प्रेरित की है। अंबा प्रसाद ने कहा कि योग हमें अनुशासन, संतुलन और एकाग्रता से सिखाता है जो जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की कुंजी है। योग हमें न केवल शारीरिक रूप से सशक्त बनाता है बल्कि मानसिक शांति और असीम सकारात्मक ऊर्जा में प्रदान करता है।

ए ला एंगलाइज विद्यालय में योग दिवस पर कई प्रतियोगिता

भुरकुंडा। ए ला एंगलाइज विद्यालय भुरकुंडा में शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। विद्यालय परिसर में कई प्रतियोगिता और योग का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों, शिक्षकों एवं सूर्या फाउंडेशन के प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी रही। प्रधानाचार्य विजयंत कुमार ने योग को न केवल व्यायाम, बल्कि जीवन जीने की कला बताते हुए इसके मानसिक एवं शारीरिक लाभों पर प्रकाश डाला। इसके बाद प्रशिक्षित योग गुरुओं के निर्देशन में विद्यार्थियों ने ताड़ासन, वज्रासन, भुजंगासन, अनुलोम- विलोम और कपालभाति जैसे योगासनों का अभ्यास किया। योग के बाद आयोजित क्विज प्रतियोगिता का विषय योग का इतिहास और महत्व था, जिसमें छात्रों ने शानदार ज्ञान का प्रदर्शन किया। चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने योग, स्वास्थ्य और प्रकृति विषयों पर सुंदर चित्र बनाकर अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में योग एक प्राचीन भारतीय धरोहर जैसे विषयों पर छात्रों ने गहन विचार प्रस्तुत किए।

टाटा में चित्रांश समाज की बैठक 29 जून को

जिला अध्यक्ष अरूण कुमार सिन्हा से मिले अभाकाम के प्रदेश अध्यक्ष डॉ सीबी सहाय, संगठन को मजबूत बनाने पर की चर्चा

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ सीबी सहाय रविवार को महासभा के जिलाध्यक्ष अरूण कुमार सिन्हा के गोला रोड सिन्हा मार्केट स्थित आवासीय कार्यालय पहुंचे। उनके साथ महामंत्री सुशील कुमार लाल, युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार सिन्हा और सचिव विनय सिन्हा शामिल थे। प्रदेश अध्यक्ष ने जिलाध्यक्ष के आवासीय कार्यालय में उनके साथ बैठक कर संगठन को मजबूत बनाने के संबंध में चर्चा किया। बैठक में जिलाध्यक्ष अरूण सिन्हा ने प्रदेश अध्यक्ष डॉ सी बी सहाय से कहा कि वर्तमान समय में चित्रांश समाज के लोगों द्वारा अलग अलग संगठन बनाकर कार्य किया जा रहा है। कहा कि समाज के लोगों द्वारा अलग अलग संगठन बनाकर कार्य करने से संगठन और समाज दोनो को इसका नुकसान हो रहा है। इसलिए सभी चित्रांशों को एकजुट कर एक संगठन के साथ उन्हें जोड़ने की जरूरत है। कहा कि यदि समाज एकजुट होगा तो समाज की मांगों को कोई भी नजरअंदाज नही कर सकेगा। इसलिए जिलाध्यक्ष ने प्रदेश अध्यक्ष से राज्य के सभी चित्रांशों को एकजुट करने की मांग की। साथ ही जिलाध्यक्ष ने कहा कि कभी भारत की राजनीति में चित्रांश समाज की तूती बोलती थी लेकिन वर्तमान में अलग अलग संगठनों में बंटे होने के कारण हमारे समाज का राजनीति में वह प्रभाव नही रहा जो पूर्व में हुआ करता था। कहा कि एक समय डॉ राजेंद्र प्रसाद, के बी सहाय, लाल बहादुर शास्त्री जैसे कद्दावर नेता हमारे समाज से हुआ करते थे जिन्होंने देश और समाज को नई दिशा दी। लेकिन राजनीति में पहले वाला वह रूतबा अब हमारे समाज का नही दिखता। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 29 जून को चित्रांश समाज की बैठक टाटा में आयोजित हो रही है। उस बैठक में मेरा प्रयास होगा कि सभी चित्रांश समाज एकजुट हों। ताकि हमारी मांग मजबूती के साथ रखी जा सके। इसके अलावा प्रदेश अध्यक्ष ने जिलाध्यक्ष के साथ बैठक में संगठन को जिला में मजबूत बनाने एवं संगठन से युवाओं को जोड़ने की बात कही। जिसपर जिलाध्यक्ष ने कहा कि हम जिले में संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहे हैं। साथ ही संगठन से युवाओं को जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। मौके पर राष्ट्रीय सचिव अमित कुमार सिन्हा, रामगढ़ मंडल अध्यक्ष दीपक कुमार सिन्हा, महामंत्री डॉ रोहित कुमार वर्मा आदि

एक नजर में

डीसी ने खाद्य निगम के गोदाम का किया निरीक्षण

कटकमसांडी। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने रविवार को कटकमसांडी प्रखंड स्थित राज्य खाद्य निगम के गोदाम का किया निरीक्षण। उन्होंने खाद्यान्न के भंडारण, वितरण, रख-रखाव एवं सुरक्षा व्यवस्था की निरीक्षण किया। खाद्यान्न के सुरक्षित रख रखाव के प्रयोग में लाए जाने वाले रसायन एवं खाद्यान्न के स्टॉक के लिए संधारित किए जाने वाले रजिस्टर के अद्यतन न होने पर उपायुक्त ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने इस लापरवाही पर उपस्थित एमओ और एजीएम को शोकॉज करते हुए अगले 24 घंटे के अंदर खाद्यान्न के रखरखाव,रसायन (कीट नाशक) की उपलब्धता, पंजी का संधारण,गोदाम में स्टॉक रजिस्टर, इनवेंट्री विवरण, गुणवत्ता मानकों, फायर फाइटिंग सिस्टम (आग बुझाने का यंत्र) तथा स्वच्छता व्यवस्था में सुधार लाने की सख्त चेतावनी दी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गोदाम में खाद्यान्न की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए एवं वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बरती जाए। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि सभी प्रक्रियाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप होनी चाहिए, ताकि अंत्योदय और प्राथमिकता श्रेणी के लाभुकों तक समय पर उचित मात्रा में खाद्यान्न पहुंच सके। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि यदि कहीं भी अनियमितता पाई जाती है, तो उस पर त्वरित विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिला आपूर्ति पदाधिकारी सुधीर कुमार मौजूद थे।

झरपो में चला नशा मुक्ति जागरूकता अभियान

टाटीझरिया । झरपो पंचायत भवन परिसर में रविवार को नशा मुक्ति जागरूकता अभियान सम्राट संस्था द्वारा नुक्कड़ नाटक टीम के सदस्यों में कलाकार अमिताभ श्री वास्तव,मनोज कुमार, सनाया, अगस्त्या,हेमंत कुमार बादल कुमार के माध्यम से चलाया गया उन्होंने स्वास्थ्य में नुकसान के बारे में भी बताया। मुखिया सह 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष शिबू प्रसाद सोनी ने क्षेत्र के संपूर्ण वासियों से आग्रह किया कि गुटखा सिगरेट तंबाकू अंग्रेजी शराब देशी शराब,गांजा , भांग जैसे अन्य नशीले पदार्थों का सेवन से परहेज करे। कार्यक्रम में बद्री भुइंया, महेश अग्रवाल,ऋषिकांत कुमार,संदीप पांडेय,राजेश,मनोज,किशोर, दीपक समेत अन्य कई लोग मौजूद थे।

बरही नगर भवन में आम उत्सव व बागवानी मेला

बरही। नगर भवन में शनिवार को आम उत्सव सह बागवानी मेला का आयोजन किया गया। आम फल की विभिन्न प्रजातियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों व लाभुकों को आम बागवानी योजना की जानकारी दी गयी। साथ ही योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया गया। जिला परिषद उपाध्यक्ष संघ के प्रदेश अध्यक्ष किशुन यादव ने कार्यक्रम का सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम आम बागवानी को बढ़ावा देने, किसानों को सम्मानित करने व स्थानीय किसानों को सीधे जोड़ने के उद्देश्य से किया गया। इससे किसानों को आर्थिक अवसर और योजना का प्रचार दोनों लाभ हुए। कार्यकम में बीडीओ जयपाल महतो, सीओ अमित किस्कू, प्रखंड प्रमुख मनोज रजक, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, जिप सदस्य प्रीति कुमारी, मुखिया नारायण यादव, मुखिया मोतीलाल चौधरी, सकलदेव यादव, राजन ओम, हरेंद्र गोप, खिरोधर यादव जिप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता आदि शामिल हुए।

आंगनबाड़ी केंद्रों में लगा पंजीकरण शिविर

बरही। प्रखंड परिसर में शनिवार को आंगनबाड़ी केंद्रों का एक दिवसीय जागरूकता सह एफएसएसएआई पंजीकरण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 90 से अधिक आंगनबाड़ी केंद्रों को एफएसएसएआई पंजीकरण निर्गत किया गया। साथ ही आंगनबाड़ी सेविका को व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ-साथ परिसर की साफ-सफाई और सामानों के उचित रख-रखाव की जानकारी दी गई, ताकि फूड प्वाइजनिंग के मामलों को खत्म किया जा सके। बरही एसडीओ जोहन टुडू और प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो के निदेर्शानुसार आंगनबाड़ी लाइसेंस और खाद्य सुरक्षा से संबंधित जानकारी दी गई। मौके पर खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी प्रकाश चंद्र गुग्गी, महिला पर्यवेक्षिका, डीईओ विकास शर्मा, सूरज कुमार, प्रशांत कुमार, रंजीत कुमार समेत अन्य मौजूद थे।

बच्ची से छेड़खानी का प्रयास, आरोपी गिरफ्तार

दारु। दिगवार पंचायत के रचंगा गावँ की छात्रा कॉलेज से घर जारी रही छात्रा के साथ छेड़खानी मामला सामने आया है। चरही थाना क्षेत्र अंतर्गत हरहद गांव के निवासी सोमनाथ महतो को दारु पुलिस ने जेल भेज दिया। पीड़िता ने दारु थाना में एक लिखित आवेदन दी थी। आवेदन में कहा है कि शुक्रवार के शाम को 6 बजे वह कॉलेज से अपने घर लौट रही थी। इसी क्रम में हरहद निवासी सोमनाथ महतो ने कहा कि कहां जा रही हो बालिका ने अपना गावँ का नाम बताई तो उन्होंने कहा कि चलो घर तक छोड़ दूंगा। बालिका ने उस पर भरोसा करके उसके बाइक पर बैठ गई जब वह जंगल के पास पहुंचा तो बाइक को रोककर उसके साथ छेड़खानी करने का प्रयास करने लगा जब वह उसका विरोध की तो उसके साथ मार पीट किया, कपड़ा फाड़ दिया , मोबाइल और पैसा छीन लिया .साथ ही उसका फोटो व वीडिओ बना लिया। इसके बाद वह इसे पुनः अपने बाइक पर बैठा कर ले जाने लगा तो बालिका बाइक से कूद कर हल्ला करने लगी उसकी हल्ला सुनकर कुछ लोग आए और लोगों ने आरोपी को पकड़ कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस सूचना पाकर घटना स्थल पर पहुचकर आरोपी को अपने कब्जे में लेकर जेल भेज दिया।

लाखों के मादक पदार्थ के साथ एक गिरफ्तार

बरही। पुलिस ने रसोइया धमना निवासी बुधन साव के पुत्र राजकुमार प्रसाद के घर से लाखों रुपये के अफीम व गांजा के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में एसडीपीओ अजीत कुमार विमल ने बताया कि 21 जून की शाम गुप्त सूचना मिली थी कि रसोइया राजकुमार प्रसाद के पुत्र रूपेश साव के घर में मादक पदार्थ रखा हुआ है। एसडीपीओ अजीत कुमार विमल के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर छापेमारी की गई जिसमें राजकुमार प्रसाद के घर से 1 किलो 9 ग्राम अफीम, 5.136 किलोग्राम गांजा व एक सफेद रंग का इलेक्ट्रॉनिक तराजू जब्त किया। छापेमारी में एसडीपीओ अजीत विमल, थाना प्रभारी आभास कुमार, अवर निरीक्षक दीपक कुमार, अवर निरीक्षक कपिल दीपक नाग, अवर निरीक्षक सौरभ कुमार व सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

पहली बारिश में लखना के सड़क कीचड़ में तब्दील

बरही। लखना गांव से बडका लखना टोला जाने वाला रास्ता पहले बारिश में कीचड़ में तब्दील हो गया, जिससे लोगों को आने जाने में काफी परेशानी हो रही है। सड़क और नाली नहीं होने से घर के आस-पास जल जमाव हो जाता हैं। सड़क पर कीचड़ रहने से स्कूली छात्र-छात्राएं खाली पैर ही स्कूल जाते हैं जिससे उनका ड्रेस भी गंदा हो जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत चुनाव के समय प्रत्याशियों ने गांव में बड़ा बड़ा पोस्टर लगाकर व पंपलेट बांटकर तरह तरह के विकास का सब्जबाग दिखा कर वोट लेते परंतु चुनाव जीतने के बाद कोई भी जनप्रतिनिधि ग्रामीणों का समस्या को जानने नहीं आते हैं। रामू यादव ,अशोक गिरि, संजय गिरि, संतोष गिरि ,मुकेश गिरि, कैलाश यादव ,बिनोद यादव, मंटू यादव ,अरुण गिरि ,बिनोद गिरि, मनोज गिरि ,बीरेंद्र यादव ,सुमनी देवी ने बताया कि रोड को को लेकर हमलोगों ने कई बार पंचायत प्रतिनिधियों को अवगत कराया, परंतु फंड नहीं रहने का बहाना बना टालमटोल करते रहे हैं।

झारखंड में नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई

सत्येन्द्र सिंह की स्पेशल रिपोर्ट

मानसून में नक्सलियों के साथ-साथ कई और भी खतरे

झारखंड में नक्सलियों के खिलाफ पुलिस और केंद्रीय बल का अभियान लगातार जारी है, आए दिन एनकाउंटर हो रहे हैं जिसमें इनामी नक्सलियों के साथ साथ उनके कैडर भी मारे जा रहे हैं। लेकिन आने वाले दिन में बरसात का मौसम नक्सल अभियान में बड़ी समस्या बन सकता है।इसी साल 5 मई को सारंडा में ही वज्रपात की वजह से सीआरपीएफ 26 बटालियन के सेकंड इन कमान प्रबो सिंह शहीद हो गए थे जबकि अन्य तीन जवान घायल हुए थे। बता दें कि सारंडा में न केवल वज्रपात बल्कि सांप, बिच्छु और मच्छर भी सुरक्षा बलों के लिए बड़ा खतरा है। सारंडा में अभियान के दौरान पूर्व में सांप के काटने और मलेरिया की वजह से कई जवान अपनी जान गवा बैठे हैं। ऐसे में बरसात आने वाले दिनों में एक बड़ी समस्या बनने वाली है।

झारखंड में नक्सल प्रभाव अब सिर्फ पांच जिलों तक सीमित

झारखंड में नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गयी है। सुरक्षा बलों को चाईबासा से लेकर लातेहार और बोकारो तक नक्सलियों के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। पिछले पांच महीनों के दौरान, सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस की संयुक्त टीम ने अलग-अलग मुठभेड़ में 17 नक्सलियों और उग्रवादियों को मार गिराया है। मारे गए नक्सलियों में एक करोड़ का एक, 25 लाख का एक, 15 लाख का एक और 10 लाख के दो इनामी नक्सली शामिल थे। बता दें कि पिछले पांच सालों में झारखंड पुलिस को इस साल सबसे बड़ी सफलता मिली है।

साल 2020 के बाद 2025 में मारे गये सबसे अधिक नक्सली

झारखंड में साल 2020 के बाद साल 2025 में सबसे अधिक नक्सली मारे गए हैं। आंकड़ों के अनुसार, साल 2020 में 18 नक्सली मारे गए थे। साल 2021 में यह संख्या घटकर आठ हो गयी, लेकिन साल 2022 में फिर यह बढ़कर 12 हो गयी। 2023 में सुरक्षाबलों ने 14 और 2024 में 11 नक्सलियों को मार गिराया। जबकि साल 2025 में मई महीने तक ही 17 नक्सली मारे जा चुके हैं। हालांकि, इन पांच सालों में 20 जवान भी शहीद हुए हैं।

पांच महीने में मारे गए 15 नक्सली

* 24 मई : लातेहार पुलिस ने जेजेएमपी सुप्रीमों 10 लाख इनामी पप्पू लोहरा और पांच लाख इनामी प्रभात गंझू को मार गिराया।

* 21 अप्रैल : बोकारो जिले के लुगु पहाड़ पर सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में एक करोड़ के इनामी नक्सली प्रयाग मांझी उर्फ विवेक सहित आठ माओवादी को ढेर किया था। इनमें प्रयाग मांझी, साहेबराम मांझी, अरविंद यादव के अलावा पांच अन्य नक्सली शामिल थे।

* 29 जनवरी : चाईबासा में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गये थे। इनमें एक महिला नक्सली भी शामिल थी। मारे गए नक्सलियों की पहचान विनय गंझू उर्फ संजय गंझू और हेमंती मंझियाईन के रूप में हुई थी। विनय गंझू भाकपा माओवादी का जोनल कमेटी सदस्य था, जबकि हेमंती मंझियाइन एरिया कमेटी सदस्य थी।

* 22 जनवरी : बोकारो में पुलिस और भाकपा माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई थी, जिसमें दो नक्सली मारे गये थे। मृतक माओवादियों की पहचान मनोज बास्की और गिरफ्तार 15 लाख के इनामी नक्सली की पत्नी शांति देवी के रूप में हुई थी।

झारखंड में अब सिर्फ पांच जिले नक्सल प्रभावित

फिलहाल राज्य में सिर्फ पांच जिले (गिरिडीह, गुमला, लातेहार, लोहरदगा और पि्रमी सिंहभूम) नक्सल प्रभावित रह गये हैं। देश के पांच राज्यों के 12 सबसे अधिक नक्सल प्रभावित जिलों की श्रेणी में झारखंड का सिर्फ एक जिला पि्रमी सिंहभूम शामिल है। इस तरह देखा जाय तो झारखंड में नक्सलवाद की समस्या 95 फीसदी खत्म हो चुकी है।

नक्सल अभियान में आसमानी कहर बन सकती है बाधा, सांप का इलाज पर वज्रपात का नहीं!

झारखंड में नक्सलियों के खिलाफ अंतिम वार चल रहा है, साल 2025 में अब तक कई इनामी नक्सली मारे गए है। नक्सली अब केवल सारंडा के जंगल क्षेत्र में ही सीमित रह गए हैं। सारंडा में ही अंतिम लड़ाई होनी है लेकिन सारंडा के घनघोर जंगल मे नक्सलियों के आईईडी के साथ साथ सुरक्षाबलों को मौसम से भी जूझना पड़ेगा। सबसे अहम और चिंता की बात यह है की वज्रपात में शहीद होने पर अफसरों और जवानों को बीमा का लाभ नहीं मिलेगा।

विषम परिस्थितियों में करना होगा काम

अगले दो महीने जंगलों में रहने वाले सुरक्षा बलों के लिए परिस्थितियां बिल्कुल उलट होंगी। पूरे मानसून के दौरान इन इलाकों में जबरदस्त बारिश होती है। जंगल मे लगातार वज्रपात भी होता है। इस दौरान नदी नाले उफान पर रहते है। जिन्हें पार करना बेहद खतरनाक हो जाता है। कई कई जगह तो लोगो का संपर्क भी दूसरे हिस्सों से कट जाता है क्योंकि पानी इतनी तेज बहाव से गुजरता है कि नदी नाले तक ढक जाते हैं या फिर टूट जाते हैं। सुरक्षा बलों के दौरान वैसे नदी नालों का मरम्मत करवाया जाता है जिनके पुलिया पानी के तेज बहाव में बह जाते है।

वज्रपात में मृत्यु होने पर नहीं मिलता बीमा का लाभ

सारंडा में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बल अंतिम लड़ाई लड़ रहे हैं जहां उन्हें खराब मौसम का सामना भी करना पड़ रहा है, जैसे ही मानसून प्रवेश करेगा यह खतरा और बढ़ जाएगा। चिंता की बात यह है कि झारखंड पुलिस के द्वारा अधिकारियों और जवानों के लिए जो इंश्योरेंस का प्लान बनाया गया है उसमें वज्रपात से मृत्यु होने पर क्लेम नहीं मिलता है।झारखंड डीजीपी अनुराग गुप्ता का कहना है कि पूर्व में सांप के काटने से भी बीमा का क्लेम नहीं मिलता था लेकिन जब सांप के काटने के मामले सामने आने लगे तब इंश्योरेंस पॉलिसी में उसे भी जुड़वाया गया था। डीजीपी के अनुसार पिछले 25 साल के दौरान किसी भी अफसर या जवान की मौत वज्रपात से नहीं हुई थी। इस साल यह पहली घटना है जिसमें सीआरपीएफ के एक अधिकारी की जान वज्रपात की वजह से गई।

15 हजार से ज्यादा जवान

वहीं दूसरी तरफ झारखंड के डीजीपी का दावा है कि बरसात से पहले ही सारंडा को नक्सलियों से क्लीन कर लिया जाएगा। डीजीपी ने बताया कि उनके पास अभी दो महीने का समय है हमारी कोशिश है कि सारंडा को नक्सल मुक्त करने के लिए लड़ाई बरसात तक जाए ही नहीं।

डीजीपी का कहना है कि सारंडा में झारखंड के नक्सल इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा अभियान शुरू किया गया है। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि हमने सारंडा में इतना फोर्स भर दिया है कि नक्सल चाह कर भी कहीं भाग नही पाएंगे। सारंडा फतेह के लिए झारखंड आर्म्ड फोर्स (गोरखा बटालियन) की पांच कंपनियों के साथ साथ झारखंड जगुआर की सभी कंपनियों को सारंडा भेज दिया गया है।

डीजीपी अनुराग गुप्ता ने दी है जानकारी

इस संबंध में झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया है कि हमने जंगल में इतना फोर्स भर दिया है कि सारंडा के एक-एक कोने में सिर्फ सुरक्षा बल ही नजर आएंगे। हालांकि तत्कालिन समय में नक्सलियों के शांति प्रस्ताव पर उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। डीजीपी का स्पष्ट संदेश है कि नक्सली आत्मसमर्पण करें, नहीं तो मारे जाएंगे। डीजीपी के अनुसार झारखंड सरकार की आत्मसमर्पण नीति बेहद अच्छी है। नक्सलियों को इसका फायदा उठाना चाहिए।

मानसून से पहले खत्म होगा नक्सल आतंक

एक तरफ नक्सली शांति वार्ता और युद्ध विराम की मांग कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ झारखंड में नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई हर दिन निर्णायक दौर पर पहुंच रही है। वर्तमान समय में सारंडा में नक्सलियों का शीर्ष नेतृत्व डेरा डाले हुए है, जिनके खात्मे के लिए अब वैसे अफसरों को मैदान में उतार दिया गया है जो नक्सल अभियान में माहिर हैं। निर्णायक अभियान में झारखंड पुलिस के कई डीएसपी के साथ-साथ सैप बटालियन को भी मैदान में उतारा गया है, जबकि पहले से ही सारंडा में झारखंड जगुआर और केंद्रीय बल मौजूद हैं।

झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि सारंडा में अब सौ सुनार की एक लोहार की वाली स्थिति आ गई है। झारखंड पुलिस नक्सलियों पर अंतिम प्रहार के लिए पूरी तरह से तैयार है। डीजीपी ने बताया कि सारंडा में नक्सल अभियान में माहिर अफसरों को उतारा गया है। डीजीपी के अनुसार सारंडा में ट्रेंड बलों की संख्या में बढ़ोतरी की गई है। जिसमें झारखंड जगुआर के अफसर, नए बहाल हुए डीएसपी के साथ-साथ आर्मी के वैसे अफसर जो उनके साथ कॉन्ट्रैक्ट के जरिए जुड़े हुए हैं सभी को अभियान में लगाया गया है।

डीजीपी के अनुसार अब तक के अभियान में केंद्रीय बलों के अफसर तो लगे हुए थे, लेकिन अब झारखंड पुलिस के अफसर के द्वारा भी अभियान की क्लोज मॉनिटरिंग की जाएगी। डीजीपी का दावा है कि मानसून से पहले नक्सलियों का खात्मा कर दिया जाएगा।

रसद आपूर्ति पर भी लगा ब्रेक

संगठन में नए कैडरों के नहीं आने की एक बड़ी वजह रसद का नहीं होना भी है। जंगलों और बीहड़ों में रहकर पुलिस से मुकाबला करने की कोशिश में लगे नक्सलियों के सामने कई तरह की मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। आमतौर पर हम पुलिस की सफलता का आकलन उनके द्वारा गिरफ्तार किए गए, एनकाउंटर में मारे गए नक्सलियों के अलावा छापेमारी में बरामद असलहा और गोला बारूद को लेकर करते हैं। यह सही है कि किसी भी संगठन के अत्याधुनिक हथियार और गोला-बारूद बड़ी संख्या में अगर पुलिस जब्त कर ले तो संगठन कमजोर हो जाता है, लेकिन सच्चाई यह भी है कि अगर संगठन के बीच अनाज, कपड़े और मेडिसिन की कमी हो जाए तो ये उनके लिए बड़ी मुसीबत है।

झारखंड पुलिस की तरफ से नक्सलियों के मजबूत गढ़ माने जाने वाले कई स्थानों पर उनकी रसद आपूर्ति पर ही ब्रेक लगा दिया गया है। जो रोजमर्रा के सामान नक्सलियों ने बंकर में छुपा कर रखा था वह भी पुलिस की नजर में आ गए और पुलिस ने उन बंकरों को भी ध्वस्त कर दिया है। ये सारी वे प्रमुख वजहें हैं जिसके कारण नक्सली अब शांति वार्ता के लिए आगे आने लगे हैं।

इसके अलावा अभियान की मॉनिटरिंग के लिए 15 डीएसपी सहित कई आईपीएस को भेजा गया है। सारंडा में चाईबासा पुलिस, कोबरा, झारखंड जगुआर, सीआरपीएफ और जैप मिलकर अभियान चला रही है। डीजीपी ने बताया कि हमने सारंडा में 54 कैंप एक महीने के भीतर स्थापित कर दिया है। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि हमने कोल्हान को नक्सल मुक्त करने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है, ये हमारी निर्णायक लड़ाई है और इसे हम जल्द जीतेंगे।

कौन कौन है टारगेट

झारखंड का कोल्हान एकमात्र ऐसा जगह है जहां नक्सलियों का सबसे बड़ा गुट डेरा डाले हुए हैं। जिसमें तो तीन एक-एक करोड़ के इनामी नक्सली कमांडर भी हैं। कोल्हान में प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंटु लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हांसदा उर्फ अपटन, जयकांत, रापा मुंडा अपने दस्ता सदस्यों के साथ सारंडा और कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधि के लिए जमा हैं। लेकिन अब 15 हजार जवानों ने उनकी घेराबंदी कर रखी है। इस घेरेबंदी को तोड़ना नक्सलियों के लिए बेहद मुश्किल है।

वर्तमान में क्या है पुलिस का इनपुट

झारखंड में भी शांति वार्ता की अपील करने वाले नक्सलियों का हाल झारखंड में बेहद बुरा हो चुका है। नक्सली अब यह जान गए हैं कि पुलिस के पास उनके सभी इनपुट हैं। शायद यही वजह है कि बचे कुछ नक्सली अब शांति वार्ता की बात करने लगे। आपको बता दें कि अपने आप को झारखंड का सबसे बड़ा नक्सली संगठन होने का दावा करने वाले भाकपा माओवादियों के पास कैडरों की भारी कमी हो गई है। डीजीपी अनुराग गुप्ता के अनुसार नक्सली संगठन में नई बहाली और रीसाइक्लिंग यानी पुराने कैडरों का वापस संगठन में लौटना पूरी तरह से बंद हो गया है। झारखंड के तमाम वैसे नक्सली क्षेत्र जहां पूर्व में ट्रेनिंग सेंटर चला करते थे, वह भी बंद हो चुके हैं। पुलिस के लगातार किए जा रहे प्रहार की वजह से छोटे कैडर फरार हो चुके हैं। वहीं नए युवा संगठन से किनारा कर रहे हैं। डीजीपी के अनुसार सूचना के अनुसार वर्तमान समय में जिन इलाकों में झारखंड पुलिस और केंद्रीय बलों के द्वारा बड़े अभियान चलाकर नक्सलियों को खदेड़ दिया गया है, वहां की वस्तुस्थिति फिलहाल ऐसे ही हैं। इन इलाकों में छोटे कैडरों के पास ना हथियार है, ना गोलियां और ना ही रसद जिनके बल पर वे संगठन को आगे बढ़ा सकें। ऐसे दर्जन भर छोटे कैडर संगठन छोड़ कर फरार हो चुके हैं।

बूढ़ापहाड़, पारसनाथ, सारंडा और बुलबुल में पुलिस का पहरा

झारखंड में नक्सलियों के नई बहाली और ट्रेनिंग सेंटर के लिए चार सबसे विख्यात जगह थे। जिसमें पहला नाम बूढ़ापहाड़, दूसरा पारसनाथ, तीसरा बुलबुल जंगल और चौथा सारंडा जंगल। लेकिन पहले तीन स्थानों से नक्सलियों को पूरी तरह से खदेड़ दिया गया है और उनके ट्रेनिंग कैंप को नष्ट कर दिया गया है। जिन स्थानों पर नई बहाली के लिए पर्चे जारी होते थे, ग्रामीणों को संगठन में आने के लिए धमकियां दी जाती थी उनमें से अधिकांश इलाकों से नक्सलियों को बाहर कर दिया गया है। ऐसे में एकमात्र सारंडा ही ऐसा जगह बच गया है जहां 60 से ज्यादा नक्सली जमा हैं। जिसमें कई एक करोड़ के इनामी भी हैं। लेकिन इस इलाके में भी नक्सली अपना ट्रेनिंग कैंप और नई बहाली को बंद कर के रखे हुए हैं। क्योंकि नए कैडर उनके पास पहुंच ही नहीं पा रहे हैं।

क्या है वर्तमान में सारंडा की स्थिति

झारखंड के सारंडा में फिलहाल करोड़ों के इनामी नक्सलियों के साथ 40 से 50 की संख्या में नक्सली कैडर मौजूद हैं। लेकिन सभी की घेराबंदी सुरक्षा बलों के द्वारा करके रखी गई है इसलिए वे चाह कर भी कुछ कर नही पा रहे हैं। जंगल से निकलते ही वे या तो पकड़े जा रहे हैं या फिर एनकाउंटर में मारे जा रहे हैं। वर्तमान समय में कोल्हान के अलावा दूसरे जिलों में नक्सलियों की भी मौजूदगी है लेकिन वहां पर उनकी संख्या काफी कम हो गई है।

नक्सली अब करने लगे हैं शांति की बात

सत्येन्द्र सिंह

अभियान का असर, खौफ में नक्सली

पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई से झारखंड में आतंक का पर्याय माने जाने वाले नक्सली अब शांति की बात करने लगे हैं। नक्सलियों में अभियान का खौफ है।

केंद्र सरकार द्वारा नक्सलियों के खात्में डेड लाइन 31 मार्च 2026 दिये जाने के बाद नक्सलियों के बीच मौत का साय मडराने लगा है। केंद्र सरकार के आदेश के आलोक में छतीसगढ़ के बाद अब झारखंड में भी नक्सली खौफ में हैं। अपने प्रवक्ताओं के माध्यम से नक्सली झारखंड पुलिस से युद्ध विराम की मांग कर रहे हैं। भाकपा माओवादियों के बिहार-झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी के प्रवक्ता आजाद ने झारखंड में भी सरकार के साथ शांति वार्ता को लेकर पहल करने की अपील की है।

हताश हुए नक्सली, चाहते हैं शांति वार्ता

झारखंड में समानांतर सरकार चलानेवाले नक्सली संगठन सरकार के सामने शांति वार्ता की भीख मांग रहे हैं। साल 2025 में दर्जनभर नक्सलियों के मारे जाने के बाद झारखंड में भी नक्सली बैकफुट पर आ गए हैं। पुलिस मुख्यालय के सूत्र बताते हैं कि एक दर्जन से ज्यादा नक्सली कैडर आत्मसमर्पण की फिराक में हैं। जैसे ही उन्हें जंगल से निकलने का मौका मिलेगा अभी सीधे पुलिस के पास पहुंचेंगे।

वहीं दूसरी तरफ झारखंड में पहली बार नक्सली संगठन भाकपा माओवादियों ने शांति वार्ता की अपील की है। भाकपा माओवादियों के बिहार-झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी के प्रवक्ता आजाद ने पत्र लिखकर सरकार से शांति वार्ता को लेकर पहल करने की बात कही है।

युद्ध विराम का दिया है प्रस्ताव : पिछले दिनों नक्सलियों के प्रवक्ता आजाद ने अपने पत्र में यह लिखा था कि 'हम शोषित और मेहनतकश जनता के हितों के लिए काम करते हैं। हम शांति चाहते हैं,सरकार हमें अवसर दे। हम सरकार के साथ शांति वार्ता में जाने के लिए तैयार हैं। इसके लिए सरकार को एक सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने की जरूरत है'। हम मांग करते हैं कि पुलिस और अर्धसैनिक बलों और विशेष बलों का झारखंड में कोई नया शिविर या कैंप नहीं बिठाया जाए। साथ ही साथ अभियान को बंद किया जाए। सरकार इस मामले में जितना जल्द पहल करेगी, हम अपने कार्य क्षेत्र में यानी झारखंड-बिहार में तुरंत युद्ध विराम की घोषणा कर शांति वार्ता में जाने को तैयार हैं।

बोकारो में शांति के लिए होने वाली थी बैठक : नक्सली प्रवक्ता आजाद ने अपने पत्र में यह भी लिखा था कि बोकारो के लुगु पहाड़ पर कामरेड विवेक ने एक महत्वपूर्ण बैठक रखी थी। जिसका मकसद शांति वार्ता की पहल करना था, लेकिन बैठक से ठीक पहले सुरक्षाबलों ने कामरेड विवेक सहित हमारे आठ साथियों की बेहद निर्ममता के साथ हत्या कर दी। आजाद के अनुसार केंद्र और राज्य सरकार के द्वारा 2026 तक देश को नक्सल मुक्त बनाने के लिए हमारी पार्टी के खिलाफ अर्ध सैनिक बलों और विशेष बलों को तैनात कर हमारी हत्या और गिरफ्तारी करवाई जा रही है। यह सही नहीं है।

आजाद ने अपने पत्र में यह भी लिखा था कि देश के गृह मंत्री और राज्य के मुख्यमंत्री के साथ-साथ सभी मंत्री और पुलिस के बड़े अधिकारी यह आह्वान कर रहे हैं कि नक्सली हिंसा को त्याग दें, शांति से ही समस्या का समाधान होगा। आत्मसमर्पण करने के लिए तरह-तरह के प्रचार-प्रसार किए जा रहे हैं, लेकिन जब हम शांति की तरफ बढ़ रहे हैं तो हमारे खिलाफ हमले को जारी रखा गया है। भला दोनों एक साथ कैसे चलेगा। ऐसे में ही हमें आत्मरक्षा के लिए मजबूर होना पड़ता है।

आठ साथियों के मारे जाने के बाद की गई थी शांति वार्ता की अपील

21 अप्रैल 2025 को झारखंड के बोकारो जिले में सुरक्षाबलों ने एक करोड़ के इनामी नक्सली विवेक सहित उसके आठ नक्सलियों को एनकाउंटर में मार गिराया था। इस एनकाउंटर के बाद भाकपा माओवादियों को यह समझ में आ गया कि सुरक्षाबल उन्हें अब किसी भी कीमत पर बख्शने के मूड में नहीं है। नतीजा अब संगठन विभिन्न माध्यमों से शांति वार्ता की अपील करने लगे हैं। इसके लिए सबसे पहला प्रयास उस प्रवक्ता ने किया है जो पूर्व में नक्सली वारदातों को अंजाम देकर उसकी जिम्मेवारी लिया करता था।

सारंडा की घेराबंदी ने दहशत में डाला : केंद्र सरकार के फरमान के बाद छत्तीसगढ़ नक्सलियों के लिए कब्रगाह बन चुका है। वहां भी नक्सली बार-बार पत्र लिख कर सरकार से शांति वार्ता की मांग कर रहे हैं। जबकि झारखंड में पिछले डेढ़ महीने के दौरान 12 से ज्यादा नक्सलियों के मारे जाने के बाद झारखंड के सारंडा को छोड़ कर हर जगह से नक्सलियों को लगभग खदेड़ दिया गया है।

सारंडा एक मात्र ऐसा जगह है, जहां इनामी सहित कई बड़े नक्सलियों का जमावाड़ा है। लेकिन अब तो सारंडा में भी नक्सलियों की घेराबंदी शुरू कर दी गई है। सारंडा में नक्सलियों के खात्मे के लिए 10 हजार से अधिक जवानों को जंगल में उतार दिया गया है। जगुआर ,सीआरपीएफ, कोबरा और झारखंड आर्म्ड फोर्स की कई कंपनियां सारंडा के घनघोर जंगलों में उतर चुकी है।

स्पीड न्यूज

सुरों की शाम : शतरूपा व इंद्राणी बनीं सर्वश्रेष्ठ

जमशेदपुर। निखिल भारत बंग साहित्य सम्मेलन, जमशेदपुर शाखा की 19वीं वार्षिक संगीत प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह शनिवार को बिष्टुपुर स्थित मिलानी सभागार में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्या झरना कर के स्वागत भाषण से हुई। मंच संचालन शमिता रक्षित और शुक्ला रॉयचौधरी ने किया, जबकि अदिति सेनगुप्ता ने स्वागत गान से माहौल को संगीतमय कर दिया। विशिष्ट अतिथि उद्योगपति व समाजसेवी शेखर दे ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि अपनी मातृभाषा व संस्कृति को सहेजने में इस तरह की प्रतियोगिताओं की अहम भूमिका होती है। मुख्य अतिथि आकाशवाणी जमशेदपुर व चाईबासा प्रभारी उत्पल दत्ता ने प्रतिभागियों को बधाई दी।

मोहर्रम अखाड़ा लाइसेंसी नहीं निकालेंगे जुलूस

जमशेदपुर। इस वर्ष आजादनगर थाना क्षेत्र के सभी मुहर्रम अखाड़ा समितियों ने एक महत्वपूर्ण और समाजिक फैसले के तहत मुहर्रम के दौरान जुलूस न निकालने का संकल्प लिया। अखाड़ा समितियों का कहना है कि जुलूस से होने वाली समाजिक समस्याओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इनमें से प्रमुख समस्याएं आपातकालीन सेवाओं में रुकावट और असामाजिक तत्वों की सक्रियता हैं, जो जुलूस में हस्तक्षेप करने का प्रयास करते हैं। अखाड़ा समितियों का मानना है कि इस फैसले से समाज में शांति और सुरक्षा बनी रहेगी और जिला प्रशासन को भी राहत मिलेगी। इस फैसले का सभी समितियों ने स्वागत किया है। मुहर्रम के दौरान अब केवल स्थानीय क्षेत्रों में ही अखाड़ा करतब आयोजित किये जायेंगे, जिससे क्षेत्र में शांति बनी रहे और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से बचा जा सके।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा प्रकोष्ठ का जिला स्तरीय गोष्ठी संपन्न

जमशेदपुर। रविवार को प्रातः 9:30 बजे गायत्री ज्ञान मंदिर भालूबासा में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का जिला स्तरीय कार्यकर्त्ता सम्मेलन शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में संपन्न हुआ। गायत्री परिवार के मीडिया प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि इस अवसर पर अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार से पधारे भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के राष्ट्रीय प्रभारी रामयश तिवारी, मनीष, सुधीर, प्रांतीय समन्वयक ताराचंद अग्रवाल, जिला समन्वयक राजीव रंजन की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर सैकड़ों कार्यकत्ताओं ने भाग लेकर भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के आयोजन से संबंधित विषयों को विस्तारपूर्वक जाना। अपने उद्बोधन में रामयश तिवारी जी ने बताया कि आज के नई पीढ़ी को विशेष कर छात्र- छात्राओं की भारतीय संस्कृति से परिचित कराना अति आवश्यक है। भारतीय संस्कृति की गरिमा का बोध प्रत्येक युवा पीढ़ी को होना आवश्यक है। हम किसी विद्यालय में मात्र परीक्षा कराने नहीं जाते हैं, बल्कि एक महामानव को गढ़ने जाते हैं। हमारा प्रयास रहता है की अपनी गौरवशाली परंपरा एवं इतिहास से परिचय कराकर उस अनुरूप इंसान को गढ़ना। युग निर्माण आंदोलन में आज इसकी महती आवश्यकता है। आज के कार्यकर्त्ता सम्मलेन में परीक्षा से सम्बंधित आने वाले कठिनाईओं का समाधान भी केंद्रीय टीम द्वारा किया गया।

रक्तदान महान कार्य, युवाओं की भागीदारी सराहनीय : अर्जुन मुंडा

- अर्पण परिवार की पहल परोपकार व सेवा की भावना को देती है बढ़ावा : विद्युत वरण महतो
- रक्तदान सामाजिक एकता और परोपकार का प्रतीक : डी. बी. सुंदरा रामम
- रक्तदान शिविर सामाजिक जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरणास्रोत : मंगल कालिंदी
- ऐसे आयोजन सामाजिक जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करते हैं : उपेंद्र प्रताप सिंह
- कार्यक्रम की सफलता के लिए नौजवान टीम अर्पण को साधुवाद : अमरप्रीत सिंह काले
- अर्पण परिवार का ऐतिहासिक शिविर 1018 यूनिट रक्त संग्रहित

खबर मन्त्र ब्यूरो

अर्पण संस्था द्वारा ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन में शिरकत करते पूर्व मंत्री अर्जुन मुंडा।

जमशेदपुर। अर्पण परिवार द्वारा इस गर्मी में उत्पन्न रक्त की कमी को पूरा करने के उद्देश्य से आयोजित ऐतिहासिक रक्तदान शिविर में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त हुई। इस शिविर में कुल 1018 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया, जो शहर में रक्त की कमी को दूर करने में महत्वपूर्ण योगदान साबित हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा, रक्तदान एक महान कार्य है, जो सीधे किसी जरूरतमंद के जीवन की रक्षा करता है। इस शिविर में युवाओं की सक्रिय भागीदारी देख कर हर्ष हो रहा है।

अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित सांसद विद्युत वरण महतो ने कहा, अर्पण परिवार की इस सामाजिक पहल से न केवल रक्त की कमी दूर होगी, बल्कि यह समाज में परोपकार और सेवा की भावना को प्रोत्साहित करेगा।

मौके पर कार्यक्रम में उद्घाटनकर्ता के रूप में उपस्थित टाटा स्टील के डीबी सुंदरा रामम ने कहा कि अर्पण परिवार के इस सामाजिक प्रयास में सहभागिता निभाना गर्व की बात है। रक्तदान से हम न केवल किसी जरूरतमंद को जीवनदान देते हैं बल्कि एक बेहतर समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाते हैं।

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त श्री उपेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि अर्पण परिवार के इस रक्तदान शिविर से सामाजिक एकता, परोपकार और सेवाभावना को बल मिलता है। इस तरह के आयोजन सामाजिक जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रत्येक नागरिक को प्रेरित करते हैं।

विशिष्ट अतिथि विधायकमंगल कालिंदी ने कहा, ऐसे आयोजन हमें आपसी सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करते हैं। रक्तदाताओं को मेरा साधुवाद।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मुख्य संरक्षक श्री अमरप्रीत सिंह काले ने कहा, अर्पण परिवार हमेशा से सामाजिक सेवा के लिए समर्पित रहा है। इस रक्तदान शिविर के माध्यम से हम न केवल जरूरतमंदों के लिए रक्त संग्रह कर रहे हैं बल्कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधा वितरण करके एक बेहतर कल के लिए भी प्रयासरत हैं।

मौके पर टाटा स्टील के डी बी सुंदरा रामम, इंटक नेता राकेश्वर पांडे, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त उपेन्द्र प्रताप सिंह, दैनिक भास्कर संपादक भवानंद झा, प्रभात खबर के संपादक संजय मिश्रा, न्यू इस्पात मेल संपादक बृजभूषण सिंह, चमकता आईना अखबार संपादक जयप्रकाश राय, भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु ओझा, पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश कुमार, चंद्रशेखर मिश्रा, प्रथम जिला अध्यक्ष ब्रह्मदेव शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष नदंजी प्रसाद, जेडीयू नेता आशुतोष राय, सुबोध श्रीवास्तव, रमेश हंसदा, मेहर बाई अस्पताल अमिताभ चटर्जी, कांग्रेस नेता रविंद्र कुमार झा नट्ठ, सिंह, टाटा मोटर्स वर्क्स युनीयन के पूर्व अध्यक्ष गुरमीत सिंह तोते, महिला आयोग किनपूर्व अध्यक्ष कल्याणी शरण, रूपेश कतरियार, वरिष्ठ पत्रकार अंजनी पांडे, वरिष्ठ पत्रकार संजीव भारद्वाज, वरिष्ठ पत्रकार अंजनी पांडे, कांग्रेस नेता अजय सिंह, भाजपा नेता शैलेंद्र कुमार सिंह, पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष राजकुमार सिंह, आजसू नेता कन्हैया सिंह, जिला परिषद उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा, कुसुम पूर्ति, सरायकेला खरसावां जिला अध्यक्ष उदय सिंहदेव, ब्रृजेश सिंह मुन्ना, शंकर रेड्डी, अप्पू तिवारी भी थे।

शहर में जल जमाव के कारणों और निदान पर कल समीक्षा बैठक करेंगे विधायक सरयू राय

- समीक्षा बैठक के पूर्व पूरे इलाके का सरयू राय करेंगे भ्रमण, पूरी जानकारी लेंगे
- समीक्षा बैठक शाम साढ़े 4 बजे से बिष्टुपुर के मिलानी हॉल में होगी आयोजित

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने 24 जून को एक समीक्षा बैठक आयोजित की है। यह बैठक बिष्टुपुर के मिलानी हॉल में शाम साढ़े चार बजे से होगी। यह बैठक विगत दिनों हुई बारिश के पानी के कारण हुए नुकसान का जायजा लेने तथा कई आवासीय क्षेत्रों में भीषण जल जमाव के कारणों को दूर करने का उपाय करने के मद्देनजर बुलाई गई है। श्री राय बैठक के पहले उन इलाको का सघन भ्रमण कर जमीनी जानकारी हासिल करेंगे, जहां गत तीन दिनों की भारी बारिश ने तबाही मचायी थी और जिसमें जान–माल का नुकसान हुआ था।

यहां जारी एक बयान में विधायक सरयू राय ने कहा कि सरकारी विभागों और प्रशासन की गलतियाँ जनता के लिए भारी परेशानी और नुकसान का कारण बन रही है। विकास के लिए बनने वाली महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में जमीनी हकीकतों और प्राकृतिक विशेषताओं की अनदेखी करने का खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ रहा है। विकास कार्य आमजन और प्रकृति केन्द्रित नहीं होंगे तो

सरयू राय, विधायक।

ऐसी ही स्थिति उत्पन्न होगी, जैसी विगत दिनों में जमशेदपुर को झेलनी पड़ी है।

बयान में श्री राय ने कहा है कि सरकारी और प्रशासनिक मशीनरी को मानो लकवा मार गया है। योजनाएं बनती हैं, उनका डीपीआर तैयार होता है, परियोजनाएं स्वीकृत होती हैं, क्रियान्वित होती हैं, परंतु आमजन को उसका लाभ कम और नुकसान ज्यादा मिलता है। राज्य सरकार के विभाग उनके सामने प्रस्तुत चुनौतियों का सामना करने में अक्षम साबित हो रहे हैं। विभागों के पास मानव बल की घोर कमी है। संसाधन हैं पर इनका उपयोग जनहित में नहीं हो पा रहा है। समस्याएं जस की तस रह जा रही हैं, समय के साथ घनीभूत होते जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि अब जरूरी यह है कि सरकार शहरी विकास की स्पष्ट नीति बनाए। अन्यथा शहरी इलाकों की हालत दिन-ब-दिन बदतर होती चली जाएगी। वह लंबे समय से जमशेदपुर में नाला आधारित विकास कार्यक्रम बनाने पर जोर देते आ रहे हैं। सरकार द्वारा जन सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है मगर उनके कारण उत्पन्न समस्याओं के निदान के ठोस उपाय नहीं हो रहे हैं। खासकर जल निकासी और कचरा निष्पादन की ठोस व्यवस्था नहीं होने से शहर और शहरवासियों को घातक परिणाम का सामना करना पड़ रहा है। उपर्युक्त समस्याओं का समाधान के लिए जनचेतना जागृत करना जरूरी है। बैठक में इन विषयों पर विशद मंथन होगा। समस्याओं का अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक निदान पर विमर्श करना ही बैठक का उद्देश्य है।

मोदी सरकार के 11 वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के प्रति समर्पित : डॉ दिनेशानंद गोस्वामी

- बहरागोड़ा प्रखंड के महुलडांगरी एवं बेंदा गांव में आयोजित जन चौपाल में डॉ दिनेशानंद गोस्वामी ने कहा

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। मोदी सरकार के 11 वर्षों की उपलब्धियों को जन- जन तक पहुंचाने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने आज बहरागोड़ा प्रखंड के महुलडांगरी एवं बेन्दा गांव में जन चौपाल आयोजित किया। जन चौपाल को संबोधित करते हुए भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेशानंद गोस्वामी ने कहा कि मोदी सरकार के 11 वर्ष सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के प्रति समर्पित रहा। इन 11 वर्षों में मोदी सरकार द्वारा चलाये गये विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से गरीबों का जीवन स्तर ऊंचा उठा है। देश के 81 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन मिल रहा है। पीएम आवास योजना के तहत गरीबों को 4 करोड़ मकान उपलब्ध कराए गए जिनमें झारखंड के 18 लाख 50 हजार गरीबों को इसका लाभ मिला। पीएम किसान सम्मान निधि से 11 करोड़ से अधिक किसानो को सरकार 6 हजार रुपए प्रति वर्ष सहायता राशि प्रदान कर रही है। इन 11 वर्षों में सरकार ने सभी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य को दोगुना कर दिया। खाद्यान्न में देश आत्मनिर्भर बना है। डॉ गोस्वामी ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत सरकार 55 करोड़ लोगों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपए तक निःशुल्क इलाज मुहैया करा रही है।

न्यूक्लियर पावर व ग्रीन एनर्जी के फायदे से कंपनी ग्रामीणों को करेगी जागरूक : मनोरंजन महाली

- न्यूक्लियर के क्षेत्र परमाणु ऊर्जा आयोग के 70 साल पूरा होने यूसिल की ओर से खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित

खबर मन्त्र ब्यूरो

बैलून उड़ाकर उद्घाटन करते यूसिल के उपमहाप्रबंधक मनोरंजन महाली।

जादूगोड़ा। भारत सरकार की संस्थान यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड परमाणु ऊर्जा आयोग की 70 साल पूरे होने पर डी ए ई की स्थापना दिवस को लेकर यूसिल काफी उत्साहित है जिसका उद्घाटन आज रविवार समारोह के मुख्य अतिथि सह यूसिल के उपमहाप्रबंधक मनोरंजन महाली , डॉक्टर पी के अधिकारी, खान प्रबंधक एम के सिंह व ए के श्रीवास्तव ने वैलून उड़ा कर खेलकूद प्रतियोगिता का प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इसके पूर्व अतिथियों ने खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर उनका हौसला अफजाई की। इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के संयोजक मनोरंजन महाली , सह संयोजक डॉक्टर पी के अधिकारी व एम के सिंह ने कहा कि 30 अगस्त 1954 में परमाणु ऊर्जा आयोग की स्थापना की गई थी, इन 70 सालों में देश में न्यूक्लियर के महत्व, उसकी उपलब्धियां, फायदे व लोगों में यूरेनियम को लेकर फैले भ्रम को दूर किया जायेगा। जिसका समापन 30 अगस्त को होगा।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारी व कंपनी कर्मी

जादूगोड़ा : इस कार्यक्रम में संयोजक महाली, डॉक्टर पी के अधिकारी (सह संयोजक) एम के सिंह, डी एन सिंह, बालकृष्ण मिश्रा, गाजिया हांसदा, नरेंद्र सिन्हा, अजय महतो,ए के श्रीवास्तव, धनंजय सिंह, टी के माझी, हेमलता शिरोडकर, राधा कुमारी, इमरान अहमद, कुलदीप पटेल समेत काफी संख्या अधिकारियों व कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

संगठन सृजन के तहत दो प्रखंड अध्यक्ष व 8 मंडल अध्यक्ष नियुक्त : आनंद बिहारी दुबे

खबर मन्त्र ब्यूरो

कदमा में संगठन सृजन अभियान के दौरान उपस्थित लोग।

कदमा। संगठन सृजन अभियान के तहत दो प्रखंड कांग्रेस कमेटी एवं 8 मण्डल अध्यक्षों का नियुक्त पत्र जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे के द्वारा प्रखण्ड पर्यवेक्षक के उपस्थित में प्रदान किया गया।

नियुक्ति पत्र वितरण में प्रखण्ड अध्यक्ष मानगो ईश्वर कुमार सिंह, कदमा-सोनारी प्रखण्ड अध्यक्ष सुनील कुमार झा ऊर्फ बबुआ झा को नियुक्ति पत्र सौंपा गया, मण्डल अध्यक्ष में आजादनगर मण्डल अध्यक्ष फैयाज आलम अंसारी, मानगो मण्डल अध्यक्ष राकेश दास, उलीडीह मण्डल अध्यक्ष संजय शर्मा, एमजीएम मण्डल अध्यक्ष अखिलेश सिंह सोनारी मण्डल अध्यक्ष दीपक कुमार यादव, कदमा मण्डल अध्यक्ष अभिषेक महंती, बिष्टूपुर मण्डल अध्यक्ष अली रजा खान, साकची पश्चिम मण्डल अध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

संगठन सृजन अभियान के दौरान प्रखंड पर्यवेक्षक मानगो प्रखण्ड ब्रजेंद्र तिवारी थे।

सत्यानंद योग केंद्र को गुजराती सनातन समाज में साप्ताहिक योग शिविर शुरू

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। सत्यानंद योग केंद्र के तत्वाधान में रविवार से गुजराती सनातन समाज में साप्ताहिक योग शिविर की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर स्वामी गोरखनाथ एवं रश्मि ठक्कर ने की। शिविर बिहार स्कूल ऑफ योग के वरिष्ठ सन्यासी गोरखनाथ जी के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। आज जिसमें मुख्यतः ताड़ासन, त्रियक ताड़ासन, कटी चक्रासन चक्की चलन, नौवका संचालन, शशांक आसन, उष्ट्रासन, मर्जरी आसन, अभ्यास करवाया गया। स्वामी जी ने बताया कि ऊर्जा का संवहन का मुख्य रास्ता रीड की हड्डी से होकर जाता है ऊर्जा जो प्राण के रूप में हमारे शरीर में प्रवाहित होता है, हमें हमेशा रीड की हड्डी को स्वस्थ रखना चाहिए और रीड की हड्डी को स्वस्थ रखने के लिए उपरोक्त सभी आसनों का नियमबद्ध तरीके से, अपने क्षमता, जरूर, बीमारी आदि को ध्यान में रख सही तरीके से अभ्यास करना चाहिए।

श्री रोजगार 3.0 : श्रीनाथ यूनिवर्सिटी के प्लेसमेंट प्राप्त छात्र हुए सम्मानित

खबर मन्त्र ब्यूरो

प्लेसमेंट प्राप्त विद्यार्थियों के साथ श्रीनाथ विवि के शिक्षक व अन्य।

जमशेदपुर। 21 जून 2025 – श्रीनाथ यूनिवर्सिटी में आज श्री रोजगार 3.0 कार्यक्रम के अंतर्गत कंप्यूटर इंजीनियरिंग, कॉमर्स, मैनेजमेंट तथा अन्य कोर्सेज के प्लेसमेंट प्राप्त छात्रों का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मौके पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सुखदेव महतो, कुलपति प्रो (डॉ) एसएन सिंह, एवं प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट विभाग के प्रमुख डॉ शुभदीप भद्रा उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और उनके अभिभावक भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम में यह बताया गया कि इस वर्ष बड़ी संख्या में छात्रों को प्रतिष्ठित कंपनियों में प्लेसमेंट मिला है, जिससे यह वर्ष प्लेसमेंट के लिहाज से एक उत्कृष्ट उपलब्धि लेकर आया है। इस मौके पर छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए और शिक्षकों व प्लेसमेंट टीम को उनके मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया। छात्रों के साथ-साथ उनके अभिभावकों के चेहरों पर भी गर्व और खुशी देखने को मिली। कई अभिभावकों ने मंच से अपने विचार व्यक्त किये और श्रीनाथ यूनिवर्सिटी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने हमारे बच्चों के भविष्य को नई दिशा दी है।

कुलपति डॉ एसएन सिंह ने कहा कि हमारा प्रयास हमेशा से रहा है कि छात्र शिक्षा के साथ-साथ उद्योग जगत की जरूरतों के अनुरूप तैयार हों और आज का यह समारोह इस प्रयास की सफलता का प्रमाण है। श्री रोजगार 3.0 जैसे आयोजनों के माध्यम से श्रीनाथ यूनिवर्सिटी अपने छात्रों को बेहतर करियर अवसर देने के लिए सतत कार्य कर रही है, और यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। श्रीनाथ विश्वविद्यालय में इस वर्ष अबतक 150 से अधिक छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट हो चुका है।

जिसमें एमबीए, बीबीए, बीकॉम और डिप्लोमा इंजीनियरिंग के सभी छात्रों का 100 प्रतिशत प्लेसमेंट हो चुका है। प्लेसमेंट एंड ट्रेनिंग सेल के डायरेक्टर डॉ शुभदीप भद्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि अभी भी कैंपस प्लेसमेंट के लिए कई सारी कंपनियां पाइपलाइन में है जिससे यह उम्मीद है कि भविष्य और अधिक छात्र प्लेसमेंट प्राप्त करेंगे।

एक नजर में

ट्रेलर से टकराये बाइक सवार आशुतोष की मौत

गम्हरिया। बीते शनिवार की देर रात टाटा–कांड्रा मुख्य मार्ग पर गम्हरिया स्थित केडिया पेट्रोल पंप के सामने ब्रेक डाउन होकर सड़क किनारे खड़े एक ट्रेलर से टकरा जाने के कारण बाइक सवार आशुतोष कुमार सिंह (30) नामक युवक की मौत हो गयी। वह गम्हरिया डीवीसी मोड़ स्थित विनायक गार्डन में परिवार के साथ रहता था। उसके पिताजी कैलाश सिंह कोलाबीरा स्थित रामकृष्णा फोर्जिंग्स लिमिटेड, प्लांट–5 में ठेकेदार है जिसके पूनम इंटरप्राइजेज नामक ठेका कंपनी के काम की देखभाल आशुतोष ही करता था। बीती रात वह रात्रि पाली में आने वाले मजदूरों को कार्य मे लगाकर बाइक से अपने घर लौट रहा था। इसी क्रम में अंधेरा होने से सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से पीछे से वह टकरा गया जिससे उसके सर व शरीर के अन्य भागों में गम्भीर चोटें आई। कुछ देर बाद उधर से गुजर रहे आदित्यपुर थाना के गश्ती दल की नजर जब घायल सड़क किनारे पड़े आशुतोष पर पड़ी तो उन्होंने परिजनों को इसकी सूचना देकर उसे इलाज के लिए टीएमएच ले गए। किन्तु, रास्ते मे ही उसकी मौत हो गई। टीएमएच में चिकित्सकों ने जांचोपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों द्वारा रात्रि में उसके शव को टीएमएच शीतगृह में रखवा दिया गया। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद उसका शव घर लाया गया। तत्पश्चात परिजनों ने उसका अंतिम संस्कार पार्वती घाट में कर दिया।

बलिदान दिवस में सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ रांची पहुंचे आजसू जिलाध्यक्ष कन्हैया सिंह

जमशेदपुर। आजसू जिलाध्यक्ष कन्हैया सिंह ने अपने सैकड़ों कार्यकर्त्ताओं संग जमशेदपुर से रांची स्थित हरिबंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम खेलगाव पहुंचे, जहां पार्टी कार्यकर्ताओं संग पार्टी सुप्रीमो संग अन्य केंद्रीय पदाधिकारियों से मुलाकात कर पार्टी के प्रति अपनी पूरी निष्ठा व्यक्त करते हुए पार्टी हित मे संघर्ष करने का संकल्प लेकर पार्टी के दिशा निर्देश पर कार्य करने की बात कहते हुए आगे बढ़ने का आश्वासन दिये। उक्त अवसर पर पार्टी सुप्रीमो ने सभी को क्षेत्र के जवलंत विषयों पर मुखरता के साथ प्रखंड स्तर पर या गांव के चौपाल पर पार्टी के विचारों से अवगत कराये, क्योंकि राज्य की जनता की निगाहे आजसू पार्टी पर हैं और सत्ता मे बैठे लोग सियासत के नाम पर लूटने खसोटने में लगे हैं इसलिए राज्य को बचाने और संवारने का संकल्प लेकर जाइये और पुनः इस राज्य के बेहतर भविष्य हेतु बलिदान देने की जरूरत पड़ी तो सबसे पहले आजसू के नौजवान खड़े रहेंगे। सुदेश महतो खड़ा रहेगा, उनके अभिभाषण से कार्यकर्ताओं में जोश आ गया और आजसू पार्टी का उधघोष कर उनके हौसला बढ़ाने का कार्य करना होगा। रांची जाने वालों संजय मलाकार, अप्पू तिवारी संजय सिंह, विमल मौर्या, अजय सिंह बब्बू, संतोष सिंह, चंद्रेश्वर पांडेय, ललित सिंह, मुद्रीका सिंह, मंगल टुडू, दीपक पांडेय, प्रवीण प्रसाद, संगीता कुमारी, मंजू राज, सुधीर सिंह, सोनू सिंह, जितेंद्र यादव,राजेश ओझा समेत कई अन्य लोग मौजूद रहे।

जमशेदपुर 22 जून संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम के निमित परसुडीह मंडल का सम्मेलन संपन्न

जमशेदपुर। बीजेपी जमशेदपुर महानगर अंतर्गत परसुडीह मंडल में संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम के संयोजक अवधेश सिंह जी की अध्यक्षता में विजय विश्वकर्मा के आवासीय परिसर में मंडल स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि कार्यक्रम के जिला सह संयोजक सह राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति मोर्चा कार्यसमिति सदस्य रमेश हांसदा, विशिष्ट अतिथि मंडल प्रभारी आलोक बाजपेई, जिप सदस्य कुसुम पूर्ति, सरपंच रुद्र मुंडा, जन प्रतिनिधि गिरजा रंजन, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष नीलू मछुआ उपस्थित हुए। संकल्प से सिद्धि सम्मेलन में, अध्यक्षता मंडल कार्यक्रम संयोजक अवधेश सिंह जी कर रहे थे, जबकि संचालन कार्यक्रम सह संयोजक श्री सुमित कुमार शर्मा ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दिन दयाल उपाध्याय जी के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया गया, इस अवसर पर रमेश हांसदा जी ने मोदी सरकार के द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि अगर भारत में भाजपा जैसे राजनीतिक पार्टी नहीं होती तो भारतीय सभ्यता संस्कृति समाप्त हो जाती, एक बीजेपी के कारण ही अनेकता में एकता को पिरो कर रखते हुए, भारतीय संविधान संस्कृति और सभ्यता बचा हुआ है, बाकी राजनीतिक दल सिर्फ वोट बैंक की राजनीत करते हैं। जिप सदस्य कुसुम पूर्ति, नीलू मछुआ, आलोक बाजपेई ने भी अपने विचारों को साझा किए एवं सभी ने मिल कर कार्यकर्ताओं को संकल्प दिलाया गया। मौके पर राम सिंह मुंडा, रामप्रसाद जायसवाल, प्रकाश सांडील, नीलू मछुआ, अवधेश सिंह, सुमित शर्मा, रुद्र मुंडा, दिलीप सिंह, आलोक भास्कर, सुमित शर्मा, विनोद माझी, कन्हैया पांडे, राम मुखी, अंकित सिंह, दुर्गा सेनापति, लूदु मारडी, ईश्वर मुर्मू, अजय सिंह, राम मुखी, विष्णु चक्रवर्ती, सोनू पोद्दार, प्रदीप शर्मा, बिना देवी भी मौजूद रहे।

योग दिवस पर आशियाना आदित्य में सकारात्मक ऊर्जा का हुआ संचार

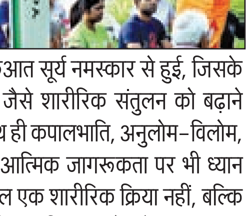

जमशेदपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आशियाना आदित्य आवासीय परिसर में एक प्रेरणादायक योग शिविर लगाया गया। योग साधना के इस अवसर पर निवासियों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया और प्रख्यात योग गुरु अरविंद प्रसाद से योगाभ्यास की बारीकियां सीखीं। शिविर की शुरुआत सूर्य नमस्कार से हुई, जिसके बाद भुजंगासन, मंडूकासन, ताड़ासन, वज्रासन जैसे शारीरिक संतुलन को बढ़ाने वाले आसनों का अभ्यास कराया गया। इसके साथ ही कपालभाति, अनुलोम–विलोम, भस्त्रिका जैसे प्राणायाम से मानसिक शांति एवं आत्मिक जागरूकता पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। श्री अरविंद ने कहा, योग केवल एक शारीरिक क्रिया नहीं, बल्कि यह हमारे भीतर संतुलन, अनुशासन और आंतरिक शक्ति का स्रोत है।

बुमराह ने इंग्लैंड को बढ़त लेने से रोका, 14वीं बार पारी 5 विकेट झटके

बल्ले से चमक बिखेर रहे राहुल, रोमांचक होता जा रहा लीड्स टेस्ट

भारत-इंग्लैंड पहला टेस्ट, तीसरा दिन

एजेंसी

लीड्स। भारत और इंग्लैंड के बीच खेला जा रहा लीड्स टेस्ट रोमांचक मोड़ पर है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड को भारत के खिलाफ पहली पारी में बढ़त लेने से रोक दिया। इंग्लैंड ने पहली पारी में 465 रन बनाये। भारत (471) को सिर्फ 6 रनों की मामूली बढ़त मिली। तीसरे दिन के अंत तक भारत ने 2 विकेट खोकर 90 रन बना लिये हैं। टीम इंडिया को इस कुल बढ़त 96 रनों की हो चुकी है। केएल राहुल 47 रन बनाकर नाबाद हैं तो कप्तान शुभमन गिल भी 6 रन बनाकर खेल रहे हैं। खराब रौशनी की वजह से खेल करीब 25 मिनट पहले ही खत्म करना पड़ा। बुमराह (83 रन पर पांच विकेट) पूरी पारी के दौरान भारत के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 14वीं बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाए।

हैरी ब्रूक एक रन से शतक से चूके

हैरी ब्रूक (99) एक रन से शतक से चूक गये। उन्हें दो-दो बार जीवनदान भी मिला। टी ब्रेक से पहले इंग्लैंड की पारी सिमट गई। बुमराह ने जोश टंग (11) को बोल्ड करके इंग्लैंड की पारी का अंत किया लेकिन इससे पहले निचले क्रम में क्रिस वोक्स (55 गेंद में 38 रन) ने तेजी से रन जुटाकर मेजबान टीम को भारत के 471 रन के स्कोर के करीब पहुंचाया।

इंग्लैंड के निचले क्रम ने भारत की मजबूत बढ़त हासिल करने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया जिससे अब दोनों टीम की दूसरी पारियां बेहद महत्वपूर्ण हो गयी हैं। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने दूसरे सत्र में भी आसानी से बाउंड्री बटोरी और 23.4 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 138 रन जुटाए। प्रसिद्ध कृष्णा (128 रन पर तीन विकेट) ने शॉर्ट गेंद पर जेमी स्मिथ (40) और ब्रूक (99 रन, 112 गेंद, 11 चौके, दो छक्के) को आउट किया लेकिन अपनी 20 ओवर की गेंदबाजी में रन गति पर अंकुश लगाने में नाकाम रहे। ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने सिर्फ छह ओवर गेंदबाजी की जिससे उनके चयन पर सवाल उठने लगे हैं।

भारत की फील्डिंग निराशाजनक

मैच में अब तक भारत का क्षेत्ररक्षण उसकी सबसे कमजोर कड़ी रही है। ब्रूक को 82 रन पर बुमराह की गेंद पर यशस्वी जायसवाल ने दूसरा जीवनदान दिया। ब्रूक हालांकि इन मौकों का फायदा उठाकर शतक नहीं बना सके और 88वें ओवर में 99 रन के स्कोर पर प्रसिद्ध की गेंद पर शार्दुल को कैच दे बैठे। दूसरे दिन का खेल खत्म होने से पहले बुमराह की नोबॉल पर आउट होने वाले ब्रूक को 46 रन के निजी स्कोर पर जीवनदान मिला जब बाएं हाथ के स्पिनर रविंद्र जडेजा की तेजी से स्पिन होती गेंद पर विकेटकीपर ऋषभ पंत उनका कैच लपकने में नाकाम रहे। इसी ओवर में ब्रूक ने अपना 12वां टेस्ट अर्धशतक पूरा किया जिससे भारतीय टीम की हताशा बढ़ गई जिसने अब तक मैच में कई कैच टपकाये हैं।

भारत ने 80 ओवर के बाद नई गेंद ली थी लेकिन टीम इसका अच्छा इस्तेमाल नहीं कर पाई। टेस्ट शतक (भारत के खिलाफ 2018 में) जड़ चुके वोक्स ने सत्र के अंत में प्रसिद्ध की लगातार गेंदों पर मिड विकेट और थर्ड मैन पर छक्के मारे। उन्हें बुमराह ने बोल्ड किया जबकि मोहम्मद सिराज (122 रन पर दो विकेट) ने ब्राइडन कार्स (22) की पारी का अंत किया। इससे पहले इंग्लैंड ने दिन की शुरूआत तीन विकेट पर 209 रन से की और सुबह के सत्र में 28 ओवर में 118 रन जोड़े। भारत ने सुबह के सत्र में कल के शतकवीर ओली पोप (106 रन, 137 गेंद, 14 चौके) और इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (20) के विकेट चटकाए।

स्पीड न्यूज

मोहम्मदगंज में वाहन चेकिंग जारी

मोहम्मदगंज पलामू। स्थानीय पुलिस के नेतृत्व में मोहम्मदगंज जपला मुख्य मार्ग पर इन दिनों सघन चेकिंग अभियान जारी है। विभिन्न वाहन के कागजात, डीएल, हेलमेट और सीटबेल्ट समेत यातायात नियमों के पालन को लेकर चालकों को हिदायत भी दी जा रही है। मोहम्मदगंज थाना प्रभारी नारायण सोरेन ने बताया कि सड़क दुर्घटना और अवैध कारोबार पर अंकुश लगाना चेकिंग का मुख्य उद्देश्य है, यह आगे भी जारी रहेगा।

सर्पदंश पीड़ित इलाजरत युवक की मौत

सतबरवा पलामू। बलवंत सिंह नामधारी मेमोरियल कॉलेज के समीप रहने वाले दुलसुलमा गांव निवासी 40 वर्षीय विनोद सिंह नामक युवक की मौत सांप के काटने से शनिवार को देर रात तुंबागड़ा नवजीवन अस्पताल में इलाज के दौरान हो गयी। परिजनों ने बताया कि रात्रि में खाट पर सोये अवस्था में करैत सांप ने उसके गाल पर डंस लिया था। बिनोद को कुछ काटने का एहसास होने पर उसने सांप को पकड़ लिया और घटना की जानकारी पिता बृक्ष सिंह तथा पत्नी और बच्चों को दी। परिजन उसे नवजीवन अस्पताल तुंबागड़ा ले गये, जहां पर डॉक्टरों के काफी प्रयास के बाद भी युवक का जान नहीं बचाया जा सका। घटना के बाद परिवार बेहाल है।

हैदरनगर देवी धाम में हुई महाआरती

हैदरनगर पलामू। स्थानीय देवी धाम में महाआरती हुई। मौके पर पुरुष की अपेक्षा अधिक महिलाएं शामिल होकर मां का आशीर्वाद प्राप्त किये। सुख समृद्धि व शांति की कामना की। हर शुक्रवार को मंदिर को फूल माला से आकर्षक ढंग से सजाया जाता है, जिससे माहौल भक्तिमय था। इस विशेष अवसर पर पोखरा पर के विकास प्रजापति पत्नी यजमान उपस्थित हुए। महाआरती की अगुवाई पंडित सतेन्द्र दुबे ने यजमान को विधि विधान से पूजा करायी। मौके पर मीना देवी, राम प्रवेश मेहता, रिंकू सिंह, डाक्टर सतेन्द्र मेहता, प्रेम कुमार, पंकज कुमार, अंकित अग्रवाल, नंद सोनी भी थे।

प्रखंड जल स्वच्छता समिति की बैठक

पंडवा पलामू। प्रखंड सभागार में प्रखंड प्रमुख गीता मेहता की अध्यक्षता में प्रखंड जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक हुई। जिसमें गांव स्तर पर माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के तहत भस्मक निर्माण, ठोस कचरा प्रबंधन के तहत नाडेप, वर्मी कम्पोस्ट, तरल कचरा प्रबंधन के तहत सोख़्ता गड्ढा, गंदला जल प्रबंधन के तहत सेप्टिक टैंक के साथ सोख़्ता गड्ढा निर्माण इत्यादि हेतु सभी मुखिया पंचायत सचिव प्रखंड वाश समन्वयक को निर्देश दिया गया। साथ ही स्वच्छ स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 की शुरूआत प्रखंड पड़वा के प्रखंड प्रमुख एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी राजीव ने की। बैठक बीपीओ नीति सिन्हा, प्रखंड समन्वयक अमित चौबे, अजय कुमार, प्रीति दुबे, पंचायत सचिव प्रमोद कुमार, कुसुमलता, अमरेश राम, संतु कुमार, प्रखंड कार्यक्रम jslps अंकिता कुमारी, मुखिया सुमित्रा देवी, सुनीता देवी, कमला देवी, सिंधु देवी, शंकर साव, राजीव रंजन कुमार, कनीय अभियंता लव गुप्ता, नीतीश कुमार, अश्विनी सिंह उपस्थित थे।

सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों में धूमधाम से मनाया गया योग दिवस

हैदरनगर पलामू। प्रखंड के सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थानों में विश्व योग दिवस मनाया गया। प्रखंड परिसर में बीडीओ विश्व प्रताप सिंह ने अपने कर्मियों के साथ योगाभ्यास किया। कहा कि शिविर का मुख्य उद्देश्य लोगों को योग्य के महत्व के बारे में जागरूक करना है। इसके अलावा हैदरनगर पश्चिमी पंचायत परिसर में मुखिया शाहनाज परवीन की अगुवाई में कई लोगों के साथ योगाभ्यास किया। वहीं हैदरनगर उपडाकघर में डाक अभिकर्ता के साथ मिलकर योगाभ्यास किया। संचालन डाकघर अभिकर्ता सुरेंद्र ठाकुर ने किया। मौके पर अभिकर्ता राजेश कुमार, अरुण गुप्ता, भगवान सिंह, रिंकू सिंह, अशोक दुबे ने योगाभ्यास किया।

तीसरे दिन कोयल के जलस्तर में आयी कमी, 84 हजार क्यूसेक पानी बहाव जारी

मोहम्मदगंज (अनूप कुमार)। तीन दिन की लगातार बारिश से कोयल नदी में आया उफान अब कम होने लगा है। 2.10 लाख क्यूसेक पानी बहाव की मात्रा अब 84 हजार पर आ चुका है। विभागीय मानक आंकड़ा के मुताबिक फिलवक्त बराज गेट के ऊपर पानी का संग्रह ज्यादा होने से मुख्य नगर में पानी नहीं छोड़ा गया है, कारण मिट्टी की मात्रा ज्यादा है। दूसरे नहर पक्कीकरण निर्माण कार्य में लगी कंपनी का मशीन और वाहन अभी मुख्य नहर नवीनगर बिहार और झारखंड के कुछ क्षेत्र के किनारे स्थित है। कार्यपालक अभियंता विनीत प्रकाश ने बताया कि निर्माण कार्य में लगी कंपनी को यथाशीघ्र अपनी व्यवस्था को हटाने का पत्र के माध्यम से निर्देश दिया गया है।

पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने कॉग्निटस कोचिंग संस्थान का किया उद्घाटन

मेदिनीनगर। शहर के मिशन स्कूल के पास कॉग्निटस इंस्टीट्यूट खुला। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने किया। श्री त्रिपाठी ने कहा कि वर्तमान समय में सभी बच्चों का शिक्षित होना जरूरी है। शिक्षित व्यक्ति ही सभ्य समाज का निर्माण कर सकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही क्षेत्र व समाज में बदलाव आयेगा। उन्होंने कहा कि यह संस्थान अब क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाली लेकिन किफायती शिक्षा का मिसाल बनेगा। मेदिनीनगर में शिक्षण संस्थान खुलना शिक्षा के विकास का प्रतीक है।

प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन टीएसपीसी का सक्रिय सदस्य शंभु सिंह गिरफ्तार

- पुलिस मुठभेड़ में शामिल नक्सली के खिलाफ कई मामले हैं दर्जः एसडीपीओ

खबर मन्त्र संवाददाता

छतरपुर पलामू। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन टीएसपीसी दस्ता के सदस्य शंभु सिंह पिता अवध सिंह ग्राम पलवा टोला मोरचवा को छतरपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। छतरपुर एसडीपीओ अवध यादव ने प्रेस वार्ता कर बताया कि 24 अक्तूबर 2024 को झारखंड विधानसभा चुनाव के समय पुलिस अपनी दैनिक अभियान में थी। उस समय पुलिस अधीक्षक पलामू को गुप्त सूचना मिली थी कि प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन टीएसपीसी के जोनल कमांडर शशिकांत गंझू अपने दस्ते के साथ छतरपुर थाना क्षेत्र के तुरीदाग के जंगली पहाड़ी क्षेत्रों में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के इरादे से जमा है। इसी क्रम में टीएसपीसी और पुलिस के बीच मुठभेड़ हुआ था जिसमें नक्सली पर्चा समेत कई दैनिक सामान पुलिस ने जब्त किया था। गुप्त सूचना मिली कि प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन टीएसपीसी के दस्ता सदस्य शंभु सिंह ग्राम पलवा टोला मोरचवा छतरपुर के तरफ रंगदारी का पैसा उठाने आया है।

एंटी रैबीज के 600 व एंटी वेनम के 59 भाइल दवा है उपलब्ध : सिविल सर्जन

- सिविल सर्जन ने हरिहरगंज सीएचसी का किया निरीक्षण, कहा
- प्रत्येक टीवी के मरीज को दो बार में दिया जाता है छह हजार

खबर मन्त्र संवाददाता

मेदिनीनगर/ हरिहरगंज। जिले के सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार ने शनिवार को हरिहरगंज सीएससी का निरीक्षण किया। इस दौरान पाया कि सीएचसी में कुत्ता काटने की एंटी रेबीज 600 व सांप काटने की एंटी वेनम 59 फाइल दवा उपलब्ध है। कहा कि मानसून ब्रेक हुआ है जिससे मच्छर बढ़ने की संभावना है। इससे मलेरिया चिकनगुनिया व्हाट डेंगू का प्रकोप बढ़ने की संभावना है। उन्होंने कहा कि हरिहरगंज सीएससी में इसके लिए पर्याप्त मात्रा में दवा उपलब्ध है। प्रदूषण जल से डायरिया टायफाइड हेपेटाइटिस ए होनेका खतरा रहता है इसके लिए भी मात्रा में दावा है। उन्होंने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ गोपाल प्रसाद से कहा कि यह बॉर्डर एरिया है। कोरोना को लेकर उन्होंने निर्देश दिया कि इसकी पूरी तरह तैयारी रखें। कोरोना से सतर्क रहने की आवश्यकता है।

लापता बच्चे का शव तालाब से बरामद, शोक

मेदिनीनगर। रांची रोड दशगात्र मंडप के पास रहने वाले आनंद दुबे का पुत्र अर्पित दुबे और गुरुद्वारा रोड बेलवाटिका निवासी अनुराग तिवारी के पुत्र आरो तिवारी शनिवार शाम से ही लापता था। परिजनों ने सभी जगह दोस्त, परिवार में खोजबीन की फिर भी दोनों बच्चे का कुछ पता नहीं चला। खोजबीन में देर रात दोनों का शव रांची रोड के एक तालाब से बरामद हुआ। जानकारी मिलते ही टीओपी 2 के प्रभारी राकेश कुमार दल बल के साथ घटनास्थल पहुंच शव को कब्जे में लिया और पोस्टमास्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया।

अर्चना सोसाईटी ने सरस्वती विद्या मंदिर पब्लिक स्कूल में दिया योग का प्रशिक्षण

पाटन पलामू। अर्चना सोसाईटी ने हिसरा बरवाडीह सरस्वती विद्या मंदिर पब्लिक स्कूल में योग का नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया। मौके पर सचिव बहादुर मेहता ने बच्चों को योग का महत्व बताया। कहा कि नियमित योग करने से हम स्वस्थ्य रह सकते हैं। योग को दिनचर्या में शामिल करने की अपील की। मौके पर प्राचार्य अनुज मेहता, शिक्षक ललित प्रसाद सिंह, अमित पासवान, राकेश मेहता, मुकेश मेहता, बादल मेहता, अचल कुमारी, निशु कुमारी, अर्चना, प्रियंका, स्कूल के सभी विद्यार्थी शामिल थे।

मोहर्रम इंतजामिया कमेटी के खलीफा बने अमीर

चैनपुर पलामू। अंजुमन इस्लामुल मुस्लिमीन कमेटी के नेतृत्व में मोहर्रम इंतजामिया कमेटी चैनपुर के जनरल खलीफा के चुनाव को लेकर शुक्रवार को मदरसा में बैठक की गयी। जिसका सदारत हाजी मोहम्मद फारूक एवं संचालन जमालुद्दीन ने किया। बैठक में जनरल खलीफा के तीन उम्मीदवार आमिर रजा, डब्लू खान तथा जफरोज अंसारी सामने आये। इसके बाद मतदान कराया गया। मतदान में अमीर रजा को 208, डब्लू खान को 54 तथा जफरोज अंसारी को 92 मत मिले। आमिर राजा 208 मत प्राप्त कर मोहर्रम इंतजामिया कमेटी के जनरल खलीफा बने। बैठक में जनरल खलीफा के सहयोग के लिए सद्दाम हुसैन, अलाउद्दीन, समीर रजा, रफीक खान को खलीफा बनाया गया। अमीर ने कहा कि इस वर्ष मोहर्रम शांति और सौहार्द के साथ धूमधाम से मनाया जायेगा।

रेहला पुलिस ने वर्षों से फरार चल रहे दो आरोपियों के घर चिपकाया इश्तेहार

खबर मन्त्र संवाददाता

विश्रामपुर (पलामू)। जिले के रेहला थाने की पुलिस ने रविवार को लगभग 12 वर्षों से फरार चल रहे दो आरोपियों के घर पर इश्तेहार चिपकाया है। रेहला थाना प्रभारी गुलशन बिरुआ ने बताया कि गढवा जिले के डंडा थाने के कोटा गांव निवासी चंदन राम पिता स्व मंगल राम व बाबूलाल राम का बेटा मुन्ना राम के घर पर ढोल बजाकर ग्रामीण व आरोपियों के परिजनों की उपस्थिति में इश्तेहार चिपकाया गया है। थाना प्रभारी श्री बिरूआ ने बताया कि रेहला थाने का कांड संख्या 41/2013 व जीआर 10/ 86 2013 में दोनों आरोपी फरार चल रहे हैं। इश्तेहार चिपकाने गये रेहला थाने के एएसआई कुशेश्वर सिंह ने बताया कि इश्तेहार चिपकाने के बाद आरोपियों के परिजनों को जल्द ही आत्मसमर्पण कराने के लिए कहा गया है। ताकि माननीय न्यायलय से निर्गत आदेशों का अनुपालन कराया जा सके।

वाहन के धक्के से युवक की मौत

सतबरवा पलामू। थाना क्षेत्र के बकोरिया स्थित रांची मेदिनीनगर मुख्य मार्ग पर रविवार को पैदल साइकिल से चल रहे एक युवक को सवारी वाहन अपने चपेट में ले लिया। खून से लथपथ स्थिति में उसे तुंबागड़ा नवजीवन अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि मो मुकीम अंसारी (35) साइकिल लेकर पैदल सड़क किनारे चल रहा था। इसी दौरान सवारी वाहन (जेएच 03 एक्स 7177) मेदिनीनगर से रांची जाने में चपेट में ले लिया।

जल संकट निदान के लिए जिला में चलेगा पौधरोपण अभियान : मंगल

खबर मन्त्र संवाददाता

मेदिनीनगर। भीषण गर्मी और जल संकट को देख नगर निगम के प्रथम उपमहापौर मंगल सिंह ने पौधरोपण एवं जल संचयन हेतु संकल्प अभियान को लेकर प्रेस वार्ता की। श्री सिंह ने कहा- जैसा कि लगातार पिछले 3 वर्षों से हमारी टीम यह अभियान चला रही है। इस चौथे वर्ष भी नगर निगम मेदिनीनगर और पलामू के अन्य ग्रामीण इलाकों में भी यह अभियान व्यापक रूप से चलाया जायेगा। कहा कि गर्मी में इस शहर के लोग जिस तरह पानी का किल्लत झेलते हैं इसका समाधान जरूरी है। पूरे शहर के साथ आसपास गांव में भी जलस्तर काफी निचे चला गया है, जिससे आम जन के साथ-साथ जानवरों को भी पानी पीने के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है हलाकि हम अपने स्तर से यथा हर संभव प्रयास कर हमने घर में सप्लाई के पानी को निरंतर रखा।

पाटन से पदमा तक पथ शिलान्यास के बावजूद संवेदक ने शुरू नहीं किया कार्य

मनीष दुबे

पाटन पलामू। पाटन मुख्य पथ से पदमा तक पथ का शिलान्यास कार्य होने के बावजूद संवेदक द्वारा कार्य शुरू नहीं किया गया है जिससे लोगों में संवेदक के विरुद्ध आक्रोश है। मालूम हो कि पाटन से पदमा मुख्य पथ की स्थिति अत्यंत दयनीय हो गयी है जिसमें लोगों का चलना मुश्किल हो गया है। इस सड़क का शिलान्यास कार्य किये हुये एक महीने से ज्यादा हो गया है लेकिन अभी तक उस पथ में कार्य शुरू नहीं किया गया है। जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पाटन पदमा मुख्य पथ पर बड़े बड़े गढे हो गये हैं। बरसात आ जाने से गढ़े में पानी भर गया है जिससे दो पहिया व चार पहिया वाहन दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ इस बरसात के मौसम में रोड पर पानी किचड़ जमा हो जाने से लोगों को चलना मुश्किल हो गया है। इस पथ के शिलान्यास हो जाने से लोगों में हर्ष व्याप्त था। लोग रोड बनने को लेकर आशा भरी निगाहों से देख रहे थे लेकिन मुख्य पथ में कार्य प्रारंभ नहीं होने से लोगों में मायूषी देखी जा रही है। इस पथ से हजारों गाड़ियों का रोज आना जाना होता है। यह पथ पाटन नावा जयपुर मनातु थाना को जोड़ता है। लोगों ने अविलंब मुख्य पथ में कार्य करने की मांग की है।

पहली बारिश के बाद सड़क की स्थिति।

समता स्कूल समेत सभी संस्थाओं में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

- लोगों ने योग करें निरोग रहें नारा को किया बुलंद

खबर मन्त्र संवाददाता

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास करते लोग।

हुसैनाबाद पलामू। शहर के अमन चैन मोहल्ला एवं नहर मोड स्थित समता स्कूल परिसर में आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विद्यालय के निर्देशक सह प्रधानाचार्य डॉक्टर अक्षय कुमार चौहान के द्वारा योग दिवस मनाने के साथ-साथ कुछ पौराणिक योग के संबंध में उपस्थित बच्चों को तथा शिक्षक शिक्षाओं को योग शिक्षा प्रदान की गई। विद्यालय के परंपरा ऐसी रही है कि हर शनिवार के दिन साप्ताहिक योग दिवस का कार्यक्रम नियम अनुसार चलाई जाती है। मौसम के प्रतिकूल रहने के बावजूद उपस्थित शिक्षक और शिक्षार्थी सबों ने योग कार्यक्रम का आनंद की अनुभूति प्राप्त की। मौके पर उपस्थित विद्यालय के शिक्षक विनोद चौधरी, संतोष मिश्रा, किरण देवी, अंजली सिंह, सुधांशु कुमार सिंह, अनुज कुमार सिंह, विनोद कुमार सिंह, राहुल गुप्ता, राहुल चौहान, प्रियंका देवी, दशरथ कुमार, रिमझिम देवी, प्रियंका देवी, सानिया खातून, प्रियंका देवी, सुभाष कुमार शकुंतला देवी, बबिता देवी, रीना देवी, उम्म जहरा, मुकेश कुमार, चांदनी कुमारी, अंशी कुमारी, संजीत कुमार, नंदू प्रजापति, अनूप पांडे एवं परिचारिका विमला कुंवर एवं सैकड़ों छात्राएं भी मौजूद थे।

स्पीड न्यूज

बारिश की पानी घुसने से शहर के निचली इलकों में परेशानी का सबब

दुमका। बारिश ने उपराजधानी दुमका निचली इलाकों में रहने वालों लोगों के लिए एक बार फिर मुसीबत खड़ी कर दी है। दोपहर को हुई बारिश से शहर के बक्सी बांध, मजिस्ट्रेट क्लोनी समेत अन्य निचली इलाकों के एक बड़ी घनी आबादी को प्रभावित की है। लोगों के घरों में बारिश का पानी घुस गया। जिससे घंटो लोग घरो के अंदर कैद रहने को मजबूर रहे। घंटो बाद पानी के निकासी के बाद हालात समान्य हुए। बारिश के पानी घरो में घुसने से लोगों के कीमति समान समेत वाहनों को नुकसान पहुंचा। यहां बता दें कि यह पहली घटना नहीं है।

चाकू घोंपकर हत्यारोपी पति 40 दिन बाद गिरफ्तार, गया जेल

दुमका। पत्नी की चाकू घोंपकर हत्या करने मामले में आरोपी पति मिथुन राय को 40 दिन बाद साहिबगंज जिला से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पति मिथुन राय को जिले के गोपीकांदर पुलिस ने बरहेट थाना क्षेत्र के डोराय संथाल बस्ती से गिरफ्तार किया है। रविवार को मिथुन को दुमका जेल भेज दिया गया है। थाना प्रभारी सुमित कुमारभगत ने बताया कि घायल शिवरतिया देवी के फर्द बयान पर गोपीकांदर थाना में आरोपी पति मिथुन राय के खिलाफ बीएनएस के धारा के तहत हत्या का प्राथमिकी दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि आरोपी मिथुन राय के निशानदेही पर पाकुड़ जिले के महेशपुर थाना अंतर्गत बलियाडंगाल गांव के तालाब से हत्या में प्रयुक्त चाकू को पुलिस ने बरामद किया है।

सीपीएम आंतरिक लोकतंत्र को पूरी तरह करती है लागू: राज्य सचिव

दुमका। सीपीएम ही देश में एकमात्र राजनीतिक दल है। जहां आंतरिक लोकतंत्र को पूरी तरह लागू होता है। सीपीएम में नेता उपर से नहीं थोपे जाते, बल्कि नीचे से चुने गए प्रतिनिधियों द्वारा हर स्तर की कमेटी चुनी जाती है। जो अपनी कमेटियों के सचिवों का निर्वाचन करते हैं। पार्टी प्रत्येक तीन वर्ष पर आयोजित होने वाले अपने अखिल भारतीय महाधिवेशन से तीन महीने पहले ही केंद्रीय कमेटी द्वारा स्वीकृत राजनीतिक प्रस्ताव का मसौदा जारी करती है।

बीएसएल टाउनशिप क्षेत्र के टेलीफोन बूथ संचालकों के लिए गाइडलाइन जारी

बोकारो। बोकारो इस्पात सयंत्र ने बोकारो इस्पात टाउनशिप क्षेत्र में टेलीफोन बूथ के संचालन के लिए कुल 201 टेलीफोन बूथ आवंटित किया था जिसका स्थानीय जांच का सर्वे 2025 में किया गया। तदुपरांत सभी टेलीफोन बूथ लाइसेंस धारकों को टेलीफोन बूथ को संचालित करने के लिए नये नियम एवं शर्तों के साथ पत्रों के माध्यम से सूचना दी गयी जिसके तहत लाइसेंसी को अपने-अपने टेलीफोन बूथ का रिन्यूअल /रेगुलराइजेशन की प्रक्रिया के लिए दिए गए प्रारूप में अपने-अपने स्व-अभिप्रमाणित दस्तावेज के साथ नगर सेवा विभाग के टीए-एलआरए विभाग से तुरंत संपर्क करना है।

बाइक सवार युवक पुल के रेलिंग से टकराया हुई मौत

बेरमो / कथारा। युवाओं के द्वारा तेज रफ्तार मे बाइक चलाना और बाइक से स्टंट करना उनके लिए सिधे सिधे दुर्घटना को निमंत्रण देना साबित हो रहा है। इसी का एक दर्दनाक नजारा आज लगभग 11 बजे के आसपास बोकारो थर्मल ओवर ब्रिज पर उस समय देखने को मिला जब कथारा भलटुंगरिया बस्ती निवासी हिरालाल गोप का 25 वर्षिय पुत्र रोशन कुमार साइन बाइक संख्या जेएच 02 एए 7478 से कथारा से बोकारो थर्मल जाने के क्रम में बोकारो थर्मल ओवर ब्रिज पर लगे रेलिंग से जा टकराया और वह बुरी तरह गिर कर घायल हो गया। लोगों द्वारा आनन फानन उसे उठाकर बोकारो थर्मल डीवीसी अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने जांच उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया।

रेलवे स्टेशन से कोयला डंपिंग यार्ड हटाने की मांग को लेकर धरनार्थियों व आरपीएफ में ठनी

तिरपाल बिछाने से मना किया तो जबरदस्ती जमीन पर ही बैठ गये धरनार्थी, धरनार्थियों को समर्थन मिला आंदोलनकारी मुन्नी हांसदा का

खबर मन्त्र संवाददाता

धरनार्थियों को हटाने पहुंची आरपीएफ पुलिस, नोक-झांक होती धरनार्थियों व आरपीएफ पुलिस में

दुमका। रेलवे स्टेशन पर बने कोयला डंपिंग यार्ड को हटाने की मांग को लेकर विगत पांच वर्षों से शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे रसिकपुर और आसपास के ग्रामीणों द्वारा रेलवे स्टेशन परिसर में लगातार धरना प्रदर्शन जारी है। लेकिन रविवार को धरना देने पर आरपीएफ और धरनार्थियों के बीच जबरदस्त विवाद उत्पन्न हो गया। एक ओर जहां आरपीएफ के इंचार्ज मनोज कुजूर धरनार्थियों से स्टेशन परिसर पर धरना देने से मना कर रहे थे। वहीं दूसरी ओर आंदोलन का नेतृत्व कर रहे रविशंकर मंडल ने नारा लगाते हुए जमीन पर बैठकर ही धरना स्थल पर अड़े रहे। यह बताते चलें कि जब से दुमका रेलवे स्टेशन पर कोयला डंपिंग यार्ड बनाया गया है। जिससे आसपास के लोगों का जीना मुहाल हो गया। जिसको लेकर ग्रामीण लगातार धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। अभी तक सब ठीक-ठाक चल रहा था। लेकिन रविवार को अचानक आरपीएफ कर्मी धरनार्थियों से स्टेशन परिसर पर धरना देने से मना कर रहे थे।

इसी को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया। नौबत यहां तक आ गई की जब धरनार्थी तीरपाल बिछाने लगे तो आरपीएफ कर्मी जबरदस्ती उसे हटाने लगे। जिससे नाराज होकर धरनार्थी नारेबाजी करते हुए जमीन पर ही बैठ गए। आंदोलनकारियों का कहना है कि जब प्रदुषण रेलवे स्टेशन से फैल रहा है तो धरना हम कहां देंगे। आप प्रदुषण रोक देंगे तो हम भी धरना प्रदर्शन रोक देंगे। धरना प्रदर्शन रोक के सवाल पर आरपीएफ इंचार्ज और स्टेशन प्रबंधक के बीच तालमेल का अभाव दिखा। जहां आरपीएफ इंचार्ज मनोज कुजूर ने कहा कि अगर धरना प्रदर्शन करना है, तो रेलवे स्टेशन परिसर से बाहर निकल कर कीजिए। उन्होंने स्टेशन प्रबंधक से भी बातचीत नहीं किया। दूसरी ओर स्टेशन प्रबंधक टीपी यादव इस मामले को लेकर नरम रूख अख्तियार कर धरनार्थियों को समझाने का प्रयास में जुटे रहे। इधर स्थानीय लोगों के समर्थन में आंदोलन कर रही मुन्नी हांसदा रैयतों के साथ धरनार्थियों के समर्थन में धरना पर बैठ गई। मुन्नी हांसदा ने कहा कि सरकार सभी नियम कानून ताक पर रख कर कोयला खनन किया जा रहा है। जबकि रैयत अपने अधिकार से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि पंचुवाड़ा से लेकर दुमका तक आम आदमी परेशान हैं। लेकिन सरकार सिर्फ जनता को अपने फायदे के लिए लूटने में लगी है। उन्होंने कहा कि अब चरणबद्ध तरीके से आंदोलन शुरू करते हुए सरकार को मजबूर करेंगे। रैयतों को उसका हक देना ही होगा और दुमका रेलवे स्टेशन पर बने कोयला डंपिग यार्ड को हटाना ही पड़ेगा। इधर धरना के बाद आस के ग्रामीणों के साथ मुन्नी हांसदा रैयतों के साथ आंदोलन के रूप रेखा तैयार करने में व्यस्त दिखी। रैयतों ने कहा कि चन्द दलाल किस्म के शिक्षित ग्रामीण डब्ल्यू बीपीडीसीएल और बीजीआर कंपनी से मिलकर ग्रामीणों के साथ अन्याय कर रही हैं। इसका गंभीर परिणाम सरकार को भुगतना पड़ सकता है। धरना प्रदर्शन कर विरोध करने वालों में हेमंत श्रीवास्तव,संजय मंडल, गोवर्धन मंडल, विमल मरांडी, मुन्नी हंसदा, विष्णु यादव, अभय गुप्ता, मनोज पंडित,एनएन पंडित,डिस्को मंडल,लालटू दे आदि मौजूद रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल एवं पूर्व सीएम रघुवर दास ने की संगठनात्मक चर्चा

मुलाकात करते पूर्व सीएम बाबुलाल मरांडी एवं रघुवर दास

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी और पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के बीच संथाल परगना दौरे के दरम्यिन दुमका परिसदन भवन में रविवार को मुलाकात हुई। इस दौरान दोनों नेताओ ने पार्टी संगठन और राज्य की राजनीति से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा किया।विशेष रूप से संताल परगना के उन मुद्दों पर चर्चा हुई जिसके आधार पर भाजपा इस इलाके में जनता के बीच पहुंच रही है। रघुवर-बाबूलाल मुलाकात के दौरान संताल परगना में भाजपा संगठन को मजबूत करने और पार्टी के जनाधार को बढ़ाने के लिए किए जाने वाले कार्यक्रमों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ है। इस बीच पार्टी कार्यकताओं से संगठन मजबूत करने पर चर्चा हुई। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास दो दिनों से संताल परगना के प्रवास पर हैं।इधर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी रविवार को सुबह इंटरसिटी ट्रेन से दुमका पहुंचे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास 21 जून को पाकुड़ के लिट्टीपाड़ा में एक आदिवासी संगठन द्वारा आयोजित जन चौपाल कार्यक्रम में शामिल हुए थे।आज रघुवर दास साहिबगंज के भोगनाडीह में अमर शहीद सिदो कान्हू मुर्मू के वंशजों से भेंट करेंगे और बरहेट में जन चौपाल कार्यक्रम में जनता से सीधा संवाद करेंगे। यहां बता दें कि गत लोकसभा और विधान सभा चुनावों में संताल परगना में भाजपा का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा था।

हेमंत सरकार के खिलाफ भाजपा करेगी आक्रोश प्रदर्शन 24 जून को

कार्यकर्ता जनसेवा के संकल्प के साथ समर्पित भाव से करें कार्य: प्रदेश अध्यक्ष

खबर मन्त्र संवाददाता

बैठक को संबोधित करते प्रदेश अध्यक्ष व उपस्थित कार्यकर्त्ता

दुमका। भाजपा जिला इकाई की संगठनात्मक बैठक रविवार को अग्रसेन भवन में आयोजित हुई। बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी उपस्थित रहे। साथ में राज्य के प्रथम प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व सांसद अभयकांत प्रसाद, पूर्व सांसद सुनील सोरेन एवं दुमका जिला चुनाव अधिकारी प्रकाश सेठ मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष गौरवकांत ने किया। इस अवसर पर जिला एवं मंडल पदाधिकारी, सभी मोर्चों के अध्यक्ष, महामंत्री, मंडल अध्यक्ष, पूर्व प्रत्याशी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, सदस्यता अभियान, बूथ सशक्तिकरण एवं जनसंपर्क को लेकर विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने संगठन विस्तार की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। आगामी 24 जून को भाजपा दुमका जिला के प्रत्येक प्रखंड मुख्यालय में आक्रोश प्रदर्शन आंदोलन करने का निर्णय लिया गया। जिससे राज्य सरकार की विफलताओं के खिलाफ जनभावनाओं को मुखर किया जा सके। साथ ही 30 जून को वीर शहीद सिदो-कान्हू की जयंती को जिले भर में धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। जिसमें पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय जनता व्यापक रूप से भाग लेंगे। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष श्री मरांडी ने कहा कि भाजपा का संगठन ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। हर कार्यकर्ता को जनसेवा के संकल्प के साथ समर्पित भाव से कार्य करना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने और विपक्ष के झूठे प्रचार का तथ्यात्मक जवाब देने का भी आह्वान किया। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री रविकांत मिश्रा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य परितोष सोरेन, सुरेश मुर्मू, डॉ अंजुला मुर्मू, अमिता रक्षित, शर्मिला सोरेन, अमरेंद्र सिंह, महामंत्री मनोज पांडे, पवन केसरी, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद सिंह बिट्टू, दीपक स्वर्णकार जिला मीडिया सह प्रभारी नवल किस्कू आदि उपस्थित थे।

सरकारी लापरवाही ने छीन ली 13 साल की मासूम बच्ची की जिंदगी

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। जिले के ठाकुर गंगटी थाना क्षेत्र के मदन चौकी गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। यहां एक 13 वर्षीय मासूम बच्ची की मौत का कारण कोई गंभीर बीमारी या बड़ा हादसा नहीं, बल्कि सरकारी व्यवस्था की लापरवाही और एंबुलेंस सेवा की सुस्त रफ्तार बनी। बच्ची की जान बचाई जा सकती थी, अगर मदद समय पर पहुंची होती। गांव के निवासी संतोष महतो की 13 साल की बेटी दोपहर करीब 1 बजे अपने घर की छत पर खेल रही थी। खेल-खेल में उसका संतुलन बिगड़ा और वह नीचे आंगन में जा गिरी। गिरते ही बच्ची को गंभीर चोटें आईं, सिर से खून बहने लगा और वह बेहोश हो गई। घर में कोहराम मच गया।परिजनों ने तुरंत उसे उठाया और प्राथमिक इलाज के लिए आसपास के ग्रामीण डॉक्टरों से संपर्क किया, लेकिन चोटें इतनी गंभीर थीं कि डॉक्टर ने तत्काल अस्पताल ले जाने की सलाह दी। ऐसे में परिजनों ने झारखंड सरकार की आपातकालीन 108 एंबुलेंस सेवा पर कॉल करना शुरू किया।तीन घंटे तक केवल 'थोड़ी देर में पहुंच रही है' का आश्वासन परिजनों ने बार-बार 108 नंबर पर कॉल किया।

हर बार एक ही जवाब मिलता – 'एंबुलेंस रास्ते में है', 'थोड़ी देर में पहुंच रही है', 'थोड़ा इंतजार कीजिए'। लेकिन इंतजार लंबा होता गया। एक घंटा... दो घंटे... तीन घंटे..., लेकिन न एंबुलेंस पहुंची, न कोई मदद।इस दौरान बच्ची की हालत और बिगड़ती गई। उसका शरीर ठंडा पड़ने लगा, सांसें उखड़ने लगीं। घबराए परिजन किसी भी साधन से उसे अस्पताल ले जाना चाहते थे, लेकिन गांव की दूर-दराज स्थिति और कोई भी निजी वाहन उपलब्ध न होने के कारण वे असहाय रह गए।आखिरकार, तीन घंटे की असहाय प्रतीक्षा के बाद बच्ची ने अपने पिता की गोद में ही अंतिम सांस ली। संतोष महतो की आंखों के सामने उसकी लाडली तड़प-तड़प कर दम तोड़ गई। उस दर्द को बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं।संतोष महतो ने बताया, ह्लमैं बार-बार 108 पर कॉल करता रहा। हर बार कहा गया कि एंबुलेंस रास्ते में है। लेकिन वो कभी आई ही नहीं। अगर समय पर गाड़ी मिल जाती, तो मेरी बेटी बच सकती थी।ह्वप्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पर सवाल यह घटना सिर्फ एक बच्ची की मौत नहीं, बल्कि सरकारी तंत्र की नाकामी का जीता-जागता उदाहरण है।झारखंड की बहुचर्चित 108 एंबुलेंस सेवा की सच्चाई फिर सामने आ गई है।सवाल यह उठता है कि यदि 3 घंटे तक भी एक आपात सेवा गांव तक नहीं पहुंच सकती, तो फिर इसका औचित्य क्या है? यह मामला स्वास्थ्य व्यवस्था की जमीनी हकीकत उजागर करता है।गांव में आक्रोश, मांग हो रही है जवाबदेही की इस दर्दनाक घटना के बाद मदन चौकी गांव में शोक के साथ आक्रोश भी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई हो।

हर बच्चे को मिले शिक्षा का अधिकार

शिक्षा जिला प्रशासन की प्राथमिकता में है : उपायुक्त

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। जन समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के उद्देश्य से समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए आम नागरिकों ने अपनी व्यक्तिगत सामाजिक भूमि विवाद शिक्षा सामाजिक सुरक्षा राजस्व ग्रामीण विकास और अन्य विभागीय समस्याएं उपायुक्त अजय नाथ झा के समक्ष रखीं। एक विशेष मामले में रिंकी देवी के बच्चियों के नामांकन हेतु उपायुक्त ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल राजकीयकृत विद्यालय के प्रधानाचार्य को दोनों बच्चियों का मौके पर ही नामांकन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है और इसे सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता में है। जनता दरबार में 25 से अधिक व्यक्तियों ने आवेदन दिए और शिकायतें दर्ज कराईं। उपायुक्त ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को एक-एक प्रकरण का समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनता दरबार के उपरांत जिले के विभिन्न सामाजिक संगठनों स्वैच्छिक संस्थाओं ने उपायुक्त अजय नाथ झा से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान सभी ने उन्हें उनके पदभार ग्रहण करने पर शुभकामनाएं दीं। साथ ही क्षेत्रीय समस्याओं से संबंधित विषय साझा किया। उपायुक्त ने सभी को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। मौके पर डीपीएलआर मेनका अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी जिला जन संपर्क पदाधिकारी रवि कुमार सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा पीयूष सहायक जन संपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर में

बंग्लादेशी घुसपैठ नागरिकों की समस्या ही नहीं राष्ट्रीय सुरक्षा का अहम विषय: राष्ट्रीय अध्यक्ष

प्रेसवार्ता करते पार्टी अध्यक्ष व अन्य

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। जनहित पार्टी की घुसपैठियों भगाओ देश बचाओ यात्रा दुमका पहुंची। यह यात्रा 8 जून को देवघर जिले से प्रारंभ हुई। जो की संथाल परगना के प्रत्येक जिले व प्रखंड से होकर 30 जून हूल दिवस के अवसर पर देवघर पहुंच समापन होगी।

दुमका में यह यात्रा वीर कुंवर सिंह की मूर्ति से प्रारंभ होकर शिव पहाड़ पहुंची। जहां जन जागरण किया। सभी दुकानदार व जनता को पत्रक वितरण किया गया। वही घुसपैठियों को नागरिकता क्यों ऐसा नारा लिखा हुआ स्टीकर चिपकाया गया। साथ में चौक चौराहों पर नागरिकों को संबोधित किया गया। जनहित पार्टी के कार्यकताओं ने हाथों में तख्ती और बैनर लेकर पोखरा चौक पर प्रदर्शन किया। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय जैन ने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों की जो समस्या है। वह केवल एक देश से दूसरे देश में आए नागरिकों की समस्या नहीं है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के विषय से जुड़ा है। चुकी जब किसी क्षेत्र में घुसपैठियों की संख्या में वृद्धि होती है। वहां अनैतिक ,आतंकवादी घटनाओं में वृद्धि होती है। वहां के स्थानीय रोजगारों में सभी के साथ वहां के संसाधनों का बंटवारा हो जाता है।

भारत में लगभग तीन करोड़ बांग्लादेशी घुसपैठी मौजूद है। अनेक आंदोलनों और प्रयासों से असम में एनआरसी लागू हुआ। लेकिन असम की भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार के कारण 80 लाख बांग्लादेशी घुसपैठिए जल्दी भारत की नागरिक बनने जा रहे हैं। संथाल परगना के बारे में उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र भी सीमावर्ती होने के कारण यहां भी बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या वृद्धि हुई है। स्पेशल ब्रांच की पुलिस मुख्यालय की रिपोर्ट के अनुसार यहां संथाली लड़कियों को बहला फुसलाकर 10 हजार एकड़ जमीन पर घुसपैठियों ने जमीन पर कब्जा कर लिया है। यात्रा में प्रमुख रूप से पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री मनीष काले, उत्तम ओझा, झारखंड प्रभारी विशाल बिंदल एवं दुमका जिला संयोजक गया प्रसाद साह आदि उपस्थित रहे।

सहोदया बोकारो के विवाद का हुआ पटाक्षेप, डॉ. गंगवार ने सूरज शर्मा को दी बधाई

बोकारो। डॉ राधाकृष्णन सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स बोकारो में किसी तरह का कोई विवाद नहीं है। सभी एक परिवार की तरह है। परिवार में कभी-कभार ऊपर-नीचे होते रहता है। सबकुछ ठीक है- सभी स्कूलों को साथ लेकर बोकारो में शिक्षा का उचित वातावरण तैयार किया जायेगा। जिससे बोकारो का एजुकेशन बेस्ट होगा। ये बातें डॉ राधाकृष्णन सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स बोकारो के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सूरज शर्मा ने कही। श्री सूरज शर्मा ने स्पष्ट कहा कि सभी स्कूलों को साथ लेकर शिक्षा के क्षेत्र में नया इतिहास लिखा जायेगा और पुनः राष्ट्रीय स्तर पर बोकारो का नाम शिक्षा के क्षेत्र में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। सहोदया बोकारो के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सूरज शर्मा ने जीजीपीएस बोकारो के प्राचार्य सह सहोदया बोकारो के पूर्व उपाध्यक्ष सोमेन चक्रवर्ती जीजीपीएस-चास के प्राचार्य सह सहोदया बोकारो के पूर्व कोषाध्यक्ष अभिषेक कुमार के साथ डीपीएस बोकारो के प्राचार्य सह सहोदया बोकारो के पूर्व अध्यक्ष डॉ एएस गंगवार से मुलाकात की। श्री शर्मा ने डॉ गंगवार को पौधा भेंट कर अभिवादन किया। डॉ एएस गंगवार ने सूरज शर्मा को पौधा भेंट कर बधाई दी। श्री शर्मा ने डॉ एएस गंगवार से भविष्य में भी मार्गदर्शन व अनुभव का लाभ देने की बात कही। डॉ एएस गंगवार ने हर संभव सहयोग व हमेशा मार्गदर्शन की बात कही।

कसमार प्रखंड परिसर में सेचुरेशन कैंपेन के शिविर का आयोजन

बोकारो/कसमार। कसमार प्रखंड परिसर में सेचुरेशन कैंपेन के तहत कसमार प्रखंड स्तरीय जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। शिविर में जनजातीय बहुल गांव सिल्लीसाड़म सोनहर पोंडा त्रियोनाला केदला लोदकियारी चौड़ा मेहरमहारा गुमनजारा करकट्टाकला आदि गांवों के लोग शामिल हुए। जिसमें पीवीटीजी हैबिटेशन के तहत एसटी गांवों में चलाये जा रहे महत्वपूर्ण सरकारी योजना आधार कार्ड राशन कार्ड पोषण अभियान किसान क्रेडिट कार्ड आयुष्मान कार्ड जाति आवासीय आय प्रमाण पत्र पीएम आवास योजना टीबी मुक्त भारत मिशन इंद्रधनुष घरेलू गैस कनेक्शन पीएम मातृ वंदना योजना प्रधानमंत्री जन-धन योजना मुद्रा योजना किसान योजना वृद्धावस्था विधवा दिव्यांग पेंशन योजना पीएमएसबीआई पीएमजेजेआई आदि योजनाओं का ऑन द ग्राउंड सर्विस डिलीवरी से लाभान्वित किया गया।

भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद

बोकारो। उपायुक्त बोकारो अजय नाथ झा के निदेर्शानुसार एवं सहायक आयुक्त उत्पाद बोकारो के मार्गदर्शन में जिला उत्पाद बल द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर जिला उत्पाद टीम ने पिंड्राजोरा थाना अंतर्गत कांडरा स्थित एनएच किनारे खड़े एक संदिग्ध ट्रक की तलाशी ली। तलाशी के क्रम में उक्त ट्रक नं पीबी 46 एम 8164 से 888 गोल्ड व्हिस्की ब्रांड की 750 मिलीलीटर की कुल 900 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की गई। छापामारी के दौरान मौके से ट्रक चालक हरप्रीत सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में शराब की तस्करी से संबंधित अहम सुराग मिलने की संभावना है। मामले में आगे की जांच-पड़ताल जारी है। छापामारी दल में निरीक्षक उत्पाद विजय कुमार पाल अवर निरीक्षक सदर-सह-तेनुघाट सन्नी विवेक तिर्की एवं अवर निरीक्षक बेरमो-सह-चंदपुरा महेश दास एवं उत्पाद बल के अन्य जवान उपस्थित थे।

चिन्मय विद्यालय में 11 वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस धूमधाम से मनाया गया

बोकारो। चिन्मय विद्यालय बोकारो में 11वॉ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस विद्यालय के तेजोमयानन्द सभागार में धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा एवं शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्राइमरी विंग चतुर्थ ग्यारहवीं एवं बारहवीं के साथ-साथ कक्षा प्रथम एवं द्वितीय के लगभग 1700 विद्यार्थियों एवं 100 से अधिक शिक्षक-शिक्षिकाओं ने योग उत्सव धूमधाम से मनाया। वरीय शारीरिक शिक्षक हरिहर पांडेय ने सूर्य नमस्कार का प्रदर्शन किया एवं सभी को इसके महत्व को समझाया। वहीं प्रांजल सेकिया एवं संजीव कुमार ने ताड़ासन वज्रासन भुजंगासन जैसे कई आसन एवं प्राणायाम का प्रदर्शन किया। प्राचार्य सूरज शर्मा ने कहा कि योग के माध्यम से हम खुद भी शारीरिक और मानसिक रूप से तो स्वस्थ रहेंगे ही साथ ही पूरा समाज स्वस्थ होगा। हरिहर पांडेय संजीव सिंह एवं प्रांजल सेकिया ने सभी को योग करने एवं योग करने के लिए प्रेरित किया। मौके पर विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी ने कहा कि भारत ने योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई और योग के जरिए सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा दिया। भारत के विश्व गुरु बनने का समय है। इस दौरान उप-प्राचार्य नरमेन्द्र कुमार गोपाल चंद्र मुंशी राहुल रॉय उपस्थित थे। रण विजय ओझा ललिता उरांव नितेश पांडेय प्रवीण कुमार विशाल मौर्य आदर्श आचार्या और अन्य शिक्षकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में बहुमूल्य योगदान दिया।

सीतामढ़ी के पुनौरा धाम में बनेगा अयोध्या जैसा भव्य मंदिर

मां जानकी मंदिर का डिजाइन हुआ फाइनल : नीतीश

खबर मन्त्र संवाददाता

पटना। बिहार में सीतामढ़ी जिले के पुनौरा धाम में भव्य मां जानकी मंदिर का डिजाइन फाइनल हो गया है। मुख्यमंत्री नीतीश ने रविवार को स्वयं एक्स पर इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सुबह सुबह बताया कि मां जानकी मंदिर का डिजाइन फाइनल हो गया है और अयोध्या राम मंदिर की तर्ज पर ही मां जानकी मंदिर का निर्माण होगा।

मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही अपने सोशल मीडिया पर फाइनल डिजाइन की तस्वीरें भी साझा की हैं।

नीतीश ने कहा कि मुझे बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि जगत जननी मां जानकी की जन्मस्थली पुनौराधाम, सीतामढ़ी को समग्र रूप से विकसित किए जाने के लिए भव्य मंदिर सहित अन्य संरचनाओं का डिजाइन अब तैयार हो गया है, जिसे आपके साथ साझा किया जा रहा है। इसके लिए एक ट्रस्ट का भी गठन कर दिया

गया है ताकि निर्माण कार्य में तेजी आ सके। हमलोग पुनौराधाम, सीतामढ़ी में भव्य मंदिर निर्माण शीघ्र पूरा कराने के लिए कृतसंकल्पित हैं। पुनौराधाम में मां जानकी के भव्य मंदिर का निर्माण हम सभी बिहारवासियों के लिए गौरव और सौभाग्य की बात है। मिथिला की पुण्य भूमि सीतामढ़ी में स्थित पुनौराधाम को माता सीता की जन्मस्थली माना जाता है। बिहार के सीतामढ़ी जिले के पुनौरा गांव

- 120 करोड़ भूमि अधिग्रहण व 72 करोड़ मंदिर के विकास को सरकार ने दी मंजूरी
- मंदिर निर्माण बिहारवासियों के लिए गौरव की बात : सीएम

में स्थित जानकी जन्मभूमि मंदिर को श्रद्धालु पुनौराधाम के नाम से भी जानते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यहीं त्रेता युग में राजा जनक के खेत जोतने के दौरान माता सीता धरती से प्रकट हुई थीं। मिथिला की पावन कथा से जुड़ा इतिहास-पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, वैशाख शुक्ल नवमी को जब मिथिला के राजा जनक बारिश की कामना में हल चला रहे थे, तभी उनका हल एक मिट्टी के बर्तन या कलश से टकराया। उसे बाहर निकालने पर एक कन्या शिशु प्राप्त हुई। जिसे उन्होंने सीता नाम दिया। इसी कारण यह स्थान हिंदू धर्म में विशेष पवित्रता और आस्था का केंद्र है। कालांतर में इसी पावन स्थल के नाम पर नगर का नाम सीतामड़ई, फिर सीतामही और अंततः सीतामढ़ी पड़ा। प्रमुख धार्मिक स्थल-सीतामढ़ी के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। हलेश्वर स्थान जो भगवान शिव को समर्पित मंदिर है। मान्यता है कि इस मंदिर का निर्माण स्वयं राजा जनक ने करवाया था। यह स्थान श्रद्धालुओं और पर्यटकों दोनों के लिए आस्था और ऐतिहासिकता का संगम है।

120 करोड़ रुपये भूमि अधिग्रहण के लिए स्वीकृत-जानकी जन्मभूमि मंदिर को वैश्विक धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार की यह महत्त्वाकांक्षी योजना मंदिर के आसपास पर्यटकों के लिए आधुनिक सुविधाएं और बुनियादी ढांचा विकसित करने पर केंद्रित है। मंदिर क्षेत्र के विस्तारीकरण और सुविधाओं के विस्तार के लिए 50.5 एकड़ भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। संबंधित विभागीय टीम ने जमीन का भौतिक निरीक्षण पूरा कर लिया है और जिलाधिकारी कार्यालय ने विस्तृत रिपोर्ट पर्यटन निदेशालय को भेज दी है।

स्पीड न्यूज

हिज्बुल्ला का वरिष्ठ सदस्य और इराकी कमांडर मारा गया

तेहरान। ईरान की राजधानी तेहरान में हुए एक इजराइली हवाई हमले में लेबनानी सशस्त्र संगठन हिज्बुल्ला का एक वरिष्ठ सदस्य अबू अली खलील मारा गया। वह संगठन के दिवंगत प्रमुख हसन नसरल्लाह का अंगरक्षक रह चुका था। खलील के साथ ईरान समर्थित इराकी सशस्त्र गुट कतायब सय्यद अल-शुहदा के सुरक्षा प्रमुख की भी मौत हुई है। लेबनान के एक वरिष्ठ सुरक्षा सूत्र ने बताया कि अबू अली खलील इराक की धार्मिक यात्रा पर थे, जहां उनकी मुलाकात कतायब समूह के नेता से हुई। दोनों साथ में तेहरान पहुंचे और इजराइली हमले में खलील के बेटे समेत मारे गए।

बलूचिस्तान में धमाका 2 की मौत व 4 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत के कालात जिले में शनिवार को हुए एक बम विस्फोट में दो सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। यह जानकारी एक सुरक्षा अधिकारी ने दी। घटना कालात जिले के मांगोचर क्षेत्र के ग्रामीण जोबान इलाके में उस समय हुई, जब सुरक्षा बलों का एक वाहन गश्त कर रहा था। तभी सड़क किनारे छिपाए गए आईईडी को हमलावरों ने रिमोट से उड़ा दिया। फिलहाल किसी भी आतंकी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

मणिपुर में हथियार के साथ उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने एक उग्रवादी को गिरफ्तार किया। भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक और संचार उपकरण जब्त किए गए हैं। इम्फाल वेस्ट जिले के मायंग इम्फाल थाना मामांग थोंखोंग क्षेत्र से प्रतिबंधित संगठन कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वॉर ग्रुप) के एक कैडर यांगलेम सदानंद सिंह (26) को गिरफ्तार किया गया। वह मायंग इम्फाल थाना वांगखई लीकाई का निवासी है। आईएसआई के लिए जासूसी के आरोप में दो गिरफ्तार

सात नक्सलियों का शव बीजापुर में बरामद

जगदलपुर।बीजापुर जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में जून के पहले पखवाड़े के दौरान सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए सघन माओवादी विरोधी अभियानों की श्रृंखला में माओवादी कैडरों और सुरक्षाबलों के बीच हुई मुठभेड़ों के बाद सात माओवादियों के शव बरामद किए गए। बरामद शवों में दो शीर्ष माओवादी नेताओं सुधाकर ,माओवादी की केंद्रीय समिति का सदस्य एवं भास्कर राव , स्टेट कमिटी सदस्य शामिल हैं।

जापान के नेमुरो में भूकंप के तेज झटके

हांगकांग। जापान के नेमुरो शहर से 88 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण-पूर्व में भूकंप के तेज झटके महसूस किये गये। जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार स्थानीय समयानुसार शनिवार रात 21:23 बजे आये भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.1 मापी गयी। भूकंप का केन्द्र जमीन की सतह से 10 किमी की गहराई में 42.90 डिग्री उत्तरी अक्षांश तथा 146.50 डिग्री पूर्वी देशान्तर में था।

आइएसआइ के लिए जासूसी के आरोप में अमृतसर से दो धराये

चंडीगढ़। पंजाब में अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने दो लोगों को पाकिस्तान की इन्टर सर्विसेज इंटेलिजंस (आईएसआई) के लिए जासूसी करने के संदेह में गिरफ्तार किया है। डीजीपी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान गुरप्रीत सिंह गोपी फौज और साहिल मसीह उर्फ शाली के रूप में की गई है। उन्होंने कहा कि गुरप्रीत सिंह कथित रूप से सीधे आईएसआई आपरेटिव के संपर्क में था और संवेदनशील जानकारी दे रहा था।

आइएइए की आपात बैठक आज

ईरान-इजरायल युद्ध पर मंथन करेगी अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी

एजेंसी

वियना/नयी दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले के मद्देनजर सोमवार को आपात बैठक बुलायी है। आईएईए महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रॉसी ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा कि ईरान में गंभीर स्थिति के मद्देनजर सोमवार को गवर्नर्स की आपात बैठक बुलायी गयी है। ग्रॉसी ने कहा कि ईरान के तीन परमाणु स्थलों पर हमले किये गये हैं, हालांकि इस समय तक ऑफ-साइट विकिरण के स्तर में कोई वृद्धि नहीं हुई है। ईरान में स्थिति पर आगे का आकलन तब किया जाएगा जब और अधिक जानकारी उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि पिछले नौ दिनों में ईरान पर इजरायल के हमलों के दौरान

- ईरान के तीन परमाणु स्थलों पर हमले से विकिरण में कोई वृद्धि नहीं हुई है : ग्रॉसी

इस्फहान में एक बड़े परमाणु परिसर को दूसरी बार निशाना बनाया गया है, जिसमें कई और इमारतें भी शामिल हैं। इससे पहले आईएईए महानिदेशक ने शनिवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को पेश रिपोर्ट में कहा था कि ईरान में परमाणु स्थलों पर हमले वहां परमाणु सुरक्षा और संरक्षा में भारी गिरावट का कारण बना है, हालांकि अब तक कोई रेडियोलॉजिकल रिलीज नहीं हुआ है लेकिन ऐसा होने का खतरा है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घोषणा की है कि उनके देश ने तीन परमाणु सुविधाओं - फोर्डो,

इस्फहान और नतांज पर हमले किए हैं। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य ईरान की परमाणु संवर्धन क्षमता को नष्ट करना और दुनिया के नंबर एक आतंक प्रायोजक देश से उत्पन्न परमाणु खतरे को रोकना था। मैं दुनिया को बता सकता हूँ कि हमले शानदार, सैन्य सफलता थे। परमाणु संवर्धन सुविधाएँ पूरी तरह से नष्ट कर दी गई हैं।

शक्ति से आती है शांति : नेतन्याहू

यरूशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के परमाणु केन्द्रों पर हमला करने संबंधी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साहसिक निर्णय की रविवार को सराहना की और कहा कि इसने शक्ति के जरिए शांति को दर्शाया है। अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु केन्द्रों फोर्दो, नतांज और इस्फहान पर हमला किया जिसका उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर लगाम लगाना है। नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने का आपका (ट्रंप का) साहसिक निर्णय इतिहास बदल देगा। इजराइल के प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि

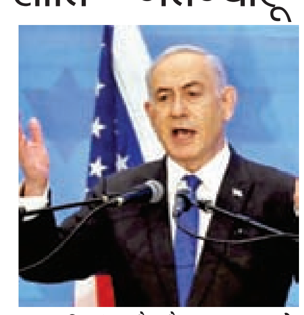

राष्ट्रपति ट्रंप और मैं अक्सर कहते हैं शक्ति से शांति। पहले शक्ति आती है, फिर शांति आती है। नेतन्याहू ने जोर देकर कहा कि उनके (ट्रंप) नेतृत्व ने आज इतिहास बनाया जो पश्चिम एशिया को आगे समृद्धि और शांति की ओर ले जाने में मदद कर सकता है।

भारत ने रूस से कच्चे तेल का आयात बढ़ाया

इजरायल-ईरान युद्ध

एजेंसी

नयी दिल्ली । इजरायल द्वारा ईरान पर हमले के बाद बाजार में आए उतार-चढ़ाव के बीच भारत ने जून में रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा दी है। भारत की जून में रूस से तेल खरीद पश्चिम एशिया के आपूर्तिकर्ता सऊदी अरब और इराक से आयातित मात्रा से अधिक रही है। अमेरिकी सेना ने रविवार सुबह ईरान में तीन स्थलों पर हमला किया। वह इस युद्ध में सीधे इजरायल के साथ शामिल हो गया है। वैश्विक व्यापार विश्लेषक कंपनी केपलर के शुरूआती आंकड़ों से पता चलता है कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियां जून में रूस से प्रतिदिन 20 से 22 लाख बैरल कच्चा तेल खरीद रही हैं। इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कुवैत से खरीदी गई कुल मात्रा से अधिक है। मई में रूस से भारत का तेल आयात 19.6 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) था। जून में अमेरिका से

- जून में रूस से प्रतिदिन 20 से 22 लाख बैरल कच्चा तेल खरीद रही हैं देश की रिफाइनरी कंपनियां

भी आयात बढ़कर 4,39,000 बीपीडी हो गया। पिछले महीने यह आंकड़ा 2,80,000 बीपीडी था। केपलर के अनुसार, पश्चिम एशिया से आयात के लिए पूरे महीने का अनुमान लगभग 20 लाख बैरल प्रतिदिन है, जो पिछले महीने की खरीद से कम है। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता देश भारत विदेशों से लगभग 51 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदता है, जिसे रिफाइनरी में पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में बदला जाता है।

परमाणु ठिकानों पर हमला खतरनाक युद्ध शुरू : ईरान

दुबई। ईरान के विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा कि अमेरिका ने इस्लामिक गणराज्य में तीन परमाणु ठिकानों पर हमला कर खुद ईरान के खिलाफ एक खतरनाक युद्ध की शुरूआत कर दी है। मंत्रालय ने रविवार सुबह जारी एक विस्तृत बयान में यह टिप्पणी की। मंत्रालय ने कहा कि दुनिया को यह नहीं भूलना चाहिए कि अमेरिका ने एक जारी कूटनीतिक प्रक्रिया के बीच इस्त्राइल जैसे नरसंहारकारी और कानूनविहीन शासन का समर्थन कर कूटनीति के साथ विश्वासघात किया है। अब, यहूदी शासन द्वारा किए गए उल्लंघनों और अपराधों की श्रृंखला को पूरा करके अमेरिका ने स्वयं ईरान के खिलाफ एक खतरनाक युद्ध शुरू कर दिया है। ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि ईरान को पूरा अधिकार है कि वह अमेरिकी सैन्य हमले और इस दुष्ट शासन द्वारा किए गए अपराधों

अमेरिका के बम हमलों से बेहद चिंतित हूं : गुतारेस

का पूरी ताकत से मुकाबला करे और अपनी सुरक्षा और देश के हितों की रक्षा करे। इससे पहले ईरान के शीर्ष अधिकारियों में विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि रविवार सुबह की घटनाएं बहुत ही भयानक हैं और इनके दूरगामी परिणाम होंगे। अमेरिका के हमलों के बाद विभिन्न देशों और संगठनों ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कहा है कि वह ईरान के परमाणु केंद्रों पर अमेरिका के बम हमलों से बेहद चिंतित हैं। गुतारेस ने कहा कि इस बात का जोखिम है कि यह संघर्ष तेजी से नियंत्रण से बाहर हो सकता है जिसके नागरिकों, क्षेत्र और दुनिया के लिए विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं।

झारखंड समेत देश भर में पांच दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट जारी

नयी दिल्ली। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। 22 से 26 जून के बीच देश के उत्तर-पश्चिम

भारत, मध्य प्रदेश, गुजरात, कोंकण और गोवा में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। खास बात यह है कि कुछ राज्यों में तो अगले कुछ दिनों में अत्यधिक भारी बारिश भी हो सकती है। आईएमडी के बुलेटिन के अनुसार 22 से 27 जून के दौरान अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, बिहार, झारखंड, गंगा क्षेत्र का पश्चिम बंगाल और ओडिशा में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई है। कई इलाकों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं, इससे यातायात और बिजली जैसी सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

संजय सेठ का केन्या और मेडागास्कर का दौरा आज से

खबर मन्त्र संवाददाता

नयी दिल्ली। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ 23 से 26 जून तक केन्या और मेडागास्कर के दौरे पर जायेंगे। रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक पहले चरण में सेठ 23 जून को केन्या में ताइता-तवेता काउंटी में स्मारक स्तंभ (भारत और केन्या के शहीद सैनिकों के सम्मान में युद्ध स्मारक) का संयुक्त अनावरण करेंगे। दूसरे चरण में वह 26 जून को मेडागास्कर जायेंगे जहां वह स्वतंत्रता की 65वीं वर्षगांठ और एंटानानारिवो में मालागासी सशस्त्र बलों के निर्माण के लिए आयोजित समारोह मे हिस्सा लेंगे। रक्षा राज्य मंत्री के साथ प्रतिनिधिमंडल भी इस दौरे पर रहेगा। भारत और केन्या समुद्री पड़ोसी हैं। दोनों देशों के बीच समकालीन संबंधों की विशेषता उच्च स्तरीय आदान-प्रदान,

केन्या में ताइता-तवेता काउंटी में स्मारक स्तंभ का सोमवार को अनावरण करेंगे रक्षा राज्य मंत्री

मजबूत व्यापार और निवेश, केन्या से चिकित्सा मूल्य यात्रा, साथ ही व्यापक लोगों से लोगों के बीच संपर्क है। दोनों राष्ट्र उपनिवेशवाद के खिलाफ संघर्ष की एक साझा विरासत साझा करते हैं। केन्या के स्वतंत्रता संग्राम में कई भारतीयों ने भाग लिया और उसका समर्थन किया। भारत और मेडागास्कर के बीच ऐतिहासिक संबंधों, साझा मूल्यों और क्षेत्रीय स्थिरता और विकास के प्रति प्रतिबद्धता पर आधारित बहुआयामी संबंध हैं।

युद्धपोत तमाल एक जुलाई को नौसेना में होगा शामिल

एजेंसी

नयी दिल्ली । भारतीय नौसेना के रूस में निर्मित गाइडेड मिसाइल युद्धपोत आईएनएस तमाल को 1 जुलाई को रूस के तटीय शहर कलिनिनग्राद में नौसेना में शामिल किया जाएगा। गाइडेड मिसाइल युद्धपोत आईएनएस तमाल कई मिसाइलों और निगरानी प्रणालियों को ले जाने में सक्षम है। अधिकारियों ने बताया कि जहाज में 26 प्रतिशत घटक स्वदेशी हैं, जिसमें समुद्र और जमीन दोनों पर निशाना साधने के लिए ब्रह्मोस लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल भी शामिल है। भारतीय नौसेना के अनुसार, युद्धपोत आइएनएस तमाल 125 मीटर लंबा है और इसका वजन 3900 टन है। इस युद्धपोत में भारतीय और रूसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों व युद्धपोत निर्माण की

सर्वोत्तम पद्धतियों का उपयोग किया गया है।

नौसेना में शामिल होने के बाद तमाल भारतीय नौसेना की स्वॉर्ड आर्म में शामिल हो जाएगा। स्वॉर्ड आर्म भारतीय नौसेना में पश्चिमी बेड़े के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक पद है। भारतीय नौसेना के प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने बताया कि युद्धपोत आईएनएस तमाल न केवल भारतीय नौसेना की बढ़ती क्षमताओं का प्रतीक होगा, बल्कि यह भारत-रूस साझेदारी की सहयोगी ताकत का भी उदाहरण पेश करेगा। आईएनएस तमाल पिछले दो दशकों में रूस से भारतीय नौसेना में शामिल होने वाला क्रिवाक श्रेणी का 8वां युद्धपोत

- रूस में निर्मित गाइडेड मिसाइल समुद्र और जमीन पर साधेगा सटीक निशाना

होगा। अधिकारियों ने बताया कि इस युद्धपोत का निर्माण कलिनिनग्राद स्थित यंतर शिपयार्ड में किया गया है। यह विदेशी स्त्रोत से शामिल किया जाने वाला अंतिम ऐसा पोत है।

तुरंत हमला करने वाले पनडुब्बी रोधी रॉकेट : इस युद्धपोत को नौसेना में शामिल किए जाने के लिए आयोजित होने वाले समारोह की अध्यक्षता पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल संजय जे सिंह करेंगे। इस कार्यक्रम में कई उच्च पदस्थ भारतीय और रूसी रक्षा अधिकारी शामिल होंगे। आईएनएस तमाल तुषिल श्रेणी का दूसरा युद्धपोत है, जो अपने पूर्ववर्ती तलवार और तेग कैटेगरी का मॉडर्न वर्जन है। अधिकारियों ने बताया कि युद्धपोतों की यह श्रंख्ला पूरी होने से भारतीय नौसेना 4 विभिन्न श्रेणियों में समान क्षमताओं और उपकरण, हथियार व सेंसर में समानता वाले 10 युद्धपोतों का संचालन करेगी। युद्धपोत आईएनएस तमाल में सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, 100 एमएम तोप, भारी वजन वाले टारपीडो, तत्काल हमला करने वाले पनडुब्बी रोधी रॉकेट और अनेक निगरानी व अग्नि नियंत्रण रडार हैं। मधवाल ने कहा कि तमाल अपने वजन से कहीं अधिक शक्तिशाली है, इसका टन भार और मारक क्षमता का अनुपात बहुत ऊंचा है। इसकी सहनशक्ति बहुत अधिक है। इसकी अधिकतम गति 30 नॉट से अधिक है।